RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 24। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद,20 सितंबर 2026 ( रविवार ) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

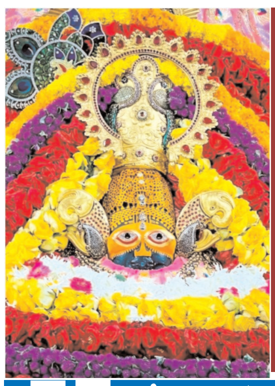

## पीएम मोदी ने 51 हजार से अधिक युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

### बोले- 'लहरों पर विजय लिखें, वो हौसला हमारा हो'

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 20वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी संगठनों में 51 हजार से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

इस अवसर पर नव चयनित उम्मीदवारों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत का युवा हौसले के साथ आगे बढ़ रहा है। अब सरकार में रहते हुए आपकी जिम्मेदारी है कि युवाओं की आकांक्षाओं को समझते हुए अपने काम को बखूबी निभाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले का उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि देश में त्योहारों का समय शुरू हो चुका है। इन खुशियों के बीच आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में एक नई खुशी लेकर आया है। आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। आज आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत तो है ही, इसके साथ ही आपके माता-पिता और आपके परिजनों की भी तपस्या है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आप सभी युवा साथियों को और आपके परिवारजनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। जीवन की इस नई शुरुआत के लिए मैं सभी को शुभकामनाएं भी देता हूं।

आज आप सभी एक ऐसे समय में भारत सरकार से जुड़े हैं, जब देश एक बहुत बड़े लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। ये लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत बनाने का है। इसमें आप जैसे युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। सरकार में रहते हुए आपको हर वो निर्णय लेना है, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के अभियान को निरंतर सशक्त करे। उन्होंने कहा कि युवा होने के नाते विशेष तौर पर अन्य युवाओं के प्रति आपकी विशेष जिम्मेदारी है। आज आप देख रहे हैं कि हमारे युवाओं के टैलेंट और स्किल्स ने पूरी दुनिया का भरोसा जीता है। दुनिया को हमारे इनोवेटर, उद्यमी और हमारी युवाशक्ति से बहुत उम्मीदें हैं।

### 'राष्ट्रीय रोजगार मेला' के तहत अब तक 12.75 लाख नियुक्ति पत्र जारी: सरकार

**नई दिल्ली।** सरकार द्वारा शनिवार को जारी एक फैक्टशीट के अनुसार, केंद्र सरकार के 'राष्ट्रीय रोजगार मेला' अभियान के तहत अब तक आयोजित 20 संस्करणों में करीब 12.75 लाख नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। फैक्टशीट में कहा गया है कि अक्टूबर 2022 में 10 लाख सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई यह पहल अब मिशन मोड में चलने वाला देशव्यापी भर्ती अभियान बन चुकी है। फैक्टशीट के अनुसार, चयनित उम्मीदवारों ने रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय सहित कई अन्य विभागों में अपनी जिम्मेदारियां संभाली हैं। सरकार ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया को मिशन मोड में आगे बढ़ाया गया, जिसके तहत विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में स्वीकृत पदों पर रिक्तियां भरने के लिए विशेष प्रयास किए। यह प्रक्रिया संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) जैसी स्थापित भर्ती एजेंसियों के माध्यम से संचालित की गई।

## केंद्र सरकार ने 14 नए जजों की नियुक्ति को दी मंजूरी

**• दिल्ली हाईकोर्ट के लिए 7 नामों पर लगी मुहर**

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने शनिवार को अलग-अलग हाई कोर्ट में 14 जजों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने इसकी जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जजों की सूची जारी करते हुए लिखा, 'भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद, राष्ट्रपति न्यायिक अधिकारियों को उच्च न्यायालयों में न्यायाधीश/ अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करते हैं।' दिल्ली हाईकोर्ट में कुल 7 जजों की नियुक्ति की गई है। निवेदिता अनिल शर्मा और निशा सहाय

सक्सेना को स्थायी जज नियुक्त किया गया है। वहीं, संजय शर्मा, भरत पाराशर, अदिति चौधरी, दिनेश भट्ट और अरुण भारद्वाज को अतिरिक्त जज नियुक्त किया गया है। अरुण भारद्वाज अभी दिल्ली हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल हैं।

### इससे पहले, 10 सितंबर को

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाई कोर्ट के जजों के लिए 8 न्यायिक अधिकारियों की सिफारिश भेजी थी। हालांकि, केंद्र सरकार ने उनमें से सिर्फ 7 नामों को मंजूरी दी है। दिल्ली हाई कोर्ट में जजों की कुल स्वीकृत संख्या 60 है। फिलहाल वहां 44 जज काम कर रहे हैं, यानी 16 पद खाली हैं।

## दिशा सालियान मामले में आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस

**मुंबई ।** दिवंगत दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस देने के लिए उनके आवास 'मातोश्री' पहुंचे। हालांकि, सतीश सालियान और उनके वकील को मातोश्री के भीतर प्रवेश नहीं करने दिया गया, जिसके बाद नोटिस मुख्य गेट पर ही दिया गया। सतीश सालियान के वकील निलेश ओझा ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि उन्हें पहले धमकी दी गई थी कि उन्हें वकालत नहीं करने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसी का जवाब देने के लिए वे मातोश्री पहुंचे और कानूनी नोटिस वहीं जाकर सौंपा। निलेश ओझा ने कहा, 'हमें कहा गया था कि हमें प्रैक्टिस नहीं करने देंगे।

## नफरत की राजनीति से समाज बांट रही भाजपा : अखिलेश यादव

**भाजपा को सत्ता से हटाना लोकतंत्र और प्रदेश के भविष्य के लिए जरूरी : अखिलेश यादव**

एजेंसी

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को भाजपा पर निशाना साधा और प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी तथा भ्रष्टाचार को लेकर कई सवाल उठाए। उन्होंने अजय सेठ से जुड़े वीडियो को साझा करने पर मुकदमा दर्ज होने का हवाला देते हुए तंज कसा कि आने वाले समय में 'जो इस वीडियो को देखेगा, उस पर भी मुकदमा होगा।' उन्होंने कहा कि भाजपा को सत्ता से हटाना लोकतंत्र और प्रदेश के भविष्य के लिए जरूरी है तथा समाजवादी पार्टी पीडीए की एकजुट कर उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया करने के लिए संकल्पित है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अजय सेठ वाला वीडियो साझा करने पर

एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा करा दिया गया। उन्होंने श्रावस्ती और बलरामपुर की घटनाओं का भी जिक्र किया। उनका कहना था कि यदि वीडियो साझा करने पर एफआईआर हो सकती है तो आगे ऐसी स्थिति भी बन सकती है कि वीडियो देखने वाले लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज हो। उन्होंने तंज करते हुए कहा, 'ये भाजपा वाले कुछ भी कर सकते हैं।' अखिलेश यादव ने कहा कि श्रावस्ती में पूर्व विधायक द्वारा सिर्फ एक वीडियो साझा करने पर एफआईआर दर्ज कर दी गई।

## भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहली आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता

### रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर हुई चर्चा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारत और दक्षिण अफ्रीका ने नई दिल्ली में पहली 'आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता' की। इस बातचीत में संयुक्त ट्रेनिंग एक्सचेंज और संयुक्त क्षमता-निर्माण पहलों के जरिए दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर गंभीर मंत्रणा हुई। बैठक के बाद, भारतीय सेना ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा, 'भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सेना-से-सेना के स्तर पर पहली बार

स्टाफ वार्ता (एएसटी) 16-18 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित की गई। दोनों पक्षों ने ट्रेनिंग एक्सचेंज और संयुक्त क्षमता निर्माण के जरिए द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। ये सेनाओं के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।' भारतीय सेना के अनुसार, दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय सेना की एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़ी पहलों और 505 आर्मी बेस वर्कशॉप का भी दौरा किया, जिससे उन्हें टेक्नोलॉजी पर आधारित बदलाव और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के बारे में जानकारी मिली।

यह आर्मी-टू-आर्मी वार्ता, नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के बीच हुई बैठक के कुछ दिनों बाद हुई है। बैठक में द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की गई थी।

## बंगाल उपचुनाव: ममता बनर्जी से बातचीत के बाद बदला फैसला

**• अब रेजिनगर उपचुनाव लड़ेंगे रबीउल आलम चौधरी**

एजेंसी

**नई दिल्ली।** ममता बनर्जी के खेमे की उम्मीदवार संचिता प्रधान के द्वारा नंदीग्राम से नामांकन वापस लेने के बाद तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने भी रेजीनगर से पीछे हटने का फैसला लिया था। हालांकि, कुछ ही घंटों में उन्होंने अपना रुख बदल लिया। रबीउल ने घोषणा की कि वह अंततः चुनाव में बने रहने का फैसला करेंगे। शनिवार सुबह पत्रकारों से बात करते हुए रेजीनगर से ममता समर्थक उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने कहा, 'कम समय

में मतदाताओं को नए चुनाव चिह्न से परिचित कराना मुश्किल है। पार्टी कार्यकर्ताओं से चर्चा करने के बाद मैंने अपना नामांकन वापस लेने का फैसला किया है। मैंने अपने नेता को भी इस बारे में सूचित कर दिया है। कार्यकर्ताओं को प्रचार के लिए नहीं भेजा जा रहा है। चुनाव चिह्न एक बड़ा मुद्दा है।' हालांकि, दिन बीतने के साथ ही स्थिति बदल गई। रबीउल ने बताया कि उन्होंने तृणमूल के कई नेताओं से बात की। फिर वे बेलडांगा पुलिस स्टेशन गए। वहां सुरक्षा का आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने दोबारा चुनाव लड़ने का फैसला किया।

## यूपी के गोंडा में 10 हजार लोग बाढ़ में फंसे

### महाराष्ट्र में बिजली गिरने से 5 मौतें

एजेंसी

**नई दिल्ली।** देश भर में मानसून का असर अब कम होने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में मानसून की वापसी शुरू होने के आसार हैं। इसके बाद यह पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और मध्य प्रदेश से धीरे-धीरे पीछे हटेगा। फिर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के बाकी हिस्सों से मानसून कमजोर होते हुए पूरे देश से विदा होगा।

यूपी में 22 सितंबर से बारिश की गतिविधियां रुकने की संभावना है। हालांकि, कुछ हिस्सों में अब भी बाढ़ जैसे हालात हैं। राज्य के गोंडा में घाघरा नदी के जलस्तर में कमी आने से कुछ राहत मिली है, लेकिन 15

गांवों में करीब 10 हजार लोग अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। कई घरों और आसपास के इलाकों में पानी भरा हुआ है। इधर, महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में लंबे सूखे के बाद बारिश हुई। इस दौरान बिजली गिरने की दो घटनाओं में एक दंपती समेत 5 लोगों की मौत हो गई। हादसों में चार लोग घायल भी हुए हैं।

### उत्तराखंडः राज्य में 52 सड़कें बंद

उत्तराखंड में किसी भी जिले के लिए मौसम का अलर्ट नहीं है। मैदानी और पहाड़ी इलाकों में सुबह धूप खिली रही, हालांकि कुछ ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश या गरज के साथ बौछार हो सकती है। चीरबासा में लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ पैदल मार्ग की मरम्मत के चलते सोनप्रयाग से सुबह 5 से 9 बजे तक यात्रा रोकी गई है, जबकि हेलिकॉप्टर सेवाएं जारी हैं। बारिश और बर्फबारी के बाद प्रदेश में अब भी 52 सड़कें बंद हैं।

## दिल्ली वालों का लंबा इंतजार खत्म

### 29 सितंबर को खुलेगा बारापुला फेज-3 फ्लाईओवर

एजेंसी

**नई दिल्ली।** बारापुला फेज III फ्लाईओवर 29 सितंबर को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इससे मयूर विहार और सराय काले खां के बीच सिग्नल-फ्री कनेक्टिविटी मिलेगी और यात्रा का समय घटकर लगभग 15 मिनट रह जाएगा। दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे।

इस फ्लाईओवर के खुलने से नोएडा और पूर्वी दिल्ली से दक्षिण दिल्ली जाने वाले लोगों के लिए सफर आसान हो जाएगा। एक

दशक से ज्यादा समय तक, बारापुल्ला फेज-III की, कई बार डेडलाइन चूकने और अनसुलझे सवालों का पर्याय बना रहा। मूल रूप से 2017 में पूरा होने की उम्मीद वाला बारापुल्ला फ्लाईओवर प्रोजेक्ट दिल्ली के सबसे ज्यादा देरी वाले इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से एक बन गया। इसमें जमीन अधिग्रहण के सात साल पुराने विवाद, पर्यावरण मंजूरी, यमुना फ्लडप्लेन पर एक बड़े पुल के निर्माण से जुड़ी तकनीकी चुनौतियां और लंबे समय तक चली प्रशासनिक अड़चनें जैसी कई रुकावटें आईं।

**3.5 किलोमीटर लंबा और तीन-लेन वाला यह फ्लाईओवर आठ लूप देगा। इसमें चार सराय काले खां में और चार मयूर विहार में होंगे। इस कॉरिडोर से नेशनल हाईवे 24, डीएनडी फ्लाईवे और रिंग रोड पर ट्रैफिक का दबाव कम होने की उम्मीद है।**

## लुधियाना में सीएम मान के काफिले पर फेंके टमाटर

**• भाजपा नेता रवनीत बिट्टू पर लगे आरोप, पुलिस ने हिरासत में लिया**

एजेंसी

**नई दिल्ली।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के काफिले पर लुधियाना में पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू व भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा टमाटर फेंकने का आरोप लगा है। इस घटना के बाद रवनीत बिट्टू को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री भगवंत मान पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में

शामिल होने आए थे। जब वह कार्यक्रम से बाहर निकले, तो भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने उनके काफिले पर टमाटर फेंके। रवनीत बिट्टू ने स्वयं इस घटना की जानकारी दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने आरोप लगाया कि उन्होंने मुख्यमंत्री मान को 'अंडे, शराब की बोतल और टमाटर' दिए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर पंजाब में नशे को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। बिट्टू ने यह भी कहा कि उनके काफिले पर भी आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हमला किया था, जिसकी रिपोर्ट उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी है।

### बटाला में काफिले पर अंडे फेंकने का लगाया था आरोप

बिट्टू ने बटाला के पास अपने काफिले पर अंडे फेंके जाने का आरोप लगाया था। वह भाजपा की 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' में शामिल होने के लिए पठानकोट जा रहे थे। बिट्टू ने आरोप लगाया था कि उनके काफिले को निशाना बनाया गया और उनकी सुरक्षा टीम ने तीन लोगों को पकड़ लिया।

## डूसू चुनाव 2026: एबीवीपी की तीन सीटों पर जीत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव 2026 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की तीन सीटों पर जीत हुई। चुनाव परिणाम के अनुसार, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष, सचिव और सह-सचिव पद पर जीत दर्ज की है। नतीजे को लेकर एबीवीपी ने कहा है कि हमने 3-0 से जीत दर्ज की है। इसने यह स्पष्ट कर दिया कि आज का युवा विकास और राष्ट्रवाद की सोच से जुड़ा हुआ है। दिल्ली विश्वविद्यालय को विविधताओं से भरे 'मिनी-इंडिया' के रूप में देखा जाता है। ऐसे में डूसू चुनाव का परिणाम छात्र राजनीति के साथ-साथ युवाओं के बीच विकास और राष्ट्रवाद जैसे मुद्दों को लेकर चर्चा का विषय बना है।

# बनासकांठा में पीएम नेशनल एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट स्कीम में 17 करोड़ का मूंगफली बीज घोटाला?

## सरकार के 'बड़े लोगों' पर उंगलियां उठीं!

## करोड़ों रुपये की 40,610 क्विंटल मूंगफली बीज सब्सिडी में भ्रष्टाचार!

## ग्राम सेवकों का वेरिफिकेशन गायब, डीडीओ और एग्रीकल्चर ऑफिसर की रिपोर्ट दबाने का गंभीर आरोप

**महानगर मेट्रो सुपर एक्सक्लूसिव स्टोरी**

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

**पालनपुर / बनासकांठा।** सनसनीखेज आरोप सामने आए हैं कि राज्य के बॉर्डर और किसान-प्रधान बनासकांठा जिले में 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना' के नाम पर करोड़ों रुपये का बड़ा बीज सब्सिडी घोटाला किया गया है। बनासकांठा में मूंगफली उगाने वाले गरीब किसानों के नाम पर सरकारी खजाने में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की जानकारी सामने आई है, जिससे पूरे राज्य की राजनीति और एग्रीकल्चर सेक्टर में हलचल मच गई है। राज्य सरकार ने बनासकांठा जिले में मूंगफली उगाने वाले किसानों को ज़्यादा से ज़्यादा 2 हेक्टेयर तक 40 रूपये प्रति किलोग्राम की मदद देने का ऐलान किया था। लेकिन, किसानों तक यह मदद पहुंचने से पहले ही कोऑपरेटिव और अधिकारियों की मिलीभगत से करोड़ों रुपये हड़पने के गंभीर आरोप लगे हैं।

**40,610 क्विंटल बीज गायब? कैसे हुआ घोटाला?**

मिली चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, दावा किया गया था कि जिले में कोऑपरेटिव के ज़रिए 40,610 क्विंटल मूंगफली के बीज बांटे गए। लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही है:

**बिना ग्राउंड वेरिफिकेशन के सिर्फ़ कागज़ों पर बांटना:** नियम के मुताबिक, ग्राम सेवकों को किसानों के खेतों में जाकर वेरिफिकेशन करना होता है। लेकिन कई ग्राम सेवकों ने इस भ्रष्टाचार की बू आने पर साइन करने या वेरिफिकेशन करने से साफ़ मना कर दिया!

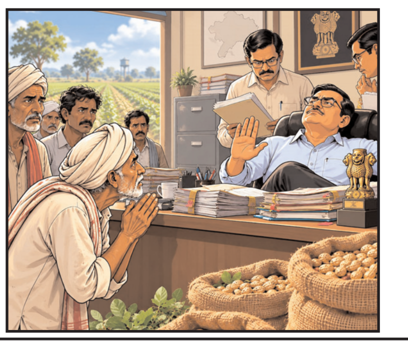

**महानगर मेट्रो के कृषि मंत्रालय से 5 खतरनाक और सीधे सवाल:**

**जिन लोगों ने यह घोटाला करके किसानों के हक पर डाका डाला है, उनके खिलाफ महानगर मेट्रो राज्य के कृषि मंत्रालय से ये साफ जवाब मांगता है:**

1. **क्वांटिटी की असलियत:** राज्य सरकार ने बनासकांठा के किसानों के लिए ज़िला कृषि अधिकारी को कितनी क्वांटिटी में मूंगफली के बीज फिजिकली दिए, असल में कितनी क्वांटिटी पहुंची?
2. **बेनिफिशियरी की लिस्ट:** राज्य सरकार ने अब तक बनासकांठा के कितने किसानों को मदद के तौर पर पैसे दिए हैं और कुल कितनी रकम दी है?
3. **खरीद का हिसाब:** सरकार ने किस कोऑपरेटिव संस्था से, किस प्राइवेट या सरकारी कंपनी से, किस कीमत पर और उस संस्था ने कितनी क्वांटिटी में मूंगफली के बीज खरीदे?
4. **बैंक ट्रांसफर के आंकड़े:** जिला कृषि अधिकारी के ऑफिस ने अब तक कितने किसानों के डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर अकाउंट में कितने पैसे जमा किए हैं?
5. **खेती का एरिया:** बनासकांठा जिले में असल में कितने हेक्टेयर मूंगफली की खेती रजिस्टर्ड है और इसके बदले कितनी बीज सब्सिडी निकाली गई है?

**अधिकारियों की रिपोर्ट दबाई गई:** लोकल ज़िला कृषि अधिकारी ने राज्य सरकार को एक जांच रिपोर्ट सौंपी थी जिसमें कहा गया था कि मूंगफली के बीज की सब्सिडी में बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है। लेकिन आरोप है कि गांधीनगर में बैठे मालिकों ने इस रिपोर्ट को दबा दिया। कोऑपरेटिव और कंपनियों की मिलीभगत: बीज किस कंपनी से खरीदे गए और वह क्वांटिटी असल में ज़िले तक पहुंची या नहीं, इस बारे में एक बड़ा राज़ है।

## ग्राम पंचायतों और नगर पालिकाओं पर पानी के बिल का करोड़ों रुपये का कर्ज!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** गुजरात के विकास के दावों के बीच राज्य की स्थानीय स्वशासन संस्थाएं भारी आर्थिक संकट और वित्तीय संकट के दुष्चक्र में फंस गई हैं। जनता को प्राथमिक सुविधाएं प्रदान करने वाली ग्राम पंचायतों और नगर पालिकाओं की आर्थिक स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है, जिसका ज्वलंत उदाहरण बकाया पानी के जुर्माने और करों के करोड़ों रुपये के आंकड़ों से सामने आया है। राज्य के ग्रामीण इलाकों में घर-घर पीने का पानी पहुंचाने वाली ग्राम पंचायतें खुद ही अब कर्ज के पहाड़ के नीचे दब गई हैं। प्राप्त सही जानकारी के अनुसार, राज्य की विभिन्न ग्राम पंचायतों का जल आपूर्ति विभाग और संबंधित बोर्ड को चुकाए जाने वाले जल कर का बकाया 236 करोड़ के आंकड़े को भी पार कर गया है। ग्राम स्तर पर कर की कमजोर वसूली, अपर्याप्त सरकारी अनुदान और बिजली बिल सहित बढ़ते खर्चों के कारण पंचायतें अपने प्राथमिक बिल भी चुकाने की स्थिति में नहीं रही हैं। दूसरी ओर, राज्य की शहरी स्थानीय स्वशासन संस्थाओं यानी नगर पालिकाओं की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। राज्य की लगभग 152 नगर पालिकाओं पर 148 करोड़ से अधिक का पानी का बिल बकाया है। नगर पालिकाओं द्वारा स्थानीय निवासियों से जल कर उचित रूप से वसूलने में विफलता और आय के सीमित स्रोतों के कारण जल आपूर्ति बोर्ड के बिल चुकाने में भारी मुश्किलें आ रही हैं। बोटाद, अंजार, पाटण और पालनपुर जैसी बड़ी नगर पालिकाओं पर करोड़ों रुपये के पानी बिल का बकाया चढ़ गया है। स्थानीय स्वशासन की ये संस्थाएं अपना दैनिक प्रशासन चलाने और कर्मचारियों का वेतन देने के लिए भी सरकारी ऋण या विशेष अनुदान पर निर्भर हो गई हैं। बकाया राशि न भरे जाने के कारण जल आपूर्ति विभाग पर भी आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। यदि समय पर कर वसूली की सख्त नीति नहीं अपनाई गई और स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के वित्तीय ढांचे में सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में जनता को दी जाने वाली पीने के पानी और सफाई जैसी प्राथमिक सुविधाओं पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ने की पूरी संभावना है।

## अहमदाबाद में गंदगी और प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ एएमसी की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एएमसी) का तंत्र सक्रिय हो गया है। सार्वजनिक रूप से गंदगी फैलाने और सरकार द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का खुलेआम उपयोग करने वाले बेलगाम व्यापारियों के खिलाफ एएमसी के पश्चिमी जोन के ठोस अपशिष्ट (सॉलिड वेस्ट) विभाग ने कड़ा रुख अपनाते हुए दंडात्मक कार्रवाई की है। एएमसी द्वारा पश्चिमी जोन में विशेष स्क्वॉड टीमें बनाकर पिछले तीन दिनों के दौरान दिन और रात के समय सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान नारणपुरा, राणीप, नवा वाडज, नवरंगपुरा, एस.पी. स्टेडियम और साबरमती सहित विभिन्न इलाकों में स्थित खाने-पीने के ठेलों, दुकानों और व्यावसायिक इकाइयों सहित कुल 237 स्थानों पर औचक निरीक्षण किया गया। इनमें से सार्वजनिक रूप से गंदगी और प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करते पाए गए 145 इकाइयों को तत्काल प्रभाव से नोटिस जारी किया गया। जांच के दौरान टीम ने मौके से 3.8 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया और केवल प्लास्टिक के उपयोग पर 57,000 का प्रशासनिक शुल्क वसूला। इसके अलावा, सार्वजनिक सड़कों और फुटपाथों पर कचरा फेंककर परेशानी खड़ी करने और बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाली 8 इकाइयों (गंभीर अपराधियों के समान) को सील कर दिया गया। पूरी कार्रवाई के दौरान एएमसी ने कुल मिलाकर 2 लाख 10 हजार का जुर्माना और प्रशासनिक शुल्क वसूल कर असामाजिक तत्वों में खौफ पैदा कर दिया है।

**महानगर मेट्रो के तीखे और चुभते सवाल:**

एएमसी की यह कार्रवाई सराहनीय है, लेकिन जनता के मन में कई सवाल घूम रहे हैं: केवल कागजों पर नोटिस या स्थायी समाधान?: 145 इकाइयों को नोटिस देने के बाद, क्या ये इकाइयां फिर से सार्वजनिक रूप से गंदगी या प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगी, इसकी नियमित जांच के लिए तंत्र के पास कोई ठोस योजना है? प्लास्टिक बाजार में आता कहां से है?: छोटे व्यापारियों पर जुर्माना लगाने के अलावा, प्रतिबंधित प्लास्टिक का उत्पादन और थोक आपूर्ति करने वाले मुख्य माफियाओं तक तंत्र के हाथ क्यों नहीं पहुंच रहे हैं? स्थायी निगरानी कब?: बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों से केवल जुर्माना वसूल कर संतुष्ट होने के बजाय, उनके खिलाफ स्थायी कानूनी कार्रवाई और निरंतर निगरानी की व्यवस्था कब स्थापित की जाएगी? एएमसी ने आने वाले दिनों में भी इस तरह का अभियान जारी रखने की घोषणा की है, लेकिन यह बहुत जरूरी है कि ये छापे केवल कागजों पर जुर्माना वसूलने तक सीमित न रहें, बल्कि शहर को वास्तव में प्लास्टिक मुक्त बनाएं।

## राजस्व विभाग के पोर्टल ठप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** गुजरात सरकार के राजस्व विभाग के अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाने वाले ऑनलाइन डिजिटल पोर्टलों में अचानक बड़ी तकनीकी खराबी आने से पूरे राज्य में जमीन, संपत्ति और खेती से जुड़ी ऑनलाइन सेवाएं पूरी तरह से ठप हो गई हैं। अप्रत्याशित तकनीकी खराबी के कारण ई-धरा, आईओआरए (इंटीग्रेटेड ऑनलाइन रेवेन्यू एप्लीकेशन) और एनीआरओआर जैसे जनसंपर्क वाले पोर्टल बंद हो गए हैं। इसके कारण राज्य भर के किसानों, बिल्डरों, वकीलों और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 6 सितंबर को सेवाएं फिर से शुरू करने का दावा किया गया था, लेकिन अपग्रेडेशन के तुरंत बाद अचानक नई और जटिल सर्वर समस्याएं उत्पन्न होने से पोर्टल को फिर से ऑफलाइन करना पड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, इन तकनीकी खामियों को सुधारने में गुरुवार तक का समय लग सकता है। फिलहाल एनआईसी, गुजरात राज्य डेटा सेंटर और एनकोड की तकनीकी टीमें 24 घंटे लगातार सर्वर मरम्मत के काम में जुटी हुई हैं। राज्य में ये तीन पोर्टल जमीन-संपत्ति के सभी प्रशासन का मुख्य आधार हैं। पोर्टल बंद होने से राज्य भर में निम्नलिखित कार्य ठप हो गए हैं: जमीन के अधिकार के रिकॉर्ड यानी 7/12, 8-अ और हक पत्रक-6 के डिजिटल उतारे डाउनलोड करना और जमीन के मालिकाना हक का विवरण प्राप्त करना बंद हो गया है। गैर-कृषि (एन.ए.) की मंजूरी, किसान सत्यापन प्रमाण पत्र प्राप्त करना, जमीन प्रीमियम का भुगतान, गैर-किसान से किसान बनने की अनुमति और राजस्व विवादों-अपीलों के ऑनलाइन आवेदनों की प्रक्रिया अटक गई है। जमीन के रिकॉर्ड में होने वाले सभी प्रकार के बदलाव (कच्ची-पक्की प्रविष्टियां) दर्ज करना असंभव हो गया है। सर्वर डाउन होने के कारण सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में जमीन-संपत्ति के दस्तावेज पंजीकरण, बैंकों से जमीन पर ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया और गैर-कृषि आवेदनों के सत्यापन जैसे महत्वपूर्ण काम अटक गए हैं। आवेदक और किसान सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हो गए हैं।

## सोशल मीडिया के जरिए युवती का अश्लील वीडियो बनाकर हर महीने 10,000 की वसूली! बोपल पुलिस एक्शन में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर के पॉश माने जाने वाले घुमा-बोपल इलाके में सोशल मीडिया और साइबर अपराध के जरिए एक युवती को ब्लैकमेल करने का बेहद चौंकाने वाला और आंखें खोल देने वाला मामला सामने आया है। एक शातिर युवक ने युवती का विश्वास जीतकर या कोई जाल बिछाकर उसका इंस्टाग्राम आईडी और पासवर्ड हासिल कर लिया था। इसके बाद वीडियो कॉल के दौरान युवती का अश्लील वीडियो बनाकर उसे लगातार धमकाने और ब्लैकमेल करने का काला कारोबार शुरू कर दिया। पीड़ित युवती द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत के अनुसार, आरोपी ने युवती का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी थी। वीडियो डिलीट करने और वायरल न करने के बदले में बदमाश ने हर महीने 10,000 देने के लिए युवती पर मानसिक दबाव बनाना शुरू कर दिया था। आरोपी की लगातार धमकियों और बदनामी के डर से घबराई युवती ने शुरुआत में 4,000 ऑनलाइन ट्रांसफर भी कर दिए थे। लेकिन आरोपी की नीयत और बिगड़ने तथा हर महीने पैसों की मांग जारी रखने पर आखिरकार युवती ने हिम्मत जुटाई और परिवार की मदद से पुलिस स्टेशन का दरवाजा खटखटाया। युवती की गंभीर आपबीती और शिकायत के आधार पर बोपल पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस और साइबर सेल की मदद से इस लंपट आरोपी की लोकेशन ट्रेस करके उसे जल्द से जल्द दबोचने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। इस मामले में साइबर एक्ट और ब्लैकमेलिंग की कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह घटना हमारे आसपास बढ़ रहे साइबर अपराधों के प्रति एक चेतावनी के समान है। किसी भी अनजान या परिचित व्यक्ति के साथ अपना सोशल मीडिया आईडी या पासवर्ड कभी शेयर न करें। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ वीडियो कॉल पर निजी या अंतरंग पल शेयर करने से बचें। यदि दुर्भाग्य से कोई ऐसी ब्लैकमेलिंग का शिकार होता है, तो डरे बिना सभी डिजिटल सबूत (चैट, स्क्रीनशॉट, कॉल रिकॉर्डिंग) सुरक्षित रखकर तुरंत स्थानीय पुलिस या साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें।

## एसएमसी की कार्रवाई: अंकलेश्वर में सरगम कॉम्प्लेक्स के पास चल रहा वरली मटका का अड्डा ध्वस्त...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अंकलेश्वर।** यहां कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाने वाली एक बड़ी घटना सामने आई है। गांधीनगर स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) की टीम ने अंकलेश्वर शहर के मुख्य इलाके में छापा मारकर चल रहे वरली मटका के गोरखधंधे का भंडाफोड़ किया है। स्थानीय पुलिस की नाक के नीचे चल रहे इस जुआघर पर एसएमसी ने अचानक दबिश देकर महिला संचालक सहित कुल 8 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो राइटर पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, एसएमसी की टीम को पुख्ता सूचना मिली थी कि अंकलेश्वर के सर्कल तीन रास्ता से ओएनजीसी ऑफिस की तरफ जाने वाले मार्ग पर स्थित सरगम कॉम्प्लेक्स के पास खुले इलाके में वरली मटका का जुआ खिलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर एसएमसी के पुलिस इंस्पेक्टर जे.जे. चावड़ा और उनकी टीम ने औचक छापेमारी की योजना बनाई। पंचों की उपस्थिति में मारे गए इस छापे के दौरान जुआघर में अफरातफरी मच गई। छापेमारी के दौरान एसएमसी की टीम ने मौके से मुख्य महिला संचालक भारतीबेन जयंतीभाई वसावा और अन्य 7 ग्राहकों तथा सहयोगियों को घेरकर पकड़ लिया। हालांकि, आंकड़े लिखने का काम करने वाले दो अज्ञात राइटर पुलिस के काफिले को देखकर अंधेरे और भीड़ का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पकड़े गए अन्य आरोपियों में मुस्ताक महमद पटेल, अजयकुमार गोपालभाई सोनी, शौकतअली जाफरअली सैयद, नितेश चंदूभाई देवीपूजक, जय भवरसिंह राठौड़, मनसुखभाई नातिया परमार और रिक्शा चालक दिलावर अकबरशा दीवान शामिल हैं। पुलिस ने घटनास्थल (जुआ के अड्डे) से कुल 94,850 रुपये का माल जब्त किया है, जिसमें शामिल हैं: 26,850 रुपये नकद, 18,000 रुपये कीमत के 7 मोबाइल फोन, 50,000 रुपये कीमत की एक सीएनजी ऑटो रिक्शा, वरली मटका के आंकड़े लिखी 9 पर्चियां। जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि मुख्य महिला संचालक भारतीबेन वसावा कोई सामान्य आरोपी नहीं है, बल्कि जुए की दुनिया का पुराना नाम है। उसके खिलाफ पहले भी अंकलेश्वर शहर 'ए' डिवीजन पुलिस स्टेशन में जुआ अधिनियम के तहत 6 मामले दर्ज हो चुके हैं। बार-बार अपराध करने के बावजूद यह जुआघर फिर से शुरू हो जाने के कारण स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। एसएमसी की टीम ने अपनी कार्रवाई को पारदर्शी बनाए रखने के लिए ई-साक्ष्य एप्लीकेशन के माध्यम से पूरी छापेमारी की डिजिटल वीडियो रिकॉर्डिंग की। पकड़े गए और भागने वाले दोनों राइटरों के खिलाफ जुआ निरोधक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

## अहमदाबाद में नरोड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

### चंडीगढ़ से बस में लाया जा रहा 9 करोड़ का मेफेड्रोन मादक पदार्थ जब्त, निखिलेश नामक तस्कर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर में नशे के काले कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ा प्रहार किया है। शहर के नाना चिलोडा के पास नरोड़ा पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर निगरानी रखकर करोड़ों रुपये के मेफेड्रोन मादक पदार्थ की खेप के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। चंडीगढ़ से एक निजी बस में मादक पदार्थ की यह खेप घुसाने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन नरोड़ा पुलिस की पैनी नजर ने इस काले कारोबार का भंडाफोड़ कर दिया।

**स्थानीय बाजार में 55 लाख और अंतरराष्ट्रीय कीमत 9 करोड़ से अधिक**

पुलिस द्वारा जब्त किए गए मेफेड्रोन मादक पदार्थ की स्थानीय बाजार में कीमत लगभग 55 लाख आंकी गई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस खेप की कीमत 9 करोड़ से भी अधिक होने का प्रारंभिक अनुमान लगाया गया है। पुलिस की इस तत्परता और कड़ी कार्रवाई के कारण अहमदाबाद शहर में घुसाई जा रही जहर की यह बड़ी खेप पकड़ी गई है।

**1 लाख के मेहनताने के लिए बना मादक पदार्थ का वाहक: नाइजीरियाई तार सामने आए**

पुलिस की कड़ी पूछताछ में पकड़े गए आरोपी निखिलेश के बारे में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आरोपी पिछले 15 सितंबर को अहमदाबाद से विशेष रूप से मादक पदार्थ की खेप लेने के लिए चंडीगढ़ गया था। वहां उसने एक नाइजीरियाई व्यक्ति से यह मेफेड्रोन की खेप प्राप्त की थी। चंडीगढ़ से अहमदाबाद बस के माध्यम से इस मादक पदार्थ को पहुंचाने के बदले में उसे 1 लाख का मेहनताना मिलना तय हुआ था। महज लाख रुपये के लालच में आरोपी करोड़ों रुपये का नशे का सामान लेकर अहमदाबाद पहुंचा था, जहां वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

**मादक पदार्थ गिरोह की गहन जांच: और नाम खुलने की संभावना**

यह बड़ी खेप अहमदाबाद में किसे आपूर्ति की जानी थी और इसके पीछे किन बड़े लोगों का हाथ है, इस दिशा में नरोड़ा पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस ने चंडीगढ़ में खेप देने वाले नाइजीरियाई व्यक्ति और अहमदाबाद के स्थानीय प्राप्तकर्ताओं को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। अंतरराज्यीय मादक पदार्थ गिरोह के इस मामले में आने वाले दिनों में और चौंकाने वाले खुलासे तथा बड़े नाम सामने आने की पूरी संभावना है।

## हद है! अहमदाबाद में एक ही नंबर प्लेट पर दौड़ रही थीं एएमटीएस की 2-2 इलेक्ट्रिक बसें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर के स्मार्ट ट्रांसपोर्ट और कानून-व्यवस्था की पोल खोलने वाला एक बेहद चौंकाने वाला और आंखें खोल देने वाला मामला सामने आया है। अहमदाबाद म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट सर्विस (एएमटीएस) की गंभीर लापरवाही के बीच एक ही पंजीकरण नंबर (जीजे 27 टीजे 3550) वाली दो-दो इलेक्ट्रिक (ईवी) बसें शहर की सड़कों पर सरेआम दौड़ रही थीं। तंत्र के जिम्मेदार अधिकारी और ट्रैफिक पुलिस सोते हुए पकड़े गए, लेकिन एक जागरूक नागरिक की सतर्क नजर ने इस बड़े घोटाले या घोर लापरवाही का पर्दाफाश कर दिया।

**जागरूक नागरिक की नजर में पकड़ा गया चौंकाने वाला खेल**

मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद की सड़कों पर यात्रियों को लाने-ले जाने वाली एएमटीएस की दो इलेक्ट्रिक बसों पर एक जैसी ही नंबर प्लेट लगी हुई थी। तंत्र की इस खुली आपराधिक लापरवाही पर अब तक किसी अधिकारी या कर्मचारी का ध्यान नहीं गया था। लेकिन, सड़क से गुजर रहे एक जागरूक नागरिक का ध्यान इन दोनों बसों के एक समान पंजीकरण नंबर पर पड़ते ही वे भी आश्चर्यचकित रह गए। नागरिक ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए पुलिस को इस बारे में सूचित किया। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की तो इस पूरे मामले का भंडाफोड़ हुआ।

**बड़ा सवाल:** अगर हादसा होता या किसी की जान जाती तो जिम्मेदार कौन होता? इस घटना के सामने आने के बाद अब आम जनता में कई तीखे और गंभीर सवाल उठ रहे हैं: अगर इन दोनों में से किसी एक बस से कोई गंभीर हादसा हो जाता और किसी निर्दोष नागरिक की मौत हो जाती, तो असल में कौन सी बस और कौन सा ड्राइवर जिम्मेदार ठहराया जाता? कोई अपराध करने के बाद अगर यह बस भाग निकलती, तो सीसीटीवी या नंबर प्लेट के आधार पर असली अपराधी को कैसे पकड़ा जा सकता था? क्या यह सिर्फ कागजों पर हुई गलती है या फिर बस ऑपरेटर या ठेकेदार द्वारा की जा रही किसी बड़ी धांधली और घोटाले का हिस्सा है? लाखों यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाली इस घटना ने अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एएमसी) और एएमटीएस विंग की निगरानी पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। सरेआम कानून की धज्जियां उड़ाने वाली ऐसी बसें शहर में घूमें और ट्रैफिक पुलिस या आरटीओ की नजर में यह बात न आए, यह बेहद गंभीर मामला है।

## अहमदाबाद में खोखरा पुलिस की त्वरित कार्रवाई

### मणियासा के पास महिला को चाकू दिखाकर सोने की चेन लूटने वाले कुख्यात 'सीरियो छारा' सहित दो गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर में संपत्ति संबंधी अपराधों को रोकने और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए पुलिस आयुक्त के विशेष निर्देश के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है। इसी कड़ी गश्त के दौरान खोखरा थाना के निगरानी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सरेआम महिला से लूट करने वाले दो बदमाशों को कुछ ही मिनटों में घटनास्थल से ही धर दबोचा और जेल की सलाखों के पीछे धकेल दिया है। घटना के विवरण के अनुसार, खोखरा इलाके में स्थित मणियासा महालक्ष्मी सोसाइटी के पास से एक महिला गुजर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट वाले दुपहिया वाहन पर आए दो बदमाशों ने महिला का रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने महिला को धारदार चाकू दिखाकर, शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देकर खौफ का माहौल बना दिया। इसके बाद आतंक मचाते हुए महिला के गले से लगभग 12 ग्राम वजन की सोने की चेन छीनकर भागने का प्रयास किया। महिला के साथ लूट की घटना हुई, उसी समय आसपास के इलाके में खोखरा थाना के निगरानी दल की टीम सघन गश्त पर थी। घटना की गंभीरता को समझते हुए पुलिस ने तुरंत और बिजली की गति से कार्रवाई की। लूट को अंजाम देकर भागने की फिराक में लगे दोनों आरोपियों को पुलिस ने घेराबंदी करके मौके से ही रंगेहाथ पकड़ लिया। पुलिस ने लूटी गई सोने की चेन और अपराध में इस्तेमाल किए गए वाहन को जब्त कर कुछ ही समय में मामले को सुलझा लिया। पकड़े गए आरोपियों से कड़ी पूछताछ करने पर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पकड़ा गया मुख्य आरोपी श्रीकान्त उर्फ सीरियो मनोजभाई राणाभाई (छारा) निकला। उसके साथ इस अपराध में शामिल एक नाबालिग (किशोर) को भी हिरासत में लिया गया है।

## कागडापीठ पुलिस सीमा में दिनदहाड़े राहगीरों से पैसे ऐंठते गुंडों का वीडियो वायरल, जनता में खौफ और आक्रोश

### अहमदाबाद के गीतामंदिर में बदमाशों का खुलेआम आतंक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** शहर के बेहद व्यस्त और भीड़भाड़ वाले गीतामंदिर इलाके से कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। कागडापीठ पुलिस स्टेशन की सीमा में ही दिनदहाड़े असामाजिक तत्वों द्वारा बेलगाम होकर सरेआम आतंक मचाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से पूरे शहर में हड़कंप मच गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि ये बदमाश सड़क से गुजर रहे निर्दोष राहगीरों और वाहन चालकों को परेशान कर रहे हैं। लोगों को बीच सड़क पर रोककर, धमकाकर और डराकर उनसे खुलेआम पैसे ऐंठे जा रहे हैं। सार्वजनिक मार्ग पर चल रही इस सरेआम दादागिरी के कारण वहां से गुजरने वाले नागरिकों में भारी दहशत फैल गई है। गीतामंदिर इलाके में सेंट्रल एसटी बस स्टैंड होने के कारण यहां रोजाना हजारों यात्रियों, महिलाओं और स्थानीय व्यापारियों की लगातार आवाजाही रहती है। इतने महत्वपूर्ण और भीड़भाड़ वाले इलाके में कागडापीठ पुलिस की गैरमौजूदगी या पैदल गश्त (फुट पेट्रोलिंग) की कमी को देखकर असामाजिक तत्वों को खुला मैदान मिल गया है। बदमाशों के इस खुले आतंक से स्थानीय निवासियों और यात्रियों में भारी खौफ के साथ उग्र आक्रोश व्याप्त है।

**'महानगर मेट्रो' के तीखे और सीधे सवाल:**

**क्या कागडापीठ पुलिस का खौफ बिल्कुल खत्म हो गया है?:** कानून का डर रखे बिना दिनदहाड़े लूटपाट करने वाले असामाजिक तत्वों के सामने पुलिस मौन क्यों है?

**जनता लुटती है तब तंत्र कहां सोता है?:** हजारों लोगों की आवाजाही वाली सार्वजनिक सड़क पर भी नागरिकों से जबरन पैसे ऐंठे जा रहे हैं, तब स्थानीय पुलिस कहां गायब है?

इससे पहले भी गीतामंदिर और कागडापीठ पुलिस स्टेशन क्षेत्र में ऐसी असामाजिक गतिविधियों और अड्डों को लेकर कई शिकायतें उठ चुकी हैं। ऐसे में अब वायरल वीडियो के आधार पर क्या अहमदाबाद पुलिस आयुक्त और उच्च अधिकारी तुरंत एक्शन में आकर इन गुंडों को गिरफ्तार करेंगे और उनका जुलूस निकालेंगे? यह देखना बाकी है।

## सुश्री प्रेमलता साहू को 'प्रदेश सहसंयोजक' बनाए जाने पर साहू समाज में हर्ष की लहर...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जगदलपुर (बस्तर)।** छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष- डॉक्टर नीरेंद्र साहू, अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक- बी. सी. साहू व प्रदेश महामंत्री- शंकर साहू की अनुशंसा पर संगठनात्मक विस्तार करते हुए बस्तर से कर्मचारी -अधिकारी प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ में सुश्री प्रेमलता साहू को 'प्रदेश सहसंयोजक' के पद पर नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त प्रदेश सहसंयोजक- सुश्री प्रेमलता साहू पूर्व से ही समाज के विकास, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के कार्यों में सक्रिय रूप से अपना योगदान देती रही हैं। आपके अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं सक्रियता से अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ को नई दिशा व मजबूती मिलेगी। सुश्री प्रेमलता साहू ने इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ द्वारा मुझ पर जो विश्वास व्यक्त किया गया है, मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ उसकी निर्वहन करूंगी। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के मार्गदर्शन में कर्मचारी अधिकारी-प्रकोष्ठ सशक्त होगा और शिक्षा तथा जनसेवा के कार्यों में निरंतर प्रगति करेगी। सुश्री प्रेमलता साहू को कर्मचारी अधिकारी प्रकोष्ठ के 'प्रदेश सहसंयोजक' का दायित्व की खबर से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। साहू समाज की वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, समाजसेवियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित करने वालो में साहू संघ बस्तर जिलाध्यक्ष-हरी राम साहू, श्रीमती सरिता साहू जगदलपुर, श्रीमती नीला साहू कांकेर, डॉक्टर योगेश्वर साहू रायपुर, युगल साहू केशकाल, लोकेश साहू बस्तर, महेश्वर साहू चारामा, योगेश साहू, श्रीमती सरस्वती साहू कांकेर, सुश्री दीपेश साहू दुर्ग, किसले साहू जगदलपुर, डॉक्टर उमेश साहू, दानेश्वर साहू दंतेवाड़ा, धर्मेंद्र साहू चारामा, बबला साहू जगदलपुर, शिवलाल साहू जगदलपुर, कंचन साहू दंतेवाड़ा, हरिशंकर साहू जगदलपुर, अमित साहू, लेख राम साहू दंतेवाड़ा, इंद्रजीत हिरवानी बचेली आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

## गांधीनगर चुनाव में आप का बड़ा दांव, 23 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री मनोज सोरठिया ने गांधीनगर महानगरपालिका चुनाव के लिए 23 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। उन्होंने कहा कि गुजरात की राजधानी होने के बावजूद गांधीनगर में पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याएं बनी हुई हैं। शहर में हो रहे अंधाधुंध निर्माण से गांधीनगर की खूबसूरती भी प्रभावित हुई है। मनोज सोरठिया ने कहा कि पांच साल पहले आम आदमी पार्टी ने गांधीनगर में विकल्प के तौर पर चुनाव लड़ा था और करीब 21 प्रतिशत वोट हासिल कर एक पार्षद को जीत दिलाई थी। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के पार्षद ने पांच वर्षों तक बिना किसी दबाव या लालच के मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि इस बार पार्टी ने युवाओं, डॉक्टरों, वकीलों, प्रबंधन की पढ़ाई कर चुके लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को चुनाव मैदान में उतारा है। पहली सूची में वार्ड नंबर 1, 3, 5, 6, 7, 8, 9, 10 और 11 के उम्मीदवार शामिल हैं। सोरठिया ने कहा कि बाकी उम्मीदवारों की जांच प्रक्रिया जारी है और जल्द ही उनकी भी घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी गांधीनगर को विश्वस्तरीय शहर बनाने, नागरिक सुविधाओं में सुधार करने और युवाओं को शहर के शासन में भागीदारी देने के संकल्प के साथ चुनाव लड़ेगी।

# सरकारी पैसे पर ऐशो-आराम! गुजरात विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति नीरजा गुप्ता का भ्रष्टाचार उजागर

## सौंदर्य प्रसाधनों और कपड़ों का खर्च विश्वविद्यालय के कोष से चुकाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** सरकारी पद का दुरुपयोग करके जनता के पसीने की कमाई को कैसे उड़ाया जा सकता है, इसका जीता-जागता और चौंकाने वाला उदाहरण गुजरात विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति नीरजा गुप्ता के मामले से सामने आया है। जिनके सिर पर विश्वविद्यालय की शैक्षिक गरिमा, पारदर्शिता और नैतिकता बनाए रखने की मुख्य जिम्मेदारी थी, उन्हीं पूर्व कुलपति के अत्यधिक ऐशो-आराम और सरकारी धन के भ्रष्ट उपयोग के पुख्ता सबूत 'महानगर मेट्रो' के पास आए हैं।

### सरकारी खर्च पर विदेश यात्रा और नामी दुकानों में खरीदारी

मिली जानकारी और सबूतों के अनुसार, नीरजा गुप्ता ने अपनी विदेश यात्राओं के दौरान दुबई और अमेरिका जैसे देशों की महंगी और नामी दुकानों से खुलेआम निजी खरीदारी की थी। इस विदेश यात्रा के दौरान उन्होंने अपने निजी उपयोग के लिए होठों को रंगने वाली सामग्री, आंखों का काजल, महंगे कपड़े और अन्य सौंदर्य प्रसाधनों की खरीदारी की थी। आश्चर्य की बात तो यह है कि यह हजारों रुपये का खर्च उन्होंने अपनी जेब से नहीं, बल्कि गुजरात विश्वविद्यालय के सरकारी कोष से वसूला था!

### सरकारी अनुदान में धांधली और बेटे के खाते में पैसे भेजने का आरोप

नीरजा गुप्ता पर केवल सौंदर्य प्रसाधनों की खरीदारी के ही नहीं, बल्कि कई गंभीर वित्तीय अनियमितताओं और घोटालों के आरोप लगे हैं:

* **भर्ती घोटाला:** विश्वविद्यालय में नियमों को ताक पर रखकर की गई अनिश्चित और संदिग्ध भर्तियां।

* **अनुदान में धांधली:** सरकारी सहायता और शैक्षिक अनुदान के धन का अनधिकृत रूप से उपयोग।

* **परिजनों को फायदा:** अपने बेटे के खाते में लगभग 9.75 लाख रुपये जितनी रकम नियमों के विरुद्ध भेजने के गंभीर आरोप।

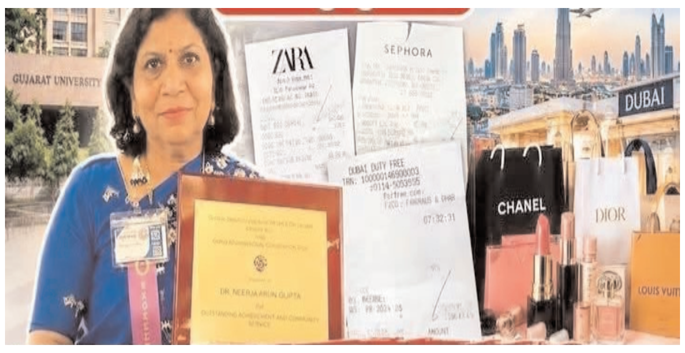


निजी खरीदारी की रसीदें

### विश्वविद्यालय से कैसे मंजूर हुई?

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि विश्वविद्यालय के लेखा विभाग और वित्तीय अधिकारियों की नजरों के सामने से पूर्व कुलपति की निजी खरीदारी, सौंदर्य सामग्री और कपड़ों के भुगतान सरकारी दस्तावेजों में कैसे मंजूर हो गए? विदेशी मुद्रा में हुए इन निजी खर्चों को किस सरकारी मद के तहत दिखाकर मंजूर किया गया, इस बारे में भी बड़े पैमाने पर घोटाले की आशंका जताई जा रही है। शिक्षा जगत को शर्मसार करने वाली इस घटना के सामने आने के बाद अब शैक्षिक हलकों और पूरे राज्य में भारी चर्चा शुरू हो गई है। उच्च स्तर से इस पूरे वित्तीय घोटाले की निष्पक्ष और गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की उग्र मांग उठ रही है।

# निठारी का नरभक्षी सुरेंद्र कोली उर्फ 'सदा राम' चाय की दुकान में मृत मिला: 19 साल जेल में रहने के बाद रिहा हुए कोली की रहस्यमयी मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**हरिद्वार।** देशभर में भारी दहशत और सनसनी मचाने वाले साल 2006 के बहुचर्चित निठारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सर्वोच्च न्यायालय से सभी मामलों में निर्दोष घोषित होने के बाद पिछले 11 नवंबर, 2025 को जेल से रिहा हुआ 53 वर्षीय सुरेंद्र कोली हरिद्वार में अपनी चाय की दुकान में मृत अवस्था में मिला, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। जघन्य अपराधों के आरोपों से बरी होकर नई जिंदगी शुरू करने का प्रयास करने वाला कोली जेल से बाहर आने के कुछ ही महीनों के भीतर मौत के मुंह में समा गया।

### पहचान छिपाकर 'सदा राम' के नाम से चलाता था चाय की दुकान

19 साल तक जेल की सलाखों के पीछे बिताने के बाद रिहा हुआ सुरेंद्र कोली हरिद्वार में अपनी असली पहचान छिपाकर 'सदा राम' के नाम से रह रहा था। अतीत के काले दागों से दूर भागने के लिए उसने वहीं चाय की एक छोटी दुकान शुरू की थी। आश्चर्य की बात यह है कि चाय की दुकान शुरू करने के मात्र 5 दिनों के भीतर ही यह घटना घट गई। शुक्रवार

(18 सितंबर, 2026) सुबह दुकान देर तक न खुलने पर आसपास के ग्राहकों और श्रद्धालुओं को शक हुआ, उन्होंने अंदर झांककर देखा तो वहां सुरेंद्र कोली का शव पड़ा मिला।

### आधार कार्ड से हुआ असली पहचान का खुलासा

स्थानीय लोगों ने तुरंत ही पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद हरिद्वार पुलिस का दल घटनास्थल पर पहुंच गया। प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस को उसके पास मिले पहचान पत्र से उसकी असली पहचान का पता चला। पुलिस को मौके से आत्महत्या से जुड़ा कोई पत्र नहीं मिला है, जिसके कारण उसकी मौत के पीछे का सटीक कारण अभी भी रहस्य बना हुआ है। हालांकि, पुलिस ने प्रथम दृष्टया उसके द्वारा स्वयं ही जीवन समाप्त करने (आत्महत्या) की आशंका व्यक्त की है।

### क्या था देश को हिलाकर रख देने वाला 'निठारी हत्याकांड'?

दिसंबर 2006 में नोएडा के सेक्टर-31 में स्थित कारोबारी मोनिंदर सिंह पंढेर के बंगले से कई निर्दोष बच्चों और महिलाओं के कंकाल तथा मानव अंग मिले थे। पंढेर के घर नौकर के रूप में काम करने वाले सुरेंद्र कोली पर मासूम बच्चों के अपहरण, दुष्कर्म, नृशंस हत्या और नरभक्षण जैसे अत्यंत क्रूर और भयानक आरोप लगे थे। इन घृणित कृत्यों के कारण देशभर में लोग उसे 'निठारी का नरभक्षी' के रूप में जानते थे। निठारी कांड में निचली अदालतों द्वारा सुरेंद्र कोली को फांसी की सजा सुनाई गई थी, लेकिन बाद में सबूतों के अभाव और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय ने उसे सभी 13 मामलों में निर्दोष घोषित कर दिया था। निर्दोष छूटने के बाद उसने समाज से दूर एक गुमनाम जिंदगी जीने का रास्ता चुना था। लेकिन कुदरत का न्याय कहें या किस्मत का खेल, जेल की सलाखों से बाहर आने के कुछ ही समय बाद उसका इस तरह से दुखद अंत हो गया। पुलिस ने शव को शव परीक्षण के लिए भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

# उपलेटा के कोलकी गांव से एलसीबी ने विदेशी शराब का जखीरा पकड़ा

## 77,671 का माल जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजकोट।** राजकोट ग्रामीण पुलिस जिले में शराब और जुए की अवैध गतिविधियों को पूरी तरह से खत्म करने के लिए राजकोट रेंज के आईजी निर्लिप्त राय और जिला पुलिस प्रमुख विजय सिंह गुर्जर द्वारा सख्त निर्देश दिए गए थे। इस मार्गदर्शन के तहत, लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) राजकोट ग्रामीण की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सफल छापेमारी कर उपलेटा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के कोलकी गांव से बाहरी राज्य की अंग्रेजी (विदेशी) शराब का जखीरा पकड़ा है। घटना के विवरण के अनुसार, एलसीबी शाखा के कर्मचारी गश्त पर थे, इसी दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर कोलकी गांव के गौशाला प्लॉट इलाके में स्थित भरतभाई रामभाई केशवाला के कब्जे वाले बाड़े के कमरे में छापेमारी की गई। इस कमरे से बिना पास-परमिट के अवैध रूप से रखी गई अलग-अलग ब्रांड की 131 सीलबंद बोतलें (कीमत 72,671) और 5,000 की कीमत का एक मोबाइल फोन सहित कुल 77,671 का माल जब्त किया गया है। इस मामले में उपलेटा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।पुलिस ने इस छापेमारी के दौरान आरोपी भरतभाई रामभाई केशवाला (निवासी- कोलकी, तहसील- उपलेटा, जिला- राजकोट) को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी रामभाई पोलाभाई ओडेदरा (निवासी- ढांक गांव, तहसील- उपलेटा, जिला- राजकोट) को पकड़ने के लिए तलाश तेज कर दी है। इस सफल कार्रवाई में एलसीबी पीआई जे.पी. राव, पीएसआई के.एम. चावड़ा, एच.सी. गोहिल, आर.वी. भीमाणी, पी.एन. भरवाड़ तथा एएसआई बालकृष्णभाई त्रिवेदी, अनिलभाई बलकोदिया, मेहुलभाई सुवा, हेड कांस्टेबल अरविंदसिंह जडेजा, नीलेशभाई डांगर, कौशिकभाई जोशी, शक्तिसिंह जडेजा और ड्राइवर अब्दुलभाई शेख शामिल थे।

# नागरवाड़ा की महिला को बाहर ले जाकर ब्लैकमेलिंग की साजिश, मांग नहीं मानने पर जानलेवा हमला...

## वडोदरा में महिला मित्र ही बनी 'रावण'! अश्लील वीडियो बनाकर देह व्यापार में धकेलने की सनसनीखेज कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**वडोदरा।** संस्कारी नगरी वडोदरा को शर्मसार करने वाली और महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली सनसनीखेज घटना सामने आई है। शहर के नागरवाड़ा क्षेत्र में रहने वाली एक महिला को उसकी ही महिला मित्र द्वारा विश्वास में लेकर शहर से बाहर ले जाने और वहां कथित तौर पर अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि इस वीडियो के आधार पर पीड़िता को ब्लैकमेल कर देह व्यापार के धंधे में धकेलने का प्रयास किया गया। पीड़िता द्वारा इस अमानवीय और गैरकानूनी मांग को ठुकराने के बाद आरोपी महिला मित्र और उसके साथियों ने कथित तौर पर पीड़िता पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद उसे उपचार के लिए वडोदरा के सयाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, नागरवाड़ा क्षेत्र में रहने वाली पीड़ित महिला को उसकी महिला मित्र किसी बहाने से शहर के बाहर ले गई थी। आरोप है कि वहां पहले से बनाई गई साजिश के तहत महिला का अश्लील वीडियो बनाया गया। इसके बाद कथित तौर पर इसी वीडियो को सार्वजनिक करने की धमकी देकर पीड़िता पर देह व्यापार में शामिल होने के लिए दबाव बनाया गया। महिला ने अपनी इज्जत और स्वाभिमान के चलते इस मांग को स्पष्ट रूप से ठुकरा दिया। आरोप है कि इनकार से नाराज महिला मित्र ने अपने साथियों के साथ मिलकर पीड़िता पर हमला कर दिया और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में घायल महिला को तत्काल उपचार के लिए वडोदरा के सयाजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना के बाद महिला के परिजनों और आसपास के लोगों में भी चिंता का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही कारेलीबाग पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। पुलिस ब्लैकमेलिंग, अश्लील वीडियो बनाने, देह व्यापार में धकेलने के कथित प्रयास और जानलेवा हमले के आरोपों की जांच कर रही है। आरोपी महिला मित्र तथा उसके साथ जुड़े अन्य संदिग्धों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस की जांच के बाद ही घटना से जुड़े पूरे तथ्य और आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

# महुडी भागोल के पास घुटनों तक पानी भरने से तंत्र के मानसून-पूर्व कार्यों की उड़ी धज्जियां: व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश

## डभोई में मात्र 1 इंच बारिश में ही खुली पोल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** डभोई। क्षेत्र में हाल ही में दर्ज हुई मात्र 23 मिलीमीटर (लगभग 1 इंच) जितनी सामान्य बारिश ने डभोई नगर पालिका प्रशासनिक तंत्र की मानसून-पूर्व योजना और बड़े-बड़े दावे करने वाले कार्यों की पोल खोल दी है। मात्र 1 इंच बारिश होते ही नगर के मुख्य माने जाने वाले महुडी भागोल के बाहर और राणा के भोजनालय के आसपास की सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया है। तंत्र की कागजी कार्रवाई के कारण आज स्थानीय निवासी और व्यापारी नरक जैसी स्थिति भुगतने को मजबूर हो गए हैं।

### पानी उतरने में लगते हैं 4 से 5 दिन: महामारी के डर के बीच जनता त्राहिमाम

स्थानीय निवासियों के अनुसार, इस क्षेत्र में बारिश के पानी की निकासी के लिए उचित नाली या जल निकासी व्यवस्था ही नहीं है। परिणामस्वरूप, जब भी सामान्य बारिश होती है, तब दिनों तक पानी भरा रहता है। बारिश रुकने के बाद भी 4 से 5 दिनों तक पानी न उतरने से पूरा इलाका टापू में तब्दील हो जाता है। गंदा और दूषित पानी जमा रहने के कारण मच्छरों का प्रकोप चरम सीमा पर पहुंच गया है, जिसके कारण डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी जमा पानी से फैलने वाली बीमारियों का खतरा लोगों के सिर पर मंडरा रहा है। राणा के भोजनालय के पास स्थित मुख्य बाजार और दुकानों के बाहर जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने से ग्राहकों ने इस तरफ आना ही बंद कर दिया है। परिणामस्वरूप स्थानीय व्यापारियों का व्यापार-रोजगार पूरी तरह से ठप हो गया है। भारी किराया और कर चुकाने वाले व्यापारियों को आए दिन बड़ा आर्थिक नुकसान सहना पड़ रहा है। इसके अलावा, गहरे पानी से गुजरते समय कई वाहन चालकों के वाहन बंद पड़ जाने और फिसल जाने की घटनाएं भी रोजाना की बात हो गई हैं। डभोई नगर पालिका में इस गंभीर समस्या को लेकर क्षेत्र के निवासियों और व्यापारी मंडल द्वारा कई बार लिखित तथा मौखिक शिकायतें की जा चुकी हैं। फिर भी, तंत्र के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। स्थानीय प्रशासनिक तंत्र की इस घोर उदासीनता और लापरवाही के खिलाफ नगरवासियों में भारी आक्रोश फैल गया है। जनता एक स्वर में मांग कर रही है कि नगर पालिका तंत्र अपनी कुंभकर्णी नींद से जागे और दिखावटी मानसून-पूर्व कार्य दिखाने के बजाय पानी की निकासी के लिए तत्काल प्रभाव से कोई स्थायी और ठोस नाली या जल निकासी व्यवस्था का निर्माण करे।

# गणेश विसर्जन झांकी को लेकर पुलिस ने कसी कमर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजनांदगांव।** गणेश विसर्जन झांकी को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए राजनांदगांव पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में 18 सितंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागृह में जिले की 33 गणेश विसर्जन झांकी समितियों के पदाधिकारियों एवं डीजे-धुमाल संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में झांकी के निर्धारित रूट, डीजे की ध्वनि सीमा, यातायात व्यवस्था, वाहन संचालन और कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक कलेक्टर जितेन्द्र यादव एवं पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में आयोजित हुई। इसमें अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी सीएल मारकंडे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर ने झांकी समितियों और डीजे संचालकों को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गणेश विसर्जन झांकी के दौरान प्रशासन एवं पुलिस द्वारा निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करना सभी समितियों की जिम्मेदारी है। पुलिस अधिकारियों ने सभी झांकी समितियों को निर्देशित किया कि झांकी केवल निर्धारित रूट से ही निकाली जाए। अलग-अलग क्षेत्रों से आने वाली झांकियों के बीच आपसी समन्वय बनाए रखने और

निर्धारित समय का पालन करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि झांकी के दौरान अनावश्यक भीड़, यातायात जाम और अव्यवस्था की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए समितियां पुलिस एवं प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। बैठक में डीजे एवं ध्वनि व्यवस्था को लेकर विशेष निर्देश दिए गए। सुप्रीम कोर्ट के ध्वनि प्रदूषण संबंधी निर्देशों का पालन करते हुए झांकी में 04 बेस और 04 टॉप, यानी कुल 08 साउंड सिस्टम से अधिक का उपयोग नहीं करने के लिए कहा गया। साथ ही ध्वनि की तीव्रता निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने डीजे संचालकों को आपत्तिजनक, अश्लील अथवा विवादित गाने नहीं बजाने की भी हिदायत दी। झांकी के दौरान किसी भी प्रकार की ऐसी गतिविधि नहीं करने को कहा गया जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित हो या किसी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचे। बैठक में झांकी में उपयोग होने वाले वाहनों और जनरेटर की व्यवस्था को लेकर भी समितियों को सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि झांकी शुरू होने से पहले वाहनों एवं जनरेटर में पर्याप्त ईंधन की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। बीच रास्ते में ईंधन समाप्त होने से वाहन रुकने और यातायात बाधित होने की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके अलावा झांकी में लगे वाहनों के चालक वाहन को छोड़कर अनावश्यक रूप से इधर-उधर न जाएं तथा वाहन की चाबी अपने पास रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में वाहन को तत्काल हटाया जा सके और यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन, क्राइम डीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी, डीएसपी केपी मरकाम, डीएसपी यातायात केके बाजपेयी, कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक उपेंद्र शाह, बसंतपुर थाना प्रभारी निरीक्षक कौशलेश देवांगन, लालबाग थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश पटेल, सोमनी थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू, यातायात प्रभारी नवरत्न कश्यप, चौकी चिखली प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश मरई, निरीक्षक रामेश्वर देशमुख, रक्षित निरीक्षक लोकेश कसेर, जिला विशेष शाखा प्रभारी विजय नेताम सहित गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारी एवं पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

# पेपर लीक के दाग के बीच फिर होगी 2021 की उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा, 2.18 लाख अभ्यर्थियों की निगाहें व्यवस्था पर

## 11 जिलों में 666 केंद्रों पर दो पारियों में परीक्षा, नकल और डमी अभ्यर्थियों को रोकने के लिए कड़े इंतजाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अजमेर।** पेपर लीक के कारण रद्द हुई वर्ष 2021 की उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा रविवार को एक बार फिर आयोजित होगी। भर्ती परीक्षा में हुई गड़बड़ी के बाद अब दोबारा परीक्षा कराने की जिम्मेदारी आयोग और प्रशासन के सामने है। प्रदेश के 11 जिलों में 666 परीक्षा केंद्रों पर 2,18,131 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। पिछली परीक्षा में पेपर लीक के चलते हजारों अभ्यर्थियों की मेहनत और समय प्रभावित हुआ था। ऐसे में इस बार परीक्षा की पारदर्शिता, गोपनीयता और नकल रोकने के इंतजामों पर विशेष निगाह रहेगी। परीक्षा दो पारियों में आयोजित की जाएगी। पहली पारी सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगी, जिसमें सामान्य हिंदी का प्रश्नपत्र लिया जाएगा। दूसरी पारी दोपहर 03:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक होगी, जिसमें सामान्य ज्ञान और सामान्य विज्ञान की परीक्षा होगी। जयपुर में सबसे अधिक 187 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस बार अभ्यर्थियों के लिए ओएमआर उत्तरपत्रक में पांचवां विकल्प भरना अनिवार्य किया गया है। यदि किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना है, तो अभ्यर्थी को अनुत्तरित प्रश्न के लिए निर्धारित पांचवां गोला भरना होगा। इस प्रक्रिया के लिए प्रत्येक प्रश्नपत्र में 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। आयोग ने इस संबंध में अपनी वेबसाइट पर शुद्धिपत्र भी जारी किया है। परीक्षा में फर्जीवाड़ा और डमी अभ्यर्थियों को रोकने के लिए पहचान सत्यापन की बहुस्तरीय व्यवस्था की गई है। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के चेहरे का मिलान, अंगूठे के निशान और जैविक पहचान के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा। प्रवेश के दौरान हाथ में पकड़े जाने वाले धातु जांच उपकरण से तलाशी भी ली जाएगी। चश्मे में लगे तकनीकी उपकरणों और ब्लूटूथ जैसे साधनों पर विशेष नजर रखी जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस और प्रशासन की निगरानी के साथ वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। प्रतिबंधित अभ्यर्थियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे अभ्यर्थियों पर विशेष कार्यवाही के लिए विशेष अभियान समूह और आतंकवाद निरोधक दस्ते की निगरानी रहेगी। फर्जीवाड़े, गलत गतिविधि या डमी अभ्यर्थी बैठाने के प्रयास पर राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम-2022 के तहत कार्रवाई की जाएगी। उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 का विज्ञापन 3 फरवरी 2021 को जारी किया गया था। भर्ती के लिए पहले 7,97,000 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से 3,83,097 अभ्यर्थी 13 से 15 सितंबर 2021 के बीच आयोजित परीक्षा में शामिल हुए थे। पेपर लीक के कारण परीक्षा रद्द होने के बाद दोबारा परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया। 8 मई 2025 को पहले केवल पूर्व परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को ही दोबारा परीक्षा में बैठने का अवसर दिया गया था। बाद में सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होने की छूट दे दी गई। अब रविवार को होने वाली परीक्षा के साथ भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर आगे बढ़ेगी। पेपर लीक से प्रभावित इस भर्ती में अभ्यर्थियों की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि इस बार परीक्षा बिना किसी गड़बड़ी के संपन्न हो पाती है या नहीं।

## डोडा-पोस्त तस्कर को 15 साल का कठोर कारावास:कोर्ट ने कहा-नशा समाज के लिए जहर, 2.10 लाख रुपए लगाया जुर्माना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सिरोही।** विशिष्ट न्यायाधीश अजय शर्मा ने डोडा-पोस्त तस्कर खेताराम को 15 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। उस पर 2.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। यह मामला 144 किलो डोडा-पोस्त और एक पिस्टल की बरामदगी से जुड़ा है। लोक अभियोजक के अनुसार यह घटना 20 फरवरी 2018 की है। पालड़ी एम थाना पुलिस ने बागीसन टोल नाके पर एक बिना नंबर वाली सफेद स्कॉर्पियो की तलाशी ली थी। तलाशी के दौरान, गाड़ी से प्लास्टिक के पांच कट्टों में 144 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ। आरोपी खेताराम के पास से एक पिस्टल, पांच कारतूस और एक मैगजीन भी मिली थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने लोक अभियोजक के पेश किए गए तथ्यों से सहमति जताई। कोर्ट ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15(सी) के तहत 15 साल की कठोर कारावास और 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। इसके अलावा आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत 3 साल की कठोर कारावास और 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। फैसले में न्यायाधीश अजय शर्मा ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'नशा समाज के लिए सबसे बड़ा जहर है, जो पूरे समाज को खोखला कर देता है। नशे के कारण पूरी-की-पूरी पीढ़ियां बर्बाद हो जाती हैं। नशे का कारोबार बहुत घिनौना अपराध है।'

## तेज रफ्तार गाड़ी ने बाइक सवार का सिर कुचला, मौत: ड्राइवर हो गया फरार, मॉर्च्युरी के बाहर 1 घंटे तक एम्बुलेंस में पड़ा रहा शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सिरोही।** ब्यावर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर सिरोही सदर थाना क्षेत्र में सारनेश्वरजी पुलिया के पास शुक्रवार देर शाम एक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक सड़क पर गिर गया। वाहन ने उसका सिर कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार धाकेला रोहिड़ा निवासी बाबूलाल पुत्र रमेश गमेती अपनी बाइक पर शिवगंज से सिरोही होते हुए पिंडवाड़ा की तरफ जा रहा था। मातर माताजी मंदिर गेट से करीब आधा किलोमीटर आगे शिवगंज की तरफ पुलिया पर पहुंचते ही पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से बाबूलाल बाइक सहित सड़क पर जा गिरा। वाहन की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह युवक का सिर कुचलते हुए घटनास्थल से भाग गया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच कर निजी एम्बुलेंस की मदद से शव को सिरोही सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस ने मृतक के पास मिले कागजात और मोबाइल की मदद से परिजनों का पता लगाया और उन्हें सूचना दी। शनिवार को परिजनों के आने के बाद उनकी रिपोर्ट पर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाया और शव उन्हें सौंप दिया। इस बीच रोहिड़ा थाना क्षेत्र के धाकेला गांव निवासी बाबूलाल गमेती की मौत के बाद जब उसका शव निजी एम्बुलेंस से अस्पताल की मॉर्च्युरी पहुंचा, तो वहां शव उतारने वाला कोई नहीं था। करीब 1 घंटे तक मॉर्च्युरी के बाहर इंतजार करने के बाद एम्बुलेंस ड्राइवर ने गाड़ी को ट्रॉमा सेंटर के बाहर खड़ा कर दिया। वहां करीब आधे घंटे बाद कुछ लोग आए, जिन्होंने शव को उतरवाकर मॉर्च्युरी में रखवाया।

## पाली में खाद के लिए किसान परेशान:बोले-बार-बार लगाने पड़ रहे चक्कर, समिति की दुकान पर मिल रहा ताला...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पाली।** DAP खाद के लिए किसानों को परेशान होना पड़ रहा है। किसान दो-तीन दिन से खाद लेने के लिए क्रय-विक्रय सहकारी समिति के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें खाद नहीं मिल रही। शनिवार को किसान नई सब्जी मंडी स्थित क्रय-विक्रय सहकारी समिति पहुंचे तो समिति बंद मिली। किसानों का कहना है कि गांव से बार-बार पाली आने में समय और रुपए दोनों खर्च हो रहे हैं। किसानों ने बताया कि वे सुबह जल्दी घर से निकलकर खाद लेने पहुंचते हैं। कई किसानों के नाम भी लिखे जा रहे हैं, लेकिन खाद उपलब्ध नहीं होने से उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। वहीं, क्रय-विक्रय सहकारी समिति के कर्मचारियों का कहना है कि DAP खाद के कट्टे खत्म हो गए हैं। सप्लाई आने के बाद दोबारा खाद का वितरण किया जाएगा। फिलहाल एक आधार कार्ड पर किसान को DAP के पांच कट्टे दिए जा रहे हैं। मंडिया गांव निवासी मंजू देवी ने बताया कि वह बच्चों को घर पर छोड़कर सुबह छह बजे DAP खाद लेने के लिए आई हैं। वह शुक्रवार को भी खाद लेने पहुंची थीं, लेकिन खाद नहीं मिली। शनिवार को दोबारा आईं तो क्रय-विक्रय सहकारी समिति बंद मिली। उन्होंने कहा कि गांव से बार-बार आने में परेशानी हो रही है। मानपुरा भाकरी निवासी भीमाराम कीर ने बताया कि वह पिछले दो दिन से खाद लेने आ रहे हैं। उनका नाम भी लिखा जा रहा है, लेकिन खाद नहीं दी जा रही। शनिवार को पहुंचे तो क्रय-विक्रय सहकारी समिति बंद मिली। मंडिया गांव निवासी दीपाराम ने बताया कि DAP खाद के लिए उन्हें लगातार चक्कर काटने पड़ रहे हैं। शुक्रवार को भी खाद लेने आए थे, लेकिन नहीं मिली। शनिवार को समिति बंद मिली। किसानों को बताया जा रहा है कि खाद खत्म हो गई है।

## पाली में दिव्यांग प्रेग्नेंट महिला से मारपीट:थाने में शिकायत करने जा रहे पीड़िता के भाई को भी पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पाली।** यहां के औद्योगिक नगर थाना क्षेत्र में खेत की बाड़ को लेकर हुए विवाद में एक मूक-बधिर गर्भवती महिला से मारपीट का मामला सामने आया है। महिला के भाई ने बताया कि पड़ोसी खेत में काम करने वाले युवक ने उसकी बहन के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने के बाद जब वह शिकायत दर्ज करवाने थाने जा रहा था तो आरोपियों ने उसे रास्ते में रोककर उसके साथ भी मारपीट कर दी। घटना में महिला और उसका भाई घायल हो गए। घायल पवन ने बताया कि वह बीसीएम प्रॉपर्टी के पास खेत में परिवार के साथ रहता है। शुक्रवार को पड़ोसी खेत की बाड़ से लकड़ियां निकालने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि पड़ोसी खेत में काम करने वाले युवक ने उसकी मूक-बधिर गर्भवती बहन के साथ मारपीट कर दी। बहन को बचाने के बाद पवन मामले की शिकायत करने थाने जाने लगा। पवन ने बताया कि वह राजेंद्र नगर स्थित राधाकृष्ण मंदिर के पास पहुंचा तो आरोपियों ने उसे रास्ते में रोक लिया और उसके साथ भी मारपीट की। घटना में पवन घायल हो गया। परिजन घायल गर्भवती महिला को इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है। वहीं पवन को प्राथमिक इलाज के बाद हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई। मामले में पुलिस को शिकायत दी गई है।

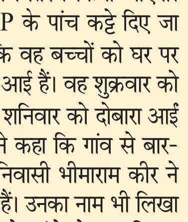

## महिलाओं और बच्चों ने उत्साह से सीखे योगासन व प्राणायाम, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ में दी आहुतियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सिरोही।** शहर की राधिका कॉलोनी स्थित बगीचे में महिला पतंजलि योग समिति की देखरेख में आयोजित पांच दिवसीय निशुल्क योग शिविर का समापन हुआ। समापन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ में आहुतियां दी गईं तथा शांति पाठ किया गया। शिविर में स्थानीय महिलाओं, बच्चों और कॉलोनी के कई लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पांच दिनों तक चले इस शिविर में प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया गया। महिला पतंजलि योग समिति की जिला संयोजिका पवन आर्य ने बताया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग लगातार तनाव का सामना कर रहे हैं। विशेष रूप से महिलाएं भी मानसिक तनाव से प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में नियमित योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ रखने, मन को शांत करने और जीवन में सकारात्मकता लाने में सहायक हो सकता है। इसी उद्देश्य से राधिका कॉलोनी में निशुल्क योग शिविर का आयोजन किया गया, ताकि स्थानीय लोगों को योग के प्रति जागरूक किया जा सके और वे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकें। पवन आर्य ने बताया कि शिविर के दौरान प्रतिभागियों को कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और उज्जायी जैसे प्राणायाम सिखाए गए। इसके साथ ही सूर्य नमस्कार, ताड़ासन और मंडूकासन जैसे विभिन्न योगासनों का अभ्यास भी कराया गया। मानसिक तनाव और अवसाद से राहत पाने के उद्देश्य से ध्यान का अभ्यास करवाया गया। महिलाओं और बच्चों ने नियमित रूप से अभ्यास कर योग की विभिन्न विधियों को सीखा। समापन अवसर पर पवन आर्य ने कहा कि योग केवल शारीरिक कसरत नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की एक कला है। नियमित योगाभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक शांति की दिशा में भी प्रयास किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। शिविर के समापन से एक दिन पूर्व वार्ड नंबर एक की नवनिर्वाचित पार्षद पूनम देवी का योग शिविर में स्वागत किया गया था। पांच दिवसीय शिविर में शकुंतला देवी, मंजुला देवी, गीता देवी, निशा, संगीता रांगी, विमला देवी, कविता, संतोष, वीणा, बादामी, रेखा खंडेलवाल, मंजू प्रजापति, पूनम प्रजापत, विनोद गोमती आर्य, फैंसी देवी योग श्री, डिंपल अग्रवाल, चेतना, सीता, संतोष प्रजापत, रितु जीनगर, हीना, जोगसन ललिता, विजय लक्ष्मी जैन, बसंती आर्य, शारदा मीणा, रामी टेकवानी और संतोष खत्री सहित कई महिलाओं ने भाग लिया।

## 135 साल पुराने मंदिर में माजीसा का जन्मोत्सव मनाया...

### तिलोड़ा के मिनी जसोल धाम में भजन-कीर्तन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बागोड़ा।** उपखंड मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर तिलोड़ा गांव में स्थित माता रानी भटियाणी सा (माजीसा) मंदिर में शुक्रवार को जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। यह मंदिर करीब 135 साल पुराना है। शाम होते ही मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से भर गया। माजीसा के जयकारों, भजन-कीर्तन और महाआरती से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 135 साल पहले वरदसिंह राव ने पांच ईंटें रखकर इस मंदिर की स्थापना की थी। समय के साथ यहां एक भव्य मंदिर बना, जिसे श्रद्धालु मिनी जसोल धाम भी कहते हैं। जन्मोत्सव के मौके पर मंदिर को सुंदर लाइटों और फूलों से सजाया गया था। शाह डूंगर ग्रुप तिलोड़ा ने कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें केक काटकर खुशियां मनाई गईं। आतिशबाजी और फूलों की बारिश के साथ माजीसा की पूजा की गई। भजन मंडलियों की प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु खुशी से झूमते दिखे। रात में हुई महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में सिर झुकाकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली मांगी। माजीसा के साथ भूरा राठौड़ सवाई सिंह और लाल बन्ना मंदिरों में भी खास पूजा और आरती की गई। देर रात तक श्रद्धालु दर्शन के लिए आते रहे। इस कार्यक्रम में शाह डूंगर ग्रुप के डायालाल मुणोत, मोडसिंह राजपुरोहित, समाजसेवी देवीसिंह राठौड़, संतोष दवे, मीठालाल डामराणी और विष्णुदत्त दवे समेत कई श्रद्धालु मौजूद थे।

## कांग्रेस का दावा-पार्षदों को धमकाकर बनाया जा रहा दबाव: पुखराज पाराशर बोले-भाजपा के पक्ष में मतदान का प्रेशर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जालोर।** जन अभियोग निराकरण समिति के पूर्व अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने नगर परिषद में कांग्रेस का बोर्ड बनने का दावा किया है। बोले-हमारे 19 पार्षद एकजुट हैं। हमें निर्दलीयों का भी साथ मिल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। शुक्रवार को प्रेस वार्ता में पाराशर ने कहा- जालोर की जनता ने कांग्रेस को 19 सीटों पर जीत दिलाई। हम बोर्ड बनाएंगे। कांग्रेस पार्षदों और उनके परिवारों पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान करने का दबाव बनाया जा रहा है। पार्षदों के घरों के बाहर रेकी करने, फोन कर धमकाने और पैसों का प्रलोभन देने की शिकायतें सामने आई हैं। कांग्रेस ऐसे मामलों की सूची तैयार कर रही है और संबंधित लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज करवाए जाएंगे। आहोर जाते समय कुछ गाड़ियों ने हमारा पीछा किया, हमने उनकी पहचान कर ली है। अधिकारियों पर दबाव में काम करने का आरोप पाराशर ने प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों पर भाजपा के दबाव में काम करने का आरोप लगाया। निष्पक्ष भूमिका निभाने की मांग की। उन्होंने कहा- जालोर में इस तरह की राजनीतिक परंपरा कभी नहीं रही। मुख्यमंत्री कार्यालय से एक आईएएस अधिकारी की ड्यूटी लगाकर पार्षदों को प्रभावित करने का आरोप भी लगाया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई। उन्होंने वार्ड-33 के राजेंद्र नगर मतदान केंद्र पर 9 सितंबर को कांग्रेस प्रत्याशी पवन दवे के साथ हुई घटना का उल्लेख किया। उन्होंने बताया- कांग्रेस कार्यकर्ता ने आरटीआई लगाकर बूथ के अंदर के वीडियो फुटेज मांगे हैं, लेकिन आवेदन वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने आहोर में कांग्रेस के अध्यक्ष प्रत्याशी से पुलिस और सरकार के दबाव में नामांकन वापस करवाने का आरोप भी लगाया। पाराशर ने भाजपा प्रत्याशी जयसिंह की ओर इशारा करते हुए पुराने नगर परिषद रिकॉर्ड रूम अग्निकांड और न्यायालय में चल रहे मामलों का उल्लेख किया। साथ ही मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग और भाजपा पदाधिकारियों से प्रत्याशी चयन पर पुनर्विचार करने की अपील की। उन्होंने आमजन से निर्वाचित पार्षदों पर जालोर के विकास और जनहित में निर्णय लेने का नैतिक दबाव बनाने की अपील की। पाराशर ने कहा- लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि है और सभी दलों को इसे स्वीकार करना चाहिए। कांग्रेस के आरोपों को लेकर भाजपा और प्रशासन का पक्ष फिलहाल सामने नहीं आया है।

## उधार दिए 30-लाख नहीं मिले तो युवक ने खुदकुशी की...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** शहर में ट्रेन के आगे लेटकर युवक ने खुदकुशी कर ली। उसने 30 लाख रुपए परिचितों को उधार दे रखे थे। पैसे नहीं लौटने के कारण वह परेशान था। सुसाइड नोट में भी युवक ने तीन परिचितों को मौत का जिम्मेदार बताया है। पुलिस ने बताया-शिवदासपुरा के मोहनपुरा निवासी सियाराम शर्मा (28) ने सुसाइड किया है। वह अपने माता-पिता और दो बड़े भाइयों के साथ रहता था। वह प्राइवेट कॉलेज में ऑफिस वर्क संभालता था। सियाराम शर्मा शुक्रवार शाम 7 बजे कॉलेज से घर जाने के लिए निकला था। शिवदासपुरा रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर ट्रेन को आता देखकर पटरियों पर लेट गया। लोको पायलट ने पटरियों पर लेटे युवक को देखकर ब्रेक लगाए, लेकिन सियाराम का सिर इंजन से टकरा गया। वह पटरियों के बीच में आने से घायल हो गया। लोको पायलट ने ट्रेन से ही घायल को शिवदासपुरा रेलवे स्टेशन पर पहुंचाया। एंबुलेंस की मदद से आरयूएचएस हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। घरवाले युवक को महात्मा गांधी हॉस्पिटल ले गए। शनिवार सुबह 5 बजे डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

## माउंट आबू में फिर तेज हुआ मानसून, नक्की झील पर चली चादर, लेकिन पेयजल स्रोत अब भी खाली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**माउंट आबू।** पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में लंबे अंतराल के बाद मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। शनिवार देर शाम हुई तेज बारिश से जहां नक्की झील पर चादर चलने लगी, वहीं लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे लोगों को भी राहत की उम्मीद जगी है। हालांकि, झील अगस्त में ही पूरी तरह भर चुकी थी, लेकिन शहर की पेयजल व्यवस्था के प्रमुख आधार लोअर कोदरा और अपर कोदरा बांधों में अब भी पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाया है। दोनों बांधों में करीब 18-18 फीट पानी की कमी बनी हुई है। ऐसे में बारिश के लौटने के बावजूद माउंट आबू की पेयजल आपूर्ति को लेकर चिंता पूरी तरह दूर नहीं हुई है।

### नक्की झील लबालब, लेकिन बांधों की स्थिति चिंताजनक

शनिवार शाम हुई तेज बारिश के बाद नक्की झील पर चादर चलने लगी। अगस्त में ही झील के पूरी तरह भर जाने के बाद अब दोबारा हुई बारिश से पर्यटन स्थल की प्राकृतिक सुंदरता में भी निखार आया है। लेकिन झील का भरना शहर की पेयजल समस्या के पूरी तरह दूर होने का संकेत नहीं है। माउंट आबू की पेयजल जरूरतों के लिए प्रमुख स्रोत माने जाने वाले दोनों कोदरा बांधों में अभी भी काफी जगह खाली है। जानकारी के अनुसार, 59 फीट की भराव क्षमता वाला लोअर कोदरा बांध वर्तमान में 41 फीट तक ही भरा हुआ है। इस प्रकार बांध में अभी करीब 18 फीट पानी की कमी बनी हुई है। इसी तरह 33 फीट की क्षमता वाले अपर कोदरा बांध में भी वर्तमान में केवल 15 फीट पानी है। यह बांध भी अपनी पूरी क्षमता से करीब 18 फीट खाली है।

### तीन महीने में आधी बारिश, जलापूर्ति को लेकर चिंता

माउंट आबू में बीते तीन महीनों के दौरान औसत बारिश का केवल 50 प्रतिशत ही दर्ज हुआ है। लंबे समय तक बारिश नहीं होने से पानी के स्रोतों पर दबाव बढ़ने की आशंका बनी हुई थी। अब मानसून के दोबारा सक्रिय होने से सूख रहे जलस्रोतों में पानी आने की उम्मीद जगी है, लेकिन दोनों प्रमुख बांधों का खाली होना स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों की चिंता का मुख्य कारण यह है कि शहर की पेयजल व्यवस्था इन जलस्रोतों पर निर्भर है। यदि मानसून के शेष समय में पर्याप्त बारिश नहीं होती है, तो आने वाले दिनों में जलापूर्ति को लेकर परेशानी बनी रह सकती है। हालांकि, शनिवार देर शाम हुई तेज बारिश ने उम्मीद जरूर जगाई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि मानसून के बचे हुए समय में अच्छी बारिश होती है, तो दोनों बांधों में पानी की आवक बढ़ सकती है और पेयजल संकट की आशंका कम हो सकती है। नक्की झील पर चादर चलना बारिश की सक्रियता का संकेत जरूर है, लेकिन शहर के प्रमुख पेयजल स्रोतों में पर्याप्त पानी भरना अभी भी जरूरी है। फिलहाल माउंट आबू में मानसून की वापसी ने राहत और उम्मीद दोनों पैदा की हैं। एक ओर नक्की झील का नजारा बारिश की रौनक बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी ओर लोअर और अपर कोदरा बांधों का खाली रहना पेयजल व्यवस्था के सामने चुनौती बना हुआ है। अब आने वाले दिनों में होने वाली बारिश ही तय करेगी कि जलस्रोतों में कितना पानी बढ़ता है और स्थानीय लोगों की पेयजल संबंधी चिंता कितनी कम हो पाती है।

## बागोड़ा-सायला रोड पर बाइक फिसलने से युवक घायल

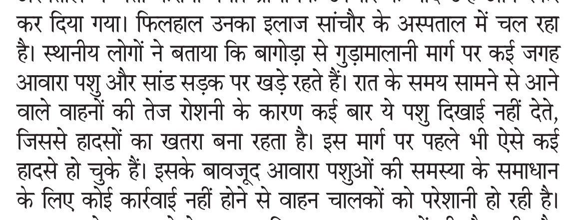


महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जालोर।** बागोड़ा-सायला रोड पर तिलोड़ा के पास पेट्रोल पंप के नजदीक शुक्रवार देर शाम एक बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। माना जा रहा है कि सामने से आ रहे वाहनों की तेज लाइटों के कारण यह हादसा हुआ। इस हादसे में बावतरा निवासी जलाल खान घायल हो गए। उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगे रेफर कर दिया गया। फिलहाल उनका इलाज सांचौर के अस्पताल में चल रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बागोड़ा से गुड़ामालानी मार्ग पर कई जगह आवारा पशु और सांड सड़क पर खड़े रहते हैं। रात के समय सामने से आने वाले वाहनों की तेज रोशनी के कारण कई बार ये पशु दिखाई नहीं देते, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है। इस मार्ग पर पहले भी ऐसे कई हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए कोई कार्रवाई नहीं होने से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। शुक्रवार को हुए हादसे ने एक बार फिर सड़क पर पशुओं की मौजूदगी और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

## गलतियों को मानने की हिम्मत ही सच्ची ईमानदारी हैः साणंद की एक साइट पर पिता-पुत्र और बिल्डर की यह दिल को छू लेने वाली कहानी आपकी आंखों में आंसू ला देगी!

आज के समय में जहां पैसे और मतलब के लिए रिश्ते टूट रहे हैं, वहीं अहमदाबाद ज़िले के साणंद के पास सामने आया एक मामला इंसानियत, ईमानदारी और संस्कारों की अनोखी मिसाल पेश करता है। यह घटना इस बात का जीता-जागता सबूत है कि एक पिता अपने बच्चे की खुशी के लिए किस हद तक जा सकता है और परिवार का सच्चा संस्कार कैसे इंसान को गलत रास्ते पर जाने से रोकता है। 22 साल की ईमानदारी और मजबूरी का एक पल भरतभाई मकवाना पिछले 22 सालों से साणंद के पास एक बड़ी कंस्ट्रक्शन साइट पर ईमानदारी से मिस्त्री का काम कर रहे थे। बिल्डर महेशभाई पटेल और भरतभाई के बीच न सिर्फ मालिक-मज़दूर का रिश्ता था, बल्कि सालों पुराना भरोसे का रिश्ता भी था।

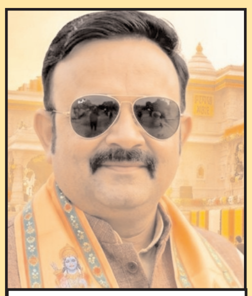

**पवन माकन**
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

लेकिन, भरतभाई का बड़ा बेटा मितेश, जो कॉलेज में पढ़ रहा था और कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी कर रहा था, काफी समय से बाइक खरीदने की ज़िद कर रहा था। भरतभाई बहुत दुखी थे क्योंकि उनके पास अपने बेटे की ज़िद पूरी करने के लिए पैसे नहीं थे।

एक दिन, जब बिल्डर सैलरी बांटने के दौरान ऑफिस के पीछे गया, तो ऑफिस में पड़े पैसों के बैग देखकर भरतभाई का दिमाग खराब हो गया। कारीगर, जिसने अपनी ज़िंदगी में कभी कुछ गलत नहीं किया था, कांपते हाथों से 80,000 निकाले और साइट पर रेत के ढेर के पीछे दबा दिए।

**'पापा, मुझे बाइक नहीं चाहिए... चोर मत बनो! '**

घर पहुँचकर, उनकी 30 साल की लाइफ पार्टनर हेतलबेन ने भरतभाई के चेहरे पर डर और पसीना पहचान लिया। अपनी पत्नी के प्यार और ज़िद के आगे भरतभाई की आँखों से आँसू बह निकले और उन्होंने अपनी गलती मान ली।

यह सुनकर उनका कॉलेज जाने वाला बेटा मितेश भी रो पड़ा। उसने अपने पिता को गले लगाया और कहाः 'पापा, मुझे बाइक नहीं चाहिए! मैं कभी बर्दाश्त नहीं करूँगा कि आप मेरे लिए चोर बनें। आपकी गंदी मेहनत का पसीना मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफ़ा है। ' अपने बेटे और पत्नी की इन बातों ने भरतभाई की आँखें खोल दीं। हेतलबेन ने उनका हौसला बढ़ाया और कहा, 'एक सच्चा आदमी गलतियाँ कर सकता है, लेकिन अपनी गलतियों को सुधारने की हिम्मत रखना ही सच्ची मर्दानगी और ईमानदारी है। '

### बिल्डर महेशभाई की इंसानियतः सीसीटीवी में देखने के बाद भी उसे रुतबा दिया!

दोनों कपल तुरंत साइट पर पहुँचे। हेतलबेन ने रेत से पैसे निकालकर बिल्डर महेशभाई पटेल की टेबल पर रखे और पूरी सच्ची घटना बताई। बिल्डर महेशभाई ने तब जो किया, वह आज की दुनिया के लिए एक मिसाल है! उन्होंने शांति से कहा कि उन्होंने ऑफिस के सीसीटीवी कैमरे में भरतभाई को पैसे लेते देखा था। लेकिन 22 साल की ईमानदारी के सामने यह एक पल की मजबूरी थी। महेशभाई ने भरतभाई को गिरने से रोका और टेबल से 20,000 और रखे, जिससे हेतलबेन के हाथों में कुल 1,00,000 रूपये हो गए।

**महेशभाई मुस्कुराए और बोलेः** 'यह कोई दान या दया नहीं है, बल्कि 22 साल की वफादारी का सम्मान है। आज आपकी ईमानदारी ने मेरी भी आँखें खोल दी हैं कि मुझे अपने कर्मचारियों की ज़रूरतों का ध्यान रखना चाहिए। '

## मृत्यु के बाद दिखावे नहीं, मानवीय व्यवहार की जरूरत है

मृत्यु जीवन का अटल सत्य है। जब कोई अपना हमसे विदा लेता है, तब हृदय में शोक होना स्वाभाविक है। लेकिन आज के समय में कुछ परिवारों में मृत्यु के अवसर पर शोक से अधिक दिखावा, खर्चीली रस्में और सामाजिक दबाव देखने को मिलता है। मानो अपने प्रियजन के प्रति प्रेम कितना गहरा था, इसका माप महंगी रस्मों और बड़े खर्चों से किया जाता हो। मृत व्यक्ति को अब भौतिक वस्तुओं की आवश्यकता नहीं होती। आवश्यकता होती है तो जीवित परिवारजनों को सांत्वना, सहानुभूति और मानवीय संवेदना की। इसलिए मृत्यु के अवसर पर अनावश्यक खर्च और दिखावे के बजाय परिवार को सहारा देना अधिक सार्थक है। 'मृत्यु के बाद की भव्यता किस काम की, यदि जीते-जी इंसान को प्रेम न मिला हो? श्रद्धांजलि फूलों से नहीं, अच्छे व्यवहार से दी जाती है।' हमें विचार करना होगा कि कोई गरीब परिवार केवल इस चिंता में कि समाज क्या कहेगा, कर्ज लेकर मृत्यु के अवसर पर खर्चीली रस्में निभाए—यह कितनी बड़ी विडंबना है! शोक की घड़ी में परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ाने के बजाय उसे कम करना ही सच्ची सामाजिक जिम्मेदारी है। मृत्यु के अवसर पर इंसानियत दिखाई देने की जरूरत है, महंगी रस्मों की नहीं। मृतक की स्मृति में किसी जरूरतमंद की सहायता करना, वृक्ष लगाना, किसी गरीब बच्चे की शिक्षा में सहयोग देना या परिवार को आर्थिक एवं मानसिक सहारा देना—ऐसी भावना शायद किसी भी दिखावे से अधिक मूल्यवान श्रद्धांजलि बन सकती है। और रस्म नहीं, इंसानियत जीवित रहे। मृत्यु के अवसर को 'दिखावे की होड़' नहीं, बल्कि 'मानवता की अभिव्यक्ति' बनाने का समय आ गया है।

## (रविवार) 20 सितंबर 2026

### दैनिक राशिफल

**मेष**: परिस्थितियों में सुधार होगा। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी लेकिन अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाएं।

**वृषभ**: बातचीत में धैर्य बनाए रखें। पैसों के मामले में स्थिति मजबूत रहेगी और बजट पर चर्चा से लाभ होगा।

**मिथुन**: काम में जल्दबाजी से बचें। आर्थिक फैसले सोच-समझकर लें और नए संपर्क बनाने पर ध्यान दें।

**कर्क**: दफ्तर में मान-सम्मान बढ़ेगा। मानसिक रूप से पैसों की चिंता रह सकती है, लेकिन पुराना फंसा धन मिलने के योग हैं।

**सिंह**: कोई शुभ समाचार मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में दिखावे से दूर रहें और अपनी गुप्त योजनाओं को उजागर न करें।

**कन्या**: पैसों का सही हिसाब-किताब रखने में मदद मिलेगी। पारिवारिक और काम के दायित्वों का बोझ आज थोड़ा परेशान कर सकता है।

**तुला**: वाणी में मिठास रखें। शुक्र की स्थिति आपके बजट और आर्थिक मामलों में सही संतुलन बनाए रखेगी।

**वृश्चिक**: अपनी धन से जुड़ी योजनाओं को गुप्त रखें। कोई भी बड़ा फैसला लेते समय जल्दबाजी करने से बचें।

**धनु**: साथियों से पूरा सहयोग और लाभ मिलेगा। मन में नई उम्मीदें जागेंगी, कार्यक्षेत्र में बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

**मकर**: नौकरीपेशा लोगों की जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। पैसों के लेनदेन और किसी को उधार देने से आज पूरी तरह बचें।

**कुंभ**: आर्थिक रूप से दिन लाभकारी रहेगा। अपने विवेक से काम लें, नई नौकरी या काम के सिलसिले में ट्रेनिंग लेनी पड़ सकती है।

**मीन**: अटके हुए काम पूरे होंगे। निवेश या कागजी कार्यवाही करते समय सावधानी बरतें और बड़ों की सलाह जरूर लें।

# लोगों के लिए सिर्फ़ 'टैक्स दो और वोट दो'

## सुविधा के नाम पर सिर्फ़ 'पानी भरो': सिस्टम की नाकामी के ख़िलाफ़ गुस्से का ज्वालामुखी!

### सिर्फ़ एक इंच बारिश में अहमदाबाद समेत पूरा गुजरात स्विमिंग पूल बन गया! 7 स्कूलों से लेकर मेन सड़कों तक डूबाः कागज़ों पर प्री-मॉनसून प्लान की खुली पोल 7 'हम करोड़ों टैक्स देते हैं, तो बदले में नरक क्यों?' – जनता का तीखा सवाल!

चाहे मेगा सिटी अहमदाबाद हो या राजकोट, वडोदरा हो या सूरत... गुजरात के किसी भी शहर की कहानी आज एक जैसी हो गई है! गुजरात सरकार और लोकल नगर पालिकाओं की पॉलिसी अब साफ़ दिख रही हैः 'जनता सिर्फ़ चुपचाप टैक्स दे, समय-समय पर आकर वोट दे... और सुविधा के नाम पर सिस्टम जो तकलीफ़ दे!' मॉनसून की शुरुआत में मेघराजा ने सिर्फ़ एक-दो इंच बारिश की है, जबकि स्मार्ट सिटी के दावे बकवास हो गए हैं। स्कूल ग्राउंड में पानी भरने से बच्चे फंस गए हैं, तो दूसरी तरफ शहर की मेन सड़कें, अंडरपास और सोसाइटियां चमगादड़ों में बदल गई हैं।

#### सिर्फ 1 इंच बारिश में डूब गए स्मार्ट सिटी! (ग्राउंड रियलिटी)

हर साल मानसून से पहले नगर निगम 'प्री-मानसून वर्क' के नाम पर करोड़ों रुपये देते हैं। लेकिन बारिश का पहला झोंका ही इस सिस्टम के करप्शन और फेलियर को धो देता हैः

**स्कूलों में पानी भर गयाः** कई सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के क्लासरूम और कैंपस में पानी भर जाने से छोटे बच्चों को काफी परेशानी हुई है। ऐसे नजारे सामने आए हैं जहां सुरक्षा के नाम पर बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार बच्चों का भविष्य पानी में जला रही है।

**सड़कें स्विमिंग पूल बन गई हैंः** हर मेन सड़क पर एक फुट पानी भर गया है, जिससे ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। करोड़ों की लागत से बनी सड़कें टूट गई हैं ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया हैः 'लाइन क्लीयरेंस' और सीवर सफाई के दावे सिर्फ कागजों पर ही रह गए हैं। कुछ ही बारिश में ड्रेनेज लाइनें उभरने लगी हैं।

#### महानगर मेट्रो का जानलेवा सवालः टैक्सपेयर्स के साथ इतना अन्याय क्यों?

गुजरात का आम नागरिक अपनी मेहनत की कमाई से सिस्टम को प्रॉपर्टी टैक्स, वॉटर टैक्स, व्हीकल टैक्स और एजुकेशन टैक्स जैसे कई टैक्स देता है।

क्या नागरिक सिर्फ टैक्स मशीन और वोट बैंक हैं?

जब भी कोई विरोध होता है तो 'जो सुविधाएं हम दें, ले लो' वाला रवैया क्यों अपनाया जाता है?

करोड़ों रुपये के प्री-मॉनसून कामों के टेंडर किसकी जेब में गए?

#### सीधा पब्लिक गुस्सा और चेतावनी

लोगों का सब्र अब जवाब दे गया है। सड़कों पर, गाड़ियों को नुकसान और महामारी के डर के बीच जी रही पब्लिक अब एडमिनिस्ट्रेशन के खोखले भरोसे से तंग आ चुकी है। अगर समय रहते सीवर और सड़कों की हालत नहीं सुधारी गई, तो यह पक्का है कि यह बहता पानी आने वाले दिनों में एडमिनिस्ट्रेशन और हुक्मरानों के खिलाफ गुस्से की सुनामी बनकर उठेगा!

## देश को दहलाने वाला 'दृश्यम' स्टाइल का सच्चा केस

### बूचड़खाना, सीसीटीवी का जाल और आईपीएस मनोज वर्मा की वैज्ञानिक तफ़तीश!

### पत्नी गायब हुई, पति ने बनाया मास्टरप्लान... पर पुलिस ने एक छोटी सी भूल से सुलझाया देश का सबसे सस्पेंसफुल मर्डर मिस्ट्री केस! 7 जानिए कैसे कातिल पति पहुंचा जेल के सींखचों के पीछे!

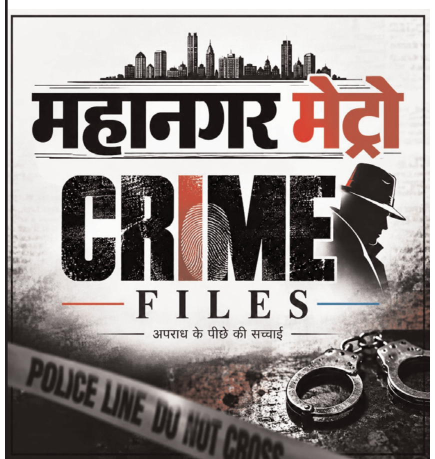


**गांधीनगर / अहमदाबाद।** हम फिल्म 'दृश्यम' देखकर दांतों तले उंगली दबा लेते हैं, लेकिन सच्ची घटनाएं कई बार काल्पनिक फिल्मों से भी ज्यादा क्रूर और सस्पेंस से भरी होती हैं। देश के क्राइम इतिहास में जब भी किसी 'परफेक्ट मर्डर प्लान' का जिक्र होता है, तो 2013 का 'डॉ. वैशाली जोशी और अमित सेठ मर्डर केस' या अहमदाबाद का बहुचर्चित 'सुरेश जोशी और नीतू केस' पुलिस विभाग के केस स्टडी का हिस्सा बन जाता है।

लेकिन, जिस केस ने पूरे देश में सनसनी फैला दी थी और जिसकी जांच के लिए भारत के दिग्गज आईपीएस अधिकारी मनोज वर्मा और उनकी टीम ने रात-दिन एक कर दिया था, उस केस की इनसाइड स्टोरी आज 'महानगर मेट्रो' अपने पाठकों के सामने पेश करने जा रहा है।

#### घटना की शुरुआतः सुबह जॉगिंग पर गई पत्नी अचानक गायब!

घटना की शुरुआत एक मामूली गुमशुदगी की शिकायत से हुई थी। उच्च शिक्षित और बेहद शातिर माने जाने वाले शख्स ने थाने पहुंचकर बेहद गंभीर चेहरा बनाकर शिकायत दर्ज कराईः 'साहब! मेरी पत्नी रोज सुबह जॉगिंग पर जाती है, लेकिन आज वापस नहीं आई। उसका फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। '

पुलिस ने शुरुआत में इसे सामान्य गुमशुदगी का मामला मानकर जांच शुरू की। पति ने पुलिस को गुमराह करने के लिए तमाम सबूत इस तरह से सेट किए थे कि किसी को उस पर शक न हो। उसने पत्नी के मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी कवरेज और अपनी टाइमिंग को इस तरह से मैच किया था जैसे वह पूरी तरह से बेगुनाह हो।

#### आईपीएस मनोज वर्मा की एंट्री और 'थर्ड आई' सर्विलांस

मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आईपीएस मनोज वर्मा के मार्गदर्शन में एक स्पेशल टीम को जांच सौंपी गई। मनोज वर्मा अपनी वैज्ञानिक जांच और अपराधियों की साइकोलॉजी को समझने के लिए जाने जाते हैं।

जब पुलिस ने पति से पूछताछ शुरू की, तो उसके चेहरे पर कोई डर या शिकन नहीं थी। वह इतना आत्मविश्वास से भरा था कि उसने खुद पुलिस की मदद करने का नाटक किया। लेकिन आईपीएस मनोज वर्मा की क्राइम ब्रांच टीम को उसकी एक ही छोटी सी बात पर शक हो गयाः पत्नी के गायब होने के महज 2 घंटे के भीतर ही पति ने घर के सभी कचरे के डिब्बे साफ करवा दिए थे और सोसाइटी के सीसीटीवी के एक खास 45 मिनट के फुटेज गायब थे!

#### मास्टरमाइंड का 'दृश्यम' प्लान बेनकाब!

पुलिस ने जब फॉरेंसिक टीम के साथ घर पर छापा मारा, तो लिविंग रूम या बेडरूम में खून का एक कतरा भी नहीं मिला। लेकिन एफएसएल की टीम ने जब 'ल्यूमिनोल टेस्ट' किया, तो पूरे बाथरूम में खून के सूखे हुए धब्बे नीली रोशनी में चमक उठे!

चौंकाने वाली सच्चाई यह थी किः

1. संदिग्ध पति ने पत्नी का गला घोंटकर हत्या करने के बाद उसके शव के टुकड़े-टुकड़े किए थे।
2. उन टुकड़ों को काले प्लास्टिक बैग में पैक करके अपनी गाड़ी की डिग्गी में रखा और अलग-अलग सुनसान इलाकों में फेंक आया था।
3. जुर्म छिपाने के लिए उसने पूरे घर में एसिड और फिनाइल से 3 बार सफाई की थी।

#### पूछताछ में टूट गया शातिर कातिल

IPS मनोज वर्मा की टीम ने जब बाथरूम से मिले केमिकल सबूत और सीसीटीवी के डीवीआर से रिकवर किया गया डेटा उसके सामने रखा, तो कातिल बुरी तरह टूट गया। उसने अपना गुनाह कबूल करते हुए बताया कि उसने अवैध संबंध और जायदाद हड़पने की लालच में इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया था।

#### 'महानगर मेट्रो' का निष्कर्ष

इस केस ने पूरे देश को यह साबित कर दिखाया कि 'अपराधी चाहे कितना भी चालाक क्यों न हो, लेकिन कानून और साइंटिफिक इन्वेस्टिगेशन से कभी नहीं बच सकता।' आईपीएस मनोज वर्मा और उनकी टीम की इस सतर्कता और सूझबूझ के कारण ही एक दरिंदा कातिल उम्रकैद की सजा काटकर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा और पीड़ित परिवार को इंसाफ मिला। यह घटना आज भी कानूनी और पुलिस इतिहास में एक मिसाली जांच का उदाहरण मानी जाती है।

## 2027 में शनि का महागच्छारः मीन से मेष राशि में एंट्री! इस एक राशि से हटेगी साढ़े साती, शुरू होगा 'गोल्डन टाइम'!

### शनि के राशि बदलने से किन राशियों को मिलेगा बड़ा फायदा

वैदिक ज्योतिष में शनि को न्याय का देवता और कर्मफल दाता माना जाता है। शनि औसतन ढाई साल (2.5 साल) में अपनी राशि बदलते हैं। इसलिए, शनि का हर गोचर सभी 12 राशियों के जीवन पर गहरा और व्यापक असर डालता है। साल 2025 में शनि कुंभ राशि छोड़कर मीन राशि में आए थे। उसके बाद अब साल 2027 में शनि का एक बहुत ही महत्वपूर्ण महागच्छार होने वाला है। शनि मीन राशि छोड़कर मेष राशि में आएंगे, जिसका स्वामी मंगल है। इस गोचर के होते ही कुछ लोगों को सालों से चली आ रही शनि की साढ़े साती की पीड़ा से राहत मिलेगी और उनके लिए सफलता का 'सुनहरा समय' शुरू हो जाएगा।

इस एक राशि से हटेगी साढ़े सातीः मकर राशि वालों को मिलेगी पूरी मुक्ति! शनि का यह राशि परिवर्तन मकर राशि वालों के लिए खुशी की सबसे बड़ी खबर लाएगा। साढ़े सात साल का अंतः पिछले साढ़े सात साल से चल रही शनि की कठोर साढ़े साती का तीसरा और आखिरी चरण पूरा होकर मकर राशि वालों के लिए पूरी तरह खत्म हो जाएगा। सुनहरे समय की शुरुआतः साढ़े साती खत्म होते ही मकर राशि वालों के लिए सुनहरा समय शुरू हो जाएगा। मानसिक तनाव, पैसे की तंगी और काम में आ रही रुकावटें दूर होंगी। लगाया हुआ पैसा वापस मिलेगा, करियर में नए मौके मिलेंगे और सेहत में सुधार होगा। साढ़े सात साल का अंतः पिछले साढ़े सात साल से चल रही शनि की कठोर साढ़े साती का तीसरा और आखिरी चरण पूरा होकर मकर राशि वालों के लिए पूरी तरह खत्म हो जाएगा। सुनहरे समय की शुरुआतः साढ़े साती खत्म होते ही मकर राशि वालों के लिए सुनहरा समय शुरू हो जाएगा। मानसिक तनाव, पैसे की तंगी और काम में आ रही रुकावटें दूर होंगी। लगाया हुआ पैसा वापस मिलेगा, करियर में नए मौके मिलेंगे और सेहत में सुधार होगा। (नोटः कुंभ राशि वालों के लिए साढ़े साती का आखिरी फेज और मीन राशि वालों के लिए दूसरा फेज शुरू होगा, जबकि मेष राशि वालों के लिए साढ़े साती का पहला फेज शुरू होगा।)

शनि की ढैय्या (ढाई साल का समय) का गणित

2027 का यह गोचर शनि की ढैय्या के असर के अलावा साढ़े साती में भी बड़ा बदलाव लाएगाः

1. ढैय्या से मुक्तिः कर्क और वृश्चिक राशि वालों को शनि की छोटी ढैय्या से मुक्ति मिलेगी।
2. नई ढैय्या की शुरुआतः सिंह और धनु राशि वालों के लिए शनि की ढैय्या शुरू होगी, जिससे उन्हें फाइनेंशियल और प्रोफेशनल मामलों में थोड़ा सावधान रहना होगा।

मकर राशि के अलावा इन राशियों को भी शनि के गोचर से बहुत फायदा होगाः

वृषः शनि के मेष राशि में आने से इस राशि वालों के लिए इनकम के नए सोर्स खुलेंगे और विदेश यात्रा या विदेशी व्यापार से पैसे कमाने के चांस रहेंगे। मिथुनः लंबे समय से चली आ रही नौकरी या बिज़नेस की परेशानियां हल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और फाइनेंशियल कंडीशन मजबूत होगी।

ज्योतिष सलाहः शनि देव की कृपा पाने के आसान उपाय

शनि देव कर्म के हिसाब से ही फल देते हैं। जिन लोगों की साढ़ेसाती या ढैय्या शुरू हो गई है, उन्हें घबराने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि ये आसान उपाय करने चाहिएः हर शनिवार शनि देव को तिल का तेल चढ़ाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें। गरीब, लाचार और ज़रूरतमंद लोगों को काले कपड़े, उड़द या खाना दान करें। अपने नीचे काम करने वाले कर्मचारियों और मज़दूरों के साथ हमेशा विनम्रता और सही व्यवहार करें।

## गुजरात में शिक्षा का बंटाधार!

## 7 आयुर्वेदिक कॉलेजों की मान्यता रद्द होने से मचा हड़कंप; सरकार की नीतियों पर उठे गंभीर सवाल

**गांधीनगर/अहमदाबाद।** गुजरात में तथाकथित विकास और 'गतिशील मॉडल' के पीछे शिक्षा क्षेत्र में पनप रहे फर्जीवाड़े का एक और बड़ा मामला सामने आया है। राज्य के 7 आयुर्वेदिक कॉलेजों में नियमों की धज्जियां उड़ाकर चलाई जा रही गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए नियामक संस्थाओं द्वारा उनकी मान्यता रद्द कर दी गई है। इस कड़े फैसले से सैकड़ों मासूम छात्रों और उनके अभिभावकों का भविष्य अंधकार में लटक गया है, जिससे पूरे राज्य के शैक्षणिक गलियारों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

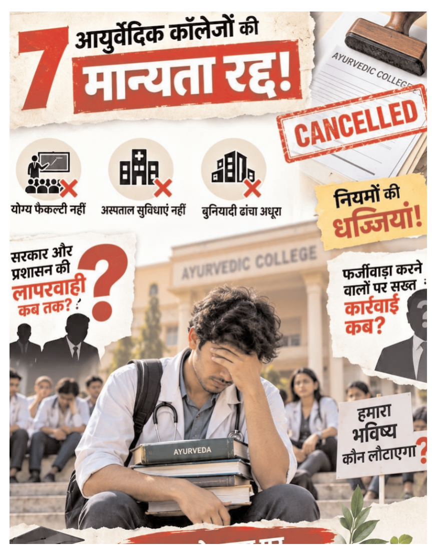


### क्या यही है 'गतिशील गुजरात' का कड़वा सच?

शिक्षा विभाग और शासन की नाक के नीचे निजी शिक्षण संस्थानों में खुलेआम मनमानी चल रही है। राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि गुजरात में शिक्षा का बाजारीकरण हो चुका है। आयुर्वेदिक कॉलेजों में योग्य फैकल्टी की भारी कमी, आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर और संबद्ध अस्पतालों में सुविधाओं का न होना जैसी खामियों के बावजूद सालों तक इन संस्थानों को चलाने देना शिक्षा विभाग की निगरानी प्रणाली पर बड़े सवाल खड़े करता है।

#### शिक्षा मंत्री और प्रशासन से चुभते सवालः

**छात्रों के भविष्य का जिम्मेदार कौन?:** लाखों रुपये की मोटी फीस भरकर आयुर्वेद की पढ़ाई करने वाले छात्रों का क्या कसूर है? मान्यता रद्द होने के बाद उनके कीमती सालों और पैसों के नुकसान की भरपाई कौन करेगा?

**प्रशासन की लापरवाही कब तक?:** राज्य के शिक्षा मंत्री और विभागीय अधिकारियों को इन गड़बड़ियों की भनक पहले क्यों नहीं लगी? क्या इतने समय तक इन कॉलेजों की अनियमितताओं पर जानबूझकर आंखें मूंद ली गई थीं?

**भ्रष्ट संचालकों पर कड़ी कार्रवाई कब?:** महज मान्यता रद्द कर देने भर से मामला खत्म नहीं होता। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले कॉलेज संचालकों और फर्जी मंजूरियां देने वाले अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई कब होगी?

#### अभिभावकों और जनता में भारी रोष

शिक्षा के नाम पर चल रही इन दुकानों और सरकारी उदासीनता के कारण आम जनता में भारी गुस्सा है। लोगों का कहना है कि राज्य में शिक्षा का स्तर सुधारने के बजाय व्यवस्था में ढील दी जा रही है। अगर शासन और शिक्षा विभाग ने इस तरह के मामलों में सख्त और स्थाई कदम नहीं उठाए, तो आने वाली पीढ़ी का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। अभिभावकों ने मांग की है कि सरकार सभी प्राइवेट कॉलेजों का निष्पक्ष ऑडिट कराए और प्रभावित छात्रों को तुरंत अन्य मान्यता प्राप्त कॉलेजों में समायोजित करे।

## बीमार पत्नी, दृष्टिबाधित बेटी और कत्ल... 70 साल के पति ने रची थी साजिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बलिया।** उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रसड़ा क्षेत्र में 65 वर्षीय महिला और उसकी 22 वर्षीय दृष्टिबाधित बेटी की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, महिला के 70 वर्षीय पति रामचीज गुप्ता ने दो साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। 17 सितंबर को मुस्तफाबाद गांव में मां-बेटी के शव मिले थे। रामचीज ने पुलिस को बताया था कि अज्ञात लोगों ने दोनों की हत्या की है। जांच के लिए स्वाट, सर्विलांस और रसड़ा पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस का शक रामचीज पर गया। पुलिस के अनुसार, रामचीज अपनी पत्नी की मानसिक बीमारी और बेटी की दृष्टिबाधित स्थिति को लेकर सामाजिक प्रतिष्ठा के दबाव में था। आरोप है कि इसी वजह से उसने चंदन यादव और दिनेश गुप्ता को साथ मिलाकर 16 सितंबर की शाम दोनों की हत्या कर दी। पुलिस का दावा है कि हत्या के बाद खून के निशान साफ करने की कोशिश की गई और बेटी के शव को खेत में फेंक दिया गया। इसके बाद रामचीज ने अज्ञात लोगों पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को सिधागरघाट के पास से गिरफ्तार कर कथित हत्या में इस्तेमाल औजार और खून से सने कपड़े बरामद किए हैं। मामले की जांच जारी है।

## 'देश में चल रहा दीयों का कंपटीशन, रुपये की हालत तो देखो!', अखिलेश यादव का बीजेपी पर तीखा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर महंगाई, रुपये की स्थिति, कानून-व्यवस्था और चुनावों को लेकर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि देश में इन दिनों दीयों का कंपटीशन चल रहा है और हर कोई यह देखने में लगा है कि कौन कितने ज्यादा दीये जलवाएगा। उन्होंने महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए रुपये की स्थिति पर भी सवाल उठाए। अखिलेश यादव ने कहा कि यह महंगाई का दौर है। जो लोग पहले डॉलर और रुपये की तुलना करते थे, उन्हें अब रुपये की स्थिति भी देखनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई और आम लोगों की परेशानियों से जुड़े मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में भी छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में चुनाव हो सकते हैं तो उत्तर प्रदेश में भी चुनाव होने चाहिए। उनका कहना था कि युवाओं और छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी का अवसर मिलना चाहिए। अखिलेश यादव ने श्रावस्ती, बलरामपुर, रायबरेली और संतकबीर नगर की घटनाओं का जिक्र करते हुए प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि श्रावस्ती में पूर्व विधायक द्वारा एक वीडियो साझा किए जाने पर मुकदमा दर्ज किया गया। बलरामपुर में भी वीडियो साझा करने को लेकर मामला दर्ज होने की बात कही। रायबरेली में छात्रसभा का कार्यक्रम नहीं होने देने और संतकबीर नगर में पप्पू निषाद पर जानलेवा हमले का भी उन्होंने उल्लेख किया।तीय भेदभाव का लगाया आरोप सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि प्रदेश में जाति के आधार पर लोगों के साथ अलग-अलग व्यवहार किया जा रहा है।

## पति-पत्नी के बीच विवाद में पत्नी की नाक कटी, परिवार ने पति के प्राइवेट पार्ट पर काटने का लगाया आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**हरदोई।** उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में पति-पत्नी के बीच विवाद का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। महिला साधना ने अपने पति दीपक पर मारपीट करने, नाक काटने और नाली में फेंकने का आरोप लगाया है। वहीं, पति के परिवार ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान साधना ने दीपक के प्राइवेट पार्ट पर काट लिया और बाद में खुद को घायल कर लिया। पुलिस के अनुसार, साधना करीब ढाई महीने पहले पति का घर छोड़कर चली गई थी। गुरुवार को वह अचानक पड़ोसी की छत से कूदकर पति के घर पहुंची, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद हो गया। साधना का आरोप है कि पति ने उसके सिर पर हमला किया और उसकी नाक काट दी। उसने यह भी आरोप लगाया कि इस दौरान सास-ससुर ने उसके हाथ पकड़ रखे थे। घटना की सूचना मिलने पर सांडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले गई। महिला को पहले सांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे आगे के इलाज के लिए हरदोई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस ने पति दीपक को हिरासत में लिया है। वहीं, दीपक की मां ने अलग पक्ष रखते हुए आरोप लगाया कि साधना पहले इलाके के एक युवक के साथ चली गई थी, जो दीपक का दोस्त भी था। गुरुवार को लौटने के बाद वह बच्चों को साथ ले जाने की कोशिश कर रही थी, इसी दौरान विवाद हुआ। परिवार का आरोप है कि साधना ने दीपक को काट लिया और बाद में जमीन पर सिर पटककर खुद को घायल कर लिया। साधना और दीपक की शादी करीब 10 साल पहले हुई थी। दोनों की तीन बेटियां हैं, जिनकी उम्र आठ, छह और तीन साल है।

## हमीरपुर में गुटका कारोबारी के ठिकानों पर जीएसटी छापा, 200 करोड़ की कर चोरी का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**हमीरपुर।** उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा कस्बे में गुटका कारोबारी के ठिकानों पर लखनऊ से पहुंची जीएसटी टीम ने छापेमारी की। करीब 16 घंटे चली कार्रवाई में दो दर्जन से अधिक अधिकारियों ने गोदाम और प्रतिष्ठान से दस्तावेज, बिल और कारोबारी रिकॉर्ड खंगाले। कारोबारी पर करीब 200 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का आरोप बताया जा रहा है। मौदहा के मुख्य बाजार में अमित ओमर ट्रेडर्स के नाम से गुटका, तंबाकू और मसालों का कारोबार संचालित होता है। यहां 'किस्मत' नाम से गुटका तैयार कर बुंदेलखंड और आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई किए जाने की जानकारी सामने आई है। छापेमारी के दौरान कारोबारी के मौके पर मौजूद नहीं होने की बात भी सामने आई। लखनऊ से पहुंची टीम ने प्रतिष्ठान और गोदाम को घेरकर जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा। टीम ने बिल, दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड की जांच की। जीएसटी टीम की कार्रवाई की सूचना फैलते ही मौदहा के कई अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी हलचल मच गई। सूचना मिलने पर एसडीएम करन वीर सिंह और सीओ आरके पांडेय भी मौके पर पहुंचे। मौदहा कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि लखनऊ से जीएसटी टीम आई थी और सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस बल उपलब्ध कराया गया। फिलहाल कर चोरी की वास्तविक राशि और जांच में सामने आए तथ्यों को लेकर जीएसटी विभाग की कार्रवाई जारी है।

# एक चेहरा, एक पत्नी और बेटी की हत्या का मुकदमा, बदायूं के अर्चना हत्याकांड में जुड़वा भाइयों समेत 4 को उम्रकैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बदायूं।** उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले का चर्चित अर्चना हत्याकांड करीब पांच साल बाद एक अहम कानूनी पड़ाव पर पहुंच गया है। दातागंज क्षेत्र में हुए इस हत्याकांड में अदालत ने जुड़वा भाइयों चंद्रपाल और कुंवरपाल समेत चार आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले में मृतका के दो भाई रवित कुमार और पुष्पेंद्र भी दोषी पाए गए हैं। अदालत ने चारों पर जुर्माना भी लगाया है। यह मामला सिर्फ हत्या की वजह से ही चर्चा में नहीं रहा, बल्कि इसमें शामिल जुड़वा भाइयों की जिंदगी भी लंबे समय तक लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। दोनों भाइयों का चेहरा, कद-काठी और पहनावा काफी हद तक एक जैसा बताया गया। दोनों की दिनचर्या भी लगभग एक जैसी रही। बताया गया कि दोनों साथ ही खाना-पीना, नहाना और सोना पसंद करते थे। दोनों की एक ही पत्नी थी और इसी परिवार की बेटी अर्चना की हत्या के मामले में दोनों आरोपी बनाए गए। चंद्रपाल और कुंवरपाल की असाधारण जिंदगी की चर्चा स्थानीय स्तर से निकलकर दूसरे क्षेत्रों तक पहुंची। दोनों की समान जीवनशैली को लेकर तमिल भाषा में एक फिल्म भी बनाए जाने की बात सामने आई है। दोनों भाई स्थानीय सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहे थे। अर्चना पलिया गूजर गांव की रहने वाली थी और बीए द्वितीय वर्ष में पढ़ाई कर रही थी।

बरेली निवासी देवेंद्र सिंह का अपनी ननिहाल के कारण गांव में आना-जाना था। इसी दौरान अर्चना और देवेंद्र के बीच प्रेम संबंध बने। परिवार को दोनों का रिश्ता मंजूर नहीं था। इसके बाद अर्चना देवेंद्र के साथ बरेली चली गई। बताया गया कि दोनों ने आर्य समाज मंदिर में विवाह कर लिया था। इसके बाद अर्चना को लेकर परिवार और देवेंद्र के बीच विवाद बढ़ गया। मामला पुलिस और न्यायिक प्रक्रिया तक पहुंचा। इसी दौरान अर्चना के बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू हुई। अभियोजन के अनुसार 28 जुलाई 2021 को उच्च न्यायालय के निर्देश पर अर्चना को बयान दर्ज कराने के लिए देवेंद्र दातागंज लेकर आ रहा था। आरोप है कि दातागंज थाने पहुंचने से पहले ही रास्ते में रवित कुमार, पुष्पेंद्र, चंद्रपाल और कुंवरपाल ने उनकी गाड़ी रोक ली। अभियोजन के मुताबिक, इसके बाद अर्चना पर चाकू से हमला किया गया। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गंभीर रूप से घायल अर्चना को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। अर्चना की मौत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, गवाहों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर विवेचना आगे बढ़ाई गई। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद चारों आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया। मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश रिंकू की अदालत में हुई। अभियोजन पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्य और गवाहों के बयान अदालत के सामने रखे। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने चारों आरोपियों को दोषी करार दिया।अदालत ने चंद्रपाल, कुंवरपाल, रवित कुमार और पुष्पेंद्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

## आगर-मालवा में उफनते नाले में बही श्रद्धालुओं की कार मां बगलामुखी मंदिर दर्शन के लिए आए थे सभी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**आगर-मालवा।** मध्य प्रदेश के आगर-मालवा जिले में भारी बारिश के बाद देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। नलखेड़ा स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर के पास तेज बारिश के दौरान एक कार उफनते नाले के तेज बहाव की चपेट में आ गई और देखते ही देखते पानी में बह गई। कार में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे, तीन पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इनमें सात लोग ओडिशा के रहने वाले थे और मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन-पूजा के लिए आए थे। जानकारी के अनुसार, हादसा बीती रात उस समय हुआ जब क्षेत्र में तेज बारिश हो रही थी। मंदिर के आसपास भी काफी बारिश हुई, जिससे नाले में अचानक पानी का बहाव बढ़ गया। इसी दौरान श्रद्धालुओं से भरी कार नाले के पानी में फंस गई। तेज बहाव के कारण कार को संभालना मुश्किल हो गया और पानी उसे अपने साथ बहाकर ले गया। बताया जा रहा है कि कार करीब 100 मीटर तक नाले में बहती चली गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। राहत एवं बचाव दल ने नाले में तलाश शुरू की और कार को बाहर निकालने का प्रयास किया। सुबह रेस्क्यू अभियान के दौरान कार और उसमें सवार लोगों के शवों को बाहर निकाला गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। हादसे में कार सवार तीन बच्चों, तीन पुरुषों और दो महिलाओं की मौत हुई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सात मृतक ओडिशा के रहने वाले थे। सभी श्रद्धालु मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन के लिए नलखेड़ा पहुंचे थे। हादसे ने परिवारों और स्थानीय लोगों को झकझोर दिया है। बताया जा रहा है कि रात के दौरान मंदिर क्षेत्र में करीब 3.2 इंच बारिश दर्ज की गई। लगातार तेज बारिश के कारण नाले में पानी का स्तर और बहाव तेजी से बढ़ गया था। इसी तेज बहाव को हादसे की मुख्य वजह बताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस और प्रशासन की ओर से घटना की परिस्थितियों और हादसे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। यह भी देखा जा रहा है कि कार नाले के इतने करीब कैसे पहुंची और उस समय वहां पानी के बहाव की स्थिति क्या थी। दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी भी देखने को मिली। लोगों ने घटनास्थल पर पहुंचकर जमकर नारेबाजी की और चक्का जाम कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि भारी बारिश के दौरान नाले में पानी का बहाव बेहद तेज हो जाता है और ऐसे स्थानों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होना जरूरी है।

## मगरोन थाना क्षेत्र के कबीरपुर गांव में सनसनीखेज घटना; करीब एक साल से पति-पत्नी के बीच चल रहा था विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दमोह।** मध्य प्रदेश के दमोह जिले में शनिवार तड़के एक ही परिवार के चार लोगों की मौत से सनसनी फैल गई। मगरोन थाना क्षेत्र के कबीरपुर गांव में एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी और तीन बच्चों पर कुल्हाड़ी से हमला कर उनकी हत्या करने का आरोप है। मृतकों में महिला और उसके तीन छोटे बच्चे शामिल हैं। घटना के बाद आरोपी पति द्वारका पटेल को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार, वह वारदात के बाद घर के बाहर कुल्हाड़ी लेकर बैठा मिला था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और सागर से विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम भी जांच के लिए पहुंच रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना शनिवार सुबह करीब 4 से 4:30 बजे के बीच हुई। पुलिस के मुताबिक, रात में पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद पत्नी और बच्चे घर में सो गए। आरोप है कि इसी दौरान द्वारका पटेल ने कुल्हाड़ी से पत्नी और तीनों बच्चों पर हमला कर दिया। हमले में चारों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान खेमा बाई, उनकी सात वर्षीय बेटी उर्मिला, चार वर्षीय बेटे उमेश और एक वर्षीय बेटे राजा के रूप में हुई है। घटना की जानकारी सुबह करीब 6 बजे पुलिस को मिली। इसके बाद डायल-112 की टीम सबसे पहले मौके पर पहुंची और मगरोन थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस अधिकारियों ने

घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद आरोपी घर के बाहर मौजूद था। उसके पास वारदात में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी होने की बात सामने आई है। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि घटना से पहले घर में क्या हुआ था और विवाद किस बात को लेकर था। पुलिस का कहना है कि फिलहाल हत्या के पीछे की पूरी वजह स्पष्ट नहीं हुई है। प्रारंभिक जांच में पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चले आ रहे पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है। पुलिस इसी विवाद और शुक्रवार रात हुई कहासुनी को घटना से जोड़कर जांच कर रही है। दमोह पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच करीब एक साल से विवाद चल रहा था। पत्नी की ओर से पहले मगरोन थाने में शिकायत दर्ज कराने की बात भी सामने आई है। शुक्रवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद महिला के पिता के गांव पहुंचकर दोनों को समझाने की कोशिश करने की जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस के अनुसार, परिवार के लोगों के समझाने के बाद भी विवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था। रात में परिवार के सदस्य सो गए और इसके बाद तड़के यह घटना सामने आई। हालांकि, विवाद की वास्तविक वजह क्या थी और हत्या की घटना तक परिस्थितियां किस तरह पहुंचीं, इसकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। चार लोगों की मौत की सूचना के बाद पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया। दमोह एसपी आनंद कलादगी सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सागर से विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को भी बुलाया गया है। टीम घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटनास्थल का विधि विज्ञान परीक्षण पूरा होने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। इसके साथ ही पुलिस आसपास के लोगों और परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि घटना से पहले की परिस्थितियों का पता लगाया जा सके। एक ही परिवार के चार लोगों की मौत के बाद कबीरपुर गांव में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और घटना के क्रम, पारिवारिक विवाद तथा हत्या के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

## भोपाल में रिटायर्ड आईपीएस रघुवीर सिंह मीणा पर जाति प्रमाण पत्र मामले में एफआईआर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी रघुवीर सिंह मीणा के खिलाफ जाति प्रमाण पत्र से जुड़े मामले में पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन पर आरोप है कि उन्होंने अलग-अलग सरकारी सेवाओं में अलग-अलग जाति प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल किया और मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अनुसूचित जनजाति वर्ग का प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर आरक्षण का लाभ लेते हुए पुलिस उपाधीक्षक के पद पर चयन हासिल किया। मामले में धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज और अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम से जुड़ी धाराओं में कार्रवाई की गई है। रघुवीर सिंह मीणा इन आरोपों से इनकार कर चुके हैं। मामले की जांच में जाति प्रमाण पत्रों को लेकर अलग-अलग दस्तावेज सामने आने की बात कही गई है। उपलब्ध न्यायिक रिकॉर्ड के अनुसार, पुलिस सेवा में आने से पहले रघुवीर सिंह मीणा सरकारी शिक्षक के रूप में कार्यरत थे और उस समय उनकी नियुक्ति अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी श्रेणी के आधार पर हुई थी। इसके बाद मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में उन्हें अनुसूचित जनजाति वर्ग का अभ्यर्थी बताया गया और इसी आधार पर पुलिस उपाधीक्षक पद पर चयन हुआ। मामला नया नहीं है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के वर्ष 2020 के आदेश में दर्ज तथ्यों के अनुसार, वर्ष 1984 में विदिशा जिले के लटेरी क्षेत्र से रघुवीर सिंह मीणा के नाम अनुसूचित जनजाति वर्ग का प्रमाण पत्र जारी हुआ था। बाद में इस प्रमाण पत्र की वैधता को लेकर शिकायत हुई और उच्च स्तरीय जाति प्रमाण पत्र छानबीन समिति ने इसे रद्द कर दिया था। न्यायालय के रिकॉर्ड में समिति की उस कार्रवाई और प्रमाण पत्र को अमान्य माने जाने का उल्लेख है। पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा की मौजूदा जांच इसी पुराने विवाद से जुड़े दस्तावेजों और आरोपों को आपराधिक जांच के दायरे में लेकर आगे बढ़ रही है। अमर उजाला और दैनिक जागरण की रिपोर्ट के अनुसार, समिति ने वर्ष 1984 में जारी एसटी प्रमाण पत्र को अमान्य घोषित किया था। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि प्रमाण पत्र किस परिस्थितियों में जारी हुआ, उसका इस्तेमाल किन सेवाओं में किया गया और उसके आधार पर किन लाभों का दावा किया गया। इस मामले में गुना निवासी

हरवीर सिंह रघुवंशी की शिकायत का भी उल्लेख सामने आया है। शिकायत में रघुवीर सिंह मीणा के अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र और उसके आधार पर आरक्षण का लाभ लेने पर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद मामला अनुसूचित जनजाति संदेहास्पद जाति प्रमाण पत्र उच्च स्तरीय छानबीन समिति के सामने गया। समिति ने उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड, पुराने दस्तावेजों और अन्य तथ्यों की जांच की थी। जांच के दौरान रघुवीर सिंह मीणा के मूल निवासी होने से जुड़े दस्तावेज भी जांच के दायरे में आए। उच्च न्यायालय के रिकॉर्ड में दर्ज समिति के निष्कर्ष के अनुसार, उन्हें गुना जिले के चाचौड़ा क्षेत्र का मूल निवासी बताया गया था, जबकि अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र विदिशा जिले के लटेरी क्षेत्र से जारी किया गया था।

## शिवपुरी में 1.24 करोड़ के उप तहसील भवन में 18 दिन में दरारें, सिंधिया ने किया था लोकार्पण

### उखड़ने लगी पुताई; निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**शिवपुरी।** मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के खनियाधाना क्षेत्र के बामौरकलां में 1 करोड़ 24 लाख रुपये की लागत से बने नवनिर्मित उप तहसील भवन में लोकार्पण के महज 18 दिन बाद ही दरारें दिखाई देने लगी हैं। भवन का लोकार्पण 31 अगस्त को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने किया था। अब भवन की दीवारों पर जगह-जगह गहरी दरारें नजर आ रही हैं और कई हिस्सों में पुताई भी उखड़ने लगी है। स्थानीय ग्रामीणों और किसानों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि निर्माण में लापरवाही और घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया। उनका दावा है कि लोकार्पण से पहले दीवारों की दरारों पर पुताई कर उन्हें छिपाने की कोशिश की गई थी। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले को लेकर खनियाधाना तहसीलदार निशिकांत जैन ने बताया कि भवन में आई दरारों और अन्य कमियों की जानकारी संबंधित विभाग के अधिकारियों तथा ठेकेदार को दे दी गई है। उन्होंने कहा कि अभी प्रशासन ने भवन का आधिकारिक कब्जा नहीं लिया है। भवन में इतनी जल्दी दरारें आने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी धन से बने भवन की निर्माण गुणवत्ता की तकनीकी जांच होनी चाहिए और यदि लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। फिलहाल प्रशासन की ओर से भवन की कमियों की जांच और उन्हें दूर कराने की प्रक्रिया की जा रही है।

## 125 से ज्यादा संगठन विरोध में; काले कपड़े से ढकेंगे भुगतान उपकरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**इंदौर।** मध्य प्रदेश में यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट को लेकर व्यापारियों का विरोध तेज हो गया है। इंदौर में 125 से ज्यादा व्यापारिक संगठनों ने 23 सितंबर को 'नो यूपीआई डे' मनाने का फैसला किया है। इस दौरान विरोध में शामिल व्यापारी यूपीआई के क्यूआर कोड और भुगतान उपकरणों को काले कपड़े से ढकेंगे और यूपीआई के जरिए भुगतान स्वीकार नहीं करने की बात कही है। व्यापारियों का कहना है कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के बाद अब बड़े लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने से कारोबारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। अहिल्या चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की बैठक में विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस मुद्दे पर चर्चा की। इसके बाद 23 सितंबर को विरोध दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। विरोध में कपड़ा बाजार, सराफा कारोबार, सियागंज किराना बाजार, मरोठिया बाजार, चावल-दाल व्यापार, प्लाईवुड कारोबार और पेट्रोल-डीजल डीलरों से जुड़े संगठन शामिल होने की बात सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, इंदौर में करीब दो लाख व्यापारियों के इस अभियान से जुड़ने की संभावना जताई गई है। व्यापारियों का कहना है कि यूपीआई देश में डिजिटल भुगतान का प्रमुख माध्यम बन चुका है और छोटे-बड़े कारोबारी लंबे समय से इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। अहिल्या चैंबर के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल ने शुल्क व्यवस्था का विरोध करते हुए इसे डिजिटल इंडिया अभियान के लिए बाधा बताया है। व्यापारिक संगठनों ने अपनी मांग केंद्र सरकार और वित्त मंत्रालय तक पहुंचाने की भी तैयारी की है। दरअसल, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की नई व्यवस्था के अनुसार 15 अक्टूबर 2026 से निर्धारित श्रेणी के दो हजार रुपये से अधिक के व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट लागू होगा। यह शुल्क व्यापारी को देना होगा। 75 हजार रुपये या उससे अधिक के लेनदेन पर इसकी अधिकतम सीमा 300 रुपये रखी गई है। वहीं, दो हजार रुपये तक के भुगतान और छोटे व्यापारियों के लिए निर्धारित शून्य-शुल्क व्यवस्था के तहत आने वाले लेनदेन पर शुल्क नहीं लगेगा। केंद्र सरकार के अनुसार लगभग 96 प्रतिशत व्यापारी लेनदेन इस व्यवस्था से प्रभावित नहीं होंगे और व्यक्ति से व्यक्ति होने वाले यूपीआई भुगतान भी मुफ्त रहेंगे। सरकार की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि मर्चेंट डिस्काउंट रेट ग्राहकों से वसूलने के लिए नहीं है। बैंकों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि व्यापारी इस शुल्क का बोझ सीधे ग्राहकों पर न डालें। इसके बावजूद व्यापारियों का कहना है कि कम मुनाफे वाले कारोबार में अतिरिक्त शुल्क से उनकी लागत बढ़ सकती है। इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन समेत कई संगठनों ने भी प्रस्तावित शुल्क के खिलाफ अभियान शुरू किया है। व्यापारियों का कहना है कि उनका कारोबार पहले ही सीमित मुनाफे पर चलता है और भुगतान से जुड़ी अतिरिक्त लागत का असर उनकी आय पर पड़ सकता है। इसी वजह से 23 सितंबर को यूपीआई भुगतान का सामूहिक बहिष्कार करने का फैसला लिया गया है। इंदौर के बाद भोपाल में भी व्यापारिक संगठनों ने इस मुद्दे पर विरोध दर्ज कराया है। भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से केंद्र और राज्य सरकार को ज्ञापन देने की तैयारी की जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के बाद अब शुल्क की व्यवस्था लागू करने से पहले व्यापारिक संगठनों से भी चर्चा की जानी चाहिए। पेट्रोल-डीजल कारोबार से जुड़े व्यापारियों ने भी प्रस्तावित शुल्क पर आपत्ति जताई है।

# नांगलोई में फुटपाथ पर चल रहे युवक को तेज रफ्तार कार ने रौंदा, मौके पर मौत; परिवार ने चालक पर नशे में होने का लगाया आरोप

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**नांगलोई।** दिल्ली के नांगलोई इलाके में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 31 वर्षीय युवक महेश कुमार की मौत हो गई। रोहतक रोड पर फुटपाथ से गुजर रहे महेश को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार महेश को घसीटते हुए सड़क किनारे लगे खंभे से जा टकराई और पलट गई। हादसे में महेश कार के नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पूरी घटना घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सामने आया है और इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। सीसीटीवी में दिखाई दे रहा है कि महेश फुटपाथ पर पैदल जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अचानक उसकी ओर आती है और उसे टक्कर मार देती है। टक्कर के बाद कार कुछ दूरी तक महेश को घसीटती हुई ले जाती है और फिर खंभे से टकराकर पलट जाती है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। महेश कार के नीचे दब गया, जिससे उसकी जान चली गई। मामले में नांगलोई थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार चालक रिंकू गोयल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल कार को भी जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में चालक ने बताया कि वह नोएडा स्थित एक संस्थान में नर्सिंग की पढ़ाई करता है और एक सहपाठी छात्रा के साथ अपनी बहन के घर जा रहा था। उसने यह कार अपने दोस्त से खरीदी थी, लेकिन कार अभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में उसके नाम पर पंजीकृत नहीं हुई थी। मृतक के पिता ने बताया कि महेश किराना दुकान पर काम करता था। परिवार के अनुसार, उसकी जल्द ही शादी होने वाली थी। महेश के पिता जगमोहन सचिवालय सुरक्षा बल में उपनिरीक्षक हैं। उन्होंने बताया कि महेश रोज सुबह डेयरी पर अपना नंबर लगाने के लिए जाता था। मंगलवार को भी वह रोज की तरह डेयरी गया था। इसके बाद रोहतक रोड पर फुटपाथ से गुजरते समय यह हादसा हो गया। महेश के बड़े भाई सोमवीर ने आरोप लगाया कि कार चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था। परिवार का यह भी दावा है कि हादसे के समय कार में एक लड़की मौजूद थी और असली चालक की जगह किसी अन्य व्यक्ति को पुलिस के सामने पेश करने की कोशिश की गई। परिवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि घटना के कुछ ही देर बाद चालक के परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए थे। पुलिस ने

आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है, ताकि हादसे की परिस्थितियों और चालक की भूमिका को स्पष्ट किया जा सके।

## पति ने गोली मारकर ली जान; पड़ोसियों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**दिल्ली।** राजधानी दिल्ली के तिगड़ी थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम घरेलू विवाद के दौरान एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घर में सब्जी बनाने को लेकर पति-पत्नी के बीच बहस हुई थी। इसी दौरान पति कमलेश ने कथित तौर पर देसी कट्टे से पत्नी पूनम को गोली मार दी। गोली लगने के बाद महिला जमीन पर गिर गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात के बाद आरोपी ने पड़ोसियों को गुमराह करने का प्रयास किया। आसपास के लोगों के पहुंचने पर उसने हत्या में शामिल होने से इनकार किया, लेकिन पड़ोसियों को उसकी बात पर भरोसा नहीं हुआ। लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और सूचना देकर मौके पर पहुंची पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल देसी कट्टा भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शाम तिगड़ी थाने में फायरिंग की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी पति कमलेश की पहचान हो चुकी है। बताया जा रहा है कि वह करीब छह महीने पहले ही तिगड़ी इलाके में अपनी पत्नी के साथ रहने आया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि विवाद किस बात को लेकर बढ़ा और आरोपी ने गोली चलाने का फैसला क्यों किया।

## दिल्ली में 18 महीने के बच्चे पर आवारा कुत्ते का हमला, गाल का मांस नोचा

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**दिल्ली।** राजधानी दिल्ली के तिमारपुर इलाके के संगम विहार में 18 महीने के मासूम बच्चे पर आवारा कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया। बच्चा घर के सामने गली नंबर-5 में खेल रहा था, इसी दौरान कुत्ता उसकी ओर आया और अचानक उस पर टूट पड़ा। हमले में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। कुत्ते ने बच्चे के गाल पर भी काट लिया, जिससे उसके चेहरे पर गंभीर चोट आई है। घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। बताया जा रहा है कि घटना तिमारपुर विधानसभा क्षेत्र के संगम विहार की गली नंबर-5 में हुई। बच्चा घर के बाहर खेल रहा था और आसपास कुछ अन्य लोग भी मौजूद थे। इसी दौरान एक आवारा कुत्ता वहां पहुंचा और अचानक बच्चे की तरफ बढ़ गया। देखते ही देखते कुत्ते ने मासूम पर हमला कर दिया। हमले से बच्चा जमीन पर गिर गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सामने आए सीसीटीवी फुटेज में पूरी घटना दिखाई दे रही है। फुटेज में बच्चा गली में खेलता नजर आता है। कुछ दूरी पर लोग भी मौजूद दिखाई दे रहे हैं। इसी बीच कुत्ता बच्चे की तरफ आता है और अचानक उस पर हमला कर देता है। बच्चा जमीन पर गिर जाता है। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग तुरंत उसकी तरफ दौड़ते हैं और कुत्ते को हटाकर मासूम को बचाते हैं। लोगों के पहुंचने तक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो चुका था। जानकारी के अनुसार, कुत्ते के हमले में बच्चे के गाल का मांस भी नोच लिया गया। परिजन घटना के बाद बच्चे को तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज चल रहा है। बच्चे की हालत को लेकर परिजनों में चिंता बनी हुई है। घटना के बाद इलाके में आवारा कुत्तों को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। खासकर छोटे बच्चों के माता-पिता इस तरह की घटनाओं को लेकर परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गली और घरों के आसपास आवारा कुत्तों की मौजूदगी के कारण बच्चों को बाहर खेलने भेजने में भी डर बना रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दिल्ली के कई इलाकों में आवारा कुत्तों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। गली, पार्क और रिहायशी इलाकों में छोटे बच्चों के साथ ऐसी घटनाओं का खतरा रहता है। संगम विहार की इस घटना के बाद लोगों ने मांग की है कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या और उनकी गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जाए तथा बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जरूरी कदम उठाए जाएं। फिलहाल मासूम का अस्पताल में इलाज जारी है। सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद घटना ने स्थानीय लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि रिहायशी इलाकों में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए संबंधित विभागों को प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

## फर्जी कॉल सेंटर का किया पर्दाफाश, 23 लोगों को किया गिरफ्तार

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पश्चिमी जिला पुलिस के अनुसार, आरोपी फर्जी कॉल सेंटर के जरिए अमेरिका, कनाडा और यूरोप के नागरिकों को तकनीकी सहायता देने के नाम पर ठगी करते थे। पुलिस ने गिरोह के कथित मास्टरमाइंड, कॉल सेंटर संचालक, प्रबंधक और खुद को बैंक कर्मचारी बताने वाले आरोपी समेत 23 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह पश्चिमी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में किराए के आवासीय फ्लैट लेकर कॉल सेंटर संचालित कर रहा था। आरोपियों ने करीब दो महीने पहले इस गतिविधि को शुरू किया था। यहां से विदेशों में रहने वाले लोगों को फोन कर तकनीकी समस्या या सहायता के नाम पर उनसे संपर्क किया जाता था। इसके बाद बातचीत और डिजिटल माध्यमों के जरिए उन्हें ठगी का शिकार बनाने का आरोप है। पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान 27 लैपटॉप, 25 मोबाइल फोन, 36 हेडफोन, 25 अडैप्टर और 11 राउटर बरामद किए हैं। इसके अलावा 79,200 रुपये नकद भी पुलिस के हाथ लगे हैं। पुलिस ने साइबर ठगी में इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल उपकरणों की भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अलग-अलग डिजिटल अनुप्रयोगों और दूरस्थ पहुंच वाले उपकरणों का इस्तेमाल करते थे। इनमें गूगल वॉइस, ई-बीम, माइक्रो सीप और अल्ट्रा व्यूवर जैसे माध्यम शामिल बताए गए हैं। विदेशों में रहने वाले लोगों से संपर्क करने के लिए इंटरनेट आधारित आवाज कॉलिंग का इस्तेमाल किया जाता था। पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी के अनुसार, सहायक पुलिस आयुक्त की निगरानी में विशेष स्टाफ और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। पुलिस टीम ने मीनाक्षी गार्डन, अजय एंक्लेव और कीर्ति नगर इलाके में कई ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कॉल सेंटर के कथित संचालक तरनजीत सिंह उर्फ जैज, खुद को बैंक कर्मचारी बताने वाले मनमोहन, कथित मास्टरमाइंड गुरविंदर सिंह उर्फ हैरी और प्रबंधक सुनील कपूर उर्फ जेम्स समेत 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में पुलिस को पता चला कि गिरोह ने अलग-अलग स्थानों पर आवासीय फ्लैट किराए पर लिए हुए थे और वहीं से कॉल सेंटर का संचालन किया जा रहा था।

## मुंबई मेट्रो-4 निर्माण के दौरान बड़ा हादसा, लोहे का ढांचा गिरने से दो मजदूरों की मौत; ठेकेदार-कंसल्टेंट पर 6 करोड़ का जुर्माना

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**मुंबई।** मुंबई मेट्रो-4 गलियारे के निर्माण के दौरान वडाला स्थित भक्ति पार्क में बड़ा हादसा हो गया। निर्माण स्थल पर लोहे का ढांचा अचानक गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई। हादसा 12 सितंबर की शाम करीब 7:30 बजे हुआ। दोनों मजदूर पहली मंजिल से नीचे उतर रहे थे, तभी मजदूरों की आवाजाही के लिए बनाए गए लोहे के ढांचे का एक हिस्सा अचानक ढह गया। दोनों नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल सायन अस्पताल ले जाया गया, जहां एक मजदूर को भर्ती करने से पहले ही मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान 33 वर्षीय नाधिज और 37 वर्षीय साकिम के रूप में हुई है। घटना के पांच दिन बाद मामले में निर्माण स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी को लेकर सवाल उठे हैं। प्रारंभिक जांच में उप-ठेकेदार की ओर से निगरानी में कमी सामने आने के बाद मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने ठेकेदार और सामान्य सलाहकार के खिलाफ कार्रवाई की है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने ठेकेदार रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर-अस्टाल्डी संयुक्त उपक्रम पर 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं, डीबी इंजीनियरिंग एंड कंसल्टिंग, हिल इंटरनेशनल और लुइस बर्जर कंसल्टिंग के सलाहकार समूह पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। प्राधिकरण के अनुसार, शुरुआती जांच में सुरक्षा और निगरानी से जुड़ी कमियां सामने आने के बाद जिम्मेदारी तय करते हुए यह कार्रवाई की गई है। प्राधिकरण ने सभी परियोजनाओं में सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए ठेकेदारों, उप-ठेकेदारों और सलाहकारों को सुरक्षा प्रक्रियाओं, कानूनी नियमों और अनुबंध की शर्तों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कर्मचारियों की सुरक्षा से समझौता करने वाली किसी भी लापरवाही के सामने आने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुंबई मेट्रो-4 के निर्माण के दौरान इससे पहले भी हादसा हो चुका है। फरवरी में मुलुंड इलाके में निर्माण के दौरान पूर्वनिर्मित पैरापेट का एक हिस्सा सड़क पर गिर गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई

थी, जबकि तीन लोग घायल हुए थे। उस घटना के बाद भी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर-अस्टाल्डी संयुक्त उपक्रम पर 5 करोड़ रुपये और सामान्य सलाहकार पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था। जांच में ठेकेदार की ओर से निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं करने और सलाहकार की साइट निगरानी में कमी की बात सामने आई थी। वर्तमान हादसे के मामले में वडाला टीटी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने उप-ठेकेदार तारिक-उल-इस्लाम को आरोपी बनाया है। उस पर लापरवाही बरतने और कर्मचारियों की सुरक्षा को नजरअंदाज करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## बॉम्बे में छात्र के आत्महत्या पर भड़के छात्र; कैंपस में किया प्रोटेस्ट, मांगा डायरेक्टर का इस्तीफा

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**मुंबई।** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई में दूसरे वर्ष के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के बाद परिसर में छात्रों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के छात्र साहिल की शुक्रवार शाम छात्रावास के कमरे में मौत हो गई थी। घटना के बाद बड़ी संख्या में छात्र संस्थान के प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे और मामले की निष्पक्ष जांच के साथ निदेशक प्रोफेसर शिरीष केदारे के इस्तीफे की मांग उठाई। संस्थान के आधिकारिक बयान के अनुसार, शुक्रवार को परीक्षा के दौरान साहिल को मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पाया गया था। संस्थान का कहना है कि उसने परीक्षा का प्रश्नपत्र चैटजीपीटी पर डालकर उत्तर हासिल करने की कोशिश की थी। इसके बाद प्रशिक्षक और विभागाध्यक्ष ने उससे बातचीत की और उसे समझाया। संस्थान के मुताबिक, छात्र के खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी और उसे भरोसा दिलाया गया था कि इस घटना का उसके शैक्षणिक भविष्य पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा। इसके बाद वह छात्रावास लौट गया, जहां बाद में वह मृत पाया गया। हालांकि, प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने प्रशासन के इस पक्ष पर सवाल उठाए हैं। छात्रों का दावा है कि साहिल को परीक्षा में कथित अनियमितता के मामले में कार्रवाई और निलंबन की आशंका बताई गई थी। उनका आरोप है कि छात्र पर दबाव बनाया गया और प्रशासन पूरे घटनाक्रम की वास्तविक जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है, जबकि संस्थान ने स्पष्ट रूप से कहा है कि छात्र के खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी। घटना के बाद 400 से अधिक छात्र संस्थान की मुख्य इमारत के पास एकत्र हुए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन देर रात तक जारी रहा। इसके बाद संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शिरीष केदारे छात्रों से मिलने पहुंचे। छात्रों ने प्रशासन से जवाब मांगा और छात्र कल्याण, मानसिक दबाव तथा संस्थान में शिकायतों के निपटारे की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। बाद में प्रदर्शनकारी छात्रों को मुख्य इमारत के सामने स्थित दीक्षांत सभागार में ले जाया गया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों के एक वर्ग ने निदेशक के इस्तीफे की मांग भी की। छात्रों का कहना है कि घटना की स्वतंत्र और पारदर्शी जांच होनी चाहिए तथा यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि परीक्षा के दौरान सामने आए मामले से लेकर छात्र की मौत तक आखिर क्या-क्या हुआ। शनिवार को मृत छात्र के माता-पिता भी संस्थान के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन में शामिल हुए और अपने बेटे की मौत को लेकर जवाब मांगा। निदेशक प्रोफेसर शिरीष केदारे ने छात्रों से बातचीत के दौरान संस्थान की ओर से जवाबदेही और छात्र मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान बढ़ाने की बात कही। हालांकि, उनके इस्तीफे की मांग पर तत्काल कोई स्पष्ट निर्णय सामने नहीं आया। संस्थान ने कहा है कि छात्र की मौत से जुड़ी परिस्थितियों की जांच संबंधित अधिकारी कर रहे हैं और छात्र के मित्रों, सहपाठियों तथा शिक्षकों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

### परीक्षा में मोबाइल से प्रश्नपत्र चैटजीपीटी पर डालने का मामला सामने आया था

## मुंबई आईआईटी में परीक्षा के दौरान चैटजीपीटी के इस्तेमाल का आरोप, दूसरे वर्ष के छात्र की मौत; 400 से ज्यादा छात्रों का प्रदर्शन

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**मुंबई।** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई में परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने और प्रश्नपत्र चैटजीपीटी पर डालकर उत्तर हासिल करने के मामले के कुछ घंटे बाद दूसरे वर्ष के एक छात्र की मौत हो गई। छात्र ऊर्जा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में पढ़ाई कर रहा था और छात्रावास के कमरे में मृत पाया गया। संस्थान के अनुसार, छात्र के खिलाफ कोई औपचारिक अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी। घटना के बाद परिसर में 400 से अधिक छात्रों ने प्रदर्शन किया और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। संस्थान के आधिकारिक बयान के मुताबिक, शुक्रवार को परीक्षा के दौरान छात्र को परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पाया गया था। आरोप है कि उसने परीक्षा का प्रश्नपत्र चैटजीपीटी पर डालकर उत्तर हासिल करने की कोशिश की थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद प्रशिक्षक और विभागाध्यक्ष ने छात्र से बातचीत की। संस्थान का कहना है कि छात्र को समझाया गया और भरोसा दिलाया गया कि इस घटना का उसके शैक्षणिक भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके बाद छात्र अपने छात्रावास के कमरे में लौट गया। बाद में शाम को वह कमरे में मृत पाया गया। पवई पुलिस के अनुसार, परीक्षा शाम करीब 4 बजे तक थी। इसके बाद छात्र अपने छात्रावास के कमरे में चला गया, जहां बाद में उसकी मौत की सूचना मिली। पुलिस ने कमरे का पंचनामा किया और शव को राजावाड़ी अस्पताल भेजकर पोस्टमार्टम कराया। मामले से जुड़ी परिस्थितियों की जांच की जा रही है। संस्थान ने भी कहा है कि मौत से जुड़ी परिस्थितियों की संबंधित अधिकारी जांच कर रहे हैं। घटना की जानकारी फैलने के बाद बड़ी संख्या में छात्र संस्थान की मुख्य इमारत के पास जमा हो गए। छात्रों ने प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए और मामले को लेकर सवाल उठाए। प्रदर्शन देर रात तक जारी रहा। इसके बाद संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शिरीष केदारे करीब साढ़े 10 बजे छात्रों से मिलने पहुंचे। बैठक के बाद प्रदर्शन कर रहे छात्रों को मुख्य इमारत के सामने स्थित दीक्षांत सभागार में ले जाया गया। छात्रों की ओर से प्रशासन की कार्यप्रणाली और छात्र कल्याण से जुड़े मुद्दों पर भी सवाल उठाए गए। कुछ छात्रों ने दावा किया कि परीक्षा में मोबाइल के इस्तेमाल के मामले में छात्र को निलंबन जैसी कार्रवाई की आशंका थी, जबकि संस्थान का आधिकारिक पक्ष है कि उसके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी। इस दावे और संस्थान के पक्ष के बीच अंतर को लेकर भी परिसर में चर्चा रही। घटना के बाद चल रही मध्यावधि परीक्षाओं को भी स्थगित किए जाने की जानकारी सामने आई। संस्थान ने अपने बयान में छात्र की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि वह मृत छात्र के दोस्तों, सहपाठियों, शिक्षकों और इस घटना से प्रभावित अन्य लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है। मौत के पीछे की परिस्थितियों की जांच जारी है।

## खेलते-खेलते पड़ोसी की कार में घुसा 4 वर्षीय मासूम, दम घुटने से मौत

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**यवतमाल।** महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के घाटंजी तालुका स्थित चिखलवर्धा गांव में एक दर्दनाक हादसे में चार वर्षीय मासूम अंश सूरज केलझरकर की मौत हो गई। अंश घर के बाहर खेलते-खेलते पड़ोस में खड़ी कार के अंदर चला गया, लेकिन काफी देर तक वह कार से बाहर नहीं निकल सका। तेज गर्मी और कार के अंदर बढ़े तापमान के कारण उसकी हालत बिगड़ गई। परिजनों ने उसे कार के अंदर बेहोशी की हालत में पाया और तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, अंश घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान खेलते-खेलते वह पड़ोसी की खड़ी कार के अंदर चला गया। कुछ समय बाद जब वह दिखाई नहीं दिया तो परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान अंश कार के अंदर बेहोश मिला। परिजनों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर होने पर उपचार शुरू किया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। बताया जा रहा है कि घटना के समय कार धूप में खड़ी थी और बाहर का तापमान अधिक था। लंबे समय तक बंद कार के अंदर रहने के कारण बच्चे की तबीयत तेजी से बिगड़ी। ग्रामीणों के अनुसार, कार के अंदर गर्मी बढ़ने से अंश की हालत गंभीर हुई और उसकी मौत हो गई। गांव के मुखिया आकाश नाडपेलवर ने बताया कि अंश एक अन्य बच्चे के साथ कार में खेल रहा था। खेलते समय दूसरा बच्चा कार से बाहर निकल गया, लेकिन अंश अंदर ही रह गया। काफी देर तक कार में फंसे रहने के कारण उसकी हालत बिगड़ गई। हालांकि, बच्चे की मौत के वास्तविक चिकित्सकीय कारणों की पुष्टि जांच और चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर होगी। इस दर्दनाक घटना के बाद चिखलवर्धा गांव में शोक का माहौल है। मासूम की मौत से परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना ने छोटे बच्चों के आसपास खड़ी और बंद कारों को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा कर दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, बंद वाहन के अंदर तापमान बहुत तेजी से बढ़ सकता है, इसलिए बच्चों को खड़ी कारों के आसपास बिना निगरानी खेलने से रोकना जरूरी है।

## 7 दिन का अल्टीमेटम! मुंबई एयरपोर्ट की 'अवैध' मस्जिद पर BMC का बड़ा एक्शन, काटी जाएगी पानी की सप्लाई

**महानगर मेट्रो ब्यूरो**

**मुंबई।** छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 के पास स्थित एक मस्जिद को लेकर विवाद बढ़ गया है। मुंबई महानगरपालिका ने एयरपोर्ट प्रबंधन को सात दिन का नोटिस जारी कर पानी के कनेक्शन की मंजूरी से जुड़े दस्तावेज पेश करने को कहा है। दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर पानी की आपूर्ति काटने की कार्रवाई की जा सकती है। यह कार्रवाई भाजपा नेता किरीट सोमैया की शिकायत के बाद सामने आई है। मस्जिद को लेकर पहले ही मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने इसे अनधिकृत निर्माण बताया था। प्राधिकरण के अनुसार, टर्मिनल-2 के वीआईपी आगमन और टैक्सी स्टैंड के पास स्थित इस ढांचे के निर्माण के लिए उसकी ओर से कोई अनुमति नहीं दी गई थी। साथ ही, संबंधित क्षेत्र की विकास योजना में सार्वजनिक उपासना स्थल के लिए प्रावधान नहीं होने की बात भी कही गई है। प्राधिकरण ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड को निर्धारित प्रक्रिया के तहत ढांचे को हटाने के लिए कार्रवाई करने को कहा है।बी अब पानी के कनेक्शन को लेकर भी कार्रवाई शुरू हो गई है। मुंबई महानगरपालिका के जल विभाग ने

16 सितंबर को मौके का निरीक्षण किया था। अधिकारियों को वहां करीब 15 मिलीमीटर व्यास की पाइपलाइन से पानी की आपूर्ति होती मिली। विभाग के रिकॉर्ड में इस पानी के कनेक्शन की मंजूरी दर्ज नहीं होने की बात सामने आई है। इसके बाद 17 सितंबर को एयरपोर्ट के कार्यकारी अभियंता को नोटिस भेजकर सात दिन के भीतर कनेक्शन की स्वीकृति से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया है। दस्तावेज नहीं मिलने पर पानी की लाइन काटने और मुंबई महानगरपालिका अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इस पूरे मामले की शुरुआत भाजपा नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया की शिकायत के बाद हुई। सोमैया ने मस्जिद के निर्माण की वैधता पर सवाल उठाते हुए इसे एयरपोर्ट के संवेदनशील क्षेत्र के पास स्थित बताया है। उन्होंने सहार पुलिस थाने में भी शिकायत देकर कथित तौर पर जमीन उपलब्ध कराने वाले लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। सोमैया का दावा है कि यह क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है और यहां किसी भी अनधिकृत निर्माण की जांच होनी चाहिए। सोमैया ने पुलिस को सात दिन में कार्रवाई करने का समय दिया है। उनका कहना है कि यदि शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई तो वह अदालत का रुख करेंगे। हालांकि, उनके द्वारा लगाए गए सुरक्षा संबंधी आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस विवाद में अब तीन प्रमुख मुद्दे सामने हैं। पहला, जिस जमीन पर ढांचा बना है, उसका कानूनी दर्जा क्या है। दूसरा, निर्माण के लिए किस विभाग से अनुमति ली गई थी। तीसरा, पानी और अन्य सुविधाओं के कनेक्शन की मंजूरी किस आधार पर दी गई। फिलहाल मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण की ओर से ढांचे को अनधिकृत बताए जाने और मुंबई महानगरपालिका की ओर से पानी के कनेक्शन के दस्तावेज मांगने के बाद मामला प्रशासनिक कार्रवाई के अगले चरण में पहुंच गया है।

## हीरो मोटर्स आईपीओ को निवेशकों का जोरदार रिस्पॉन्स

**मुंबई ।**

हीरो मोटर्स के इनीशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जो तीसरे और आखिरी दिन कुल 7.01 गुना सब्सक्राइब होकर बंद हुआ। हालांकि, ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर के प्रति उत्साह ठंडा पड़ा है और इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम शून्य पर पहुंच गया है, जिससे लिस्टिंग के फ्लैट रहने के संकेत मिल रहे हैं। यह इश्यू तीसरे और आखिरी दिन कुल 7.01 गुना सब्सक्राइब हुआ। गैर-संस्थागत निवेशकों ने 10.47 गुना और खुदरा निवेशकों ने 8.62 गुना बोलियां लगाईं, जबकि क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का हिस्सा 1.59 गुना भरा। हालांकि, अनलिस्टेड मार्केट में हीरो मोटर्स के आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम शून्य पर है, जो 84 रुपए के इश्यू प्राइस पर फ्लैट लिस्टिंग का संकेत देता है। 1,000 करोड़ रुपए के इस आईपीओ से मिली रकम का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, प्लांट की क्षमता बढ़ाने और रणनीतिक अधिग्रहण में होगा। कंपनी की आय वित्त वर्ष 2026 में 9 फीसदी और मुनाफा 26 फीसदी बढ़ा है। पावरट्रेन सॉल्यूशंस बनाने वाली हीरो मोटर्स के शेयरों का आवंटन 21 सितंबर 2026 और लिस्टिंग 23 सितंबर 2026 को संभावित है।

## चंडीगढ़ में भारत टैक्सी की हुई शुरुआत

**चंडीगढ़ ।**

चंडीगढ़ में एक ऐतिहासिक पहल के तहत देश की पहली सहकारी मॉडल पर आधारित ऑनलाइन सवारी सेवा 'भारत टैक्सी' का औपचारिक आगाज किया गया। पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने डिजिटल माध्यम से इसका उद्घाटन किया और इसके उपरांत 'भारत टैक्सी' के वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चंडीगढ़ प्रशासन के सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल और कृष्ण पाल गुर्जर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चंडीगढ़ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ भारत टैक्सी के प्रतिनिधि, सहकारी क्षेत्र के सदस्य और बड़ी संख्या में चालक-सदस्य भी शामिल हुए। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि चंडीगढ़ में इस सेवा की शुरुआत प्रौद्योगिकी आधारित परिवहन क्षेत्र में सहकारी मॉडल के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो चालकों को सशक्त बनाएगी और उपभोक्ताओं को विश्वसनीय सेवा प्रदान करेगी।

## चंडीगढ़ में सीएनजी-पीएनजी हुई सस्ती, त्योहारी सीजन से पहले प्रशासन का बड़ा तोहफा

- प्राकृतिक गैस पर वैट 12.5 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया गया

**चंडीगढ़ ।**

केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में त्योहारी सीजन से पहले आम जनता को बड़ी राहत मिली है। प्रशासन ने कॉम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप वाली रसोई गैस (पीएनजी) पर लगने वाले वैल्यू एडेड टैक्स (वेट) को 12.5 फीसदी से घटाकर सीधे 5 फीसदी कर दिया है। वैट की दर में 7 फीसदी से अधिक की इस ऐतिहासिक कटौती से शहर में लाखों उपभोक्ताओं को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। ये नई दरें हाल ही में लागू हो गई हैं, जिससे ईंधन की कीमतें तुरंत प्रभावी हुई हैं। इस महत्वपूर्ण कटौती के परिणामस्वरूप, घरेलू पीएनजी की कीमतों में लगभग 3.42 रुपये प्रति एससीएम तक की कमी आने का अनुमान है। फिलहाल चंडीगढ़ में घरेलू पीएनजी की कीमत लगभग 54.70 रुपये प्रति एससीएम है। इसी तरह, वाहनों में इस्तेमाल होने वाली सीएनजी गैस की खुदरा कीमतों पर भी इसका असर दिखेगा, जिससे वाहन चालकों और ऑटो-कैब ऑपरेटरों को सीधा फायदा होगा। चंडीगढ़ प्रशासन का यह कदम दोहरे उद्देश्य से प्रेरित है। पहला शहर में प्रदूषण के स्तर को कम करना और इसके लिए लोगों को पर्यावरण के अनुकूल ईंधन जैसे सीएनजी और पीएनजी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना। दूसरा, प्राकृतिक गैस आपूर्ति करने वाली कंपनियों के लिए शहर में नैचुरल गैस नेटवर्क का विस्तार करना और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना आसान होगा।

प्रशासन ने शहर के लगभग 1.70 लाख घरों को पीएनजी कनेक्शन से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। सस्ती गैस होने से लोग पारंपरिक एलपीजी सिलेंडरों को छोड़कर पीएनजी की ओर तेजी से आकर्षित होंगे। गौरतलब है कि वैट एक अप्रत्यक्ष कर है जो वस्तु के उत्पादन से लेकर ग्राहक तक पहुंचने के हर चरण पर लगाया जाता है। हालांकि भारत में 1 जुलाई 2017 से अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी लागू हो गया है, भारतीय संविधान के नियमों के अनुसार पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस (जैसे सीएनजी और पीएनजी) को अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है। यही कारण है कि इन पर राज्य स्तर पर वैट लागू होता है, जिसे अब चंडीगढ़ प्रशासन ने घटाकर नागरिकों को बड़ी राहत प्रदान की है।

# शेयर बाजार में सप्ताह भर रही उठापटक, फेड और कच्चे तेल ने बढ़ाई चिंता

### वैश्विक दबाव में संघर्ष करता रहा शेयर बाजार, निवेशकों ने संभाली सतर्कता

**मुंबई ।**

सितंबर 2026 के मध्य में भारतीय शेयर बाजार ने एक अत्यधिक अस्थिर सप्ताह का अनुभव किया। वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसलों की अनिश्चितता ने निवेशकों को लगातार सतर्क रखा। शुरुआती तेज उछाल के बावजूद बाजारों ने अक्सर अपनी बढ़त गंवाई और सप्ताह भर अस्थिरता बनी रही, जिससे कोई स्पष्ट दिशा नहीं मिल पाई। बीते सप्ताह सोमवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से बाजार में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत जोरदार तेजी के साथ हुई। मंगलवार को सेंसेक्स 200 अंक से अधिक चढ़कर 75,005.46 पर और निफ्टी 23,450 के स्तर को पार कर गया।

सूचना प्रौद्योगिकी सूचकांक में 3 फीसदी से अधिक की मजबूत तेजी दर्ज की गई, जिसने वैश्विक चुनौतियों को धता बताया। हालांकि यह शुरुआती उत्साह ज्यादा देर तक नहीं टिक सका। बाजार ने अपनी सारी बढ़त गंवा दी और भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 778 अंक से अधिक टूटकर 74,003.82 पर और निफ्टी 23,118.60 पर आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुद्ध आधार पर 2,977.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जो गिरावट का एक प्रमुख कारण था। मंगलवार की भारी गिरावट के बाद बुधवार को बाजार में वैल्यू बाइंग के कारण शुरुआती उछाल दर्ज किया गया। सेंसेक्स 244 अंक और निफ्टी 77 अंक चढ़कर कारोबार कर रहा था। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले बाजार में सतर्कता बनी रही। दिन के अंत में सेंसेक्स 332.63 अंक बढ़कर 74,336.45 पर और निफ्टी 99 अंक चढ़कर 23,217.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में शुरुआती गिरावट के बाद तेजी लौटी, लेकिन फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने और मौद्रिक नीति में सख्ती के संकेत के बाद बाजार लगभग सपाट बंद हुए। सेंसेक्स 21.86 अंक गिरकर 74,314.59 पर और निफ्टी मामूली 53 अंक बढ़कर 23,270.60 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के 22,569 करोड़ रुपये के आईपीओ को पहले दिन 39 फीसदी सदस्यता मिली।

## मालदीव ने भारत का 15 करोड़ डॉलर का ट्रेजरी बिल चुकाया

### पिछले पांच वर्षों का करीब 4.5 करोड़ डॉलर का ब्याज भारत सरकार ने वहन किया

**नई दिल्ली ।**

मालदीव ने भारत से जुड़े 15 करोड़ डॉलर (लगभग 1250 करोड़ रुपये) के ट्रेजरी बिलों का भुगतान पूरा कर लिया है। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अंतिम पांच करोड़ डॉलर की किस्त का निपटान 17 सितंबर को सफलतापूर्वक किया गया। खास बात यह है कि इन ट्रेजरी बिलों पर पिछले पांच वर्षों का करीब 4.5 करोड़ डॉलर का ब्याज भारत सरकार ने वहन किया।

विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 2019 में इन ट्रेजरी बिलों को खरीदा था, जिनकी अवधि छह बार एक-एक साल के लिए बढ़ाई गई।

मूल राशि मालदीव ने चुकाई, जबकि भारत ने ब्याज का भार उठाया।

भारत ने मालदीव की वित्तीय प्रणाली को सहयोग देने के लिए 3,000 करोड़ रुपये की मुद्रा विनिमय सुविधा और 35 करोड़ डॉलर के ट्रेजरी बॉन्ड भी खरीदे हैं, जो 2029 और 2030 तक वैध हैं।

यह भारत-मालदीव की दीर्घकालिक विकास साझेदारी का एक और प्रमाण है, जिसके तहत भारत आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी करता है।

## कृषि में नवाचार से उपभोक्ताओं की सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए- एफएसएसएआई

**नई दिल्ली ।**

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की एक प्रमुख अ धिकारी ने कृषि क्षेत्र में नवाचार के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि खेती में नवाचार का मकसद केवल फसल की पैदावार बढ़ाना नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा और टिकाऊपन सुनिश्चित करना भी होना चाहिए। उन्होंने भारतीय कृषि-रसायन महासंघ की 9वीं सालाना आम बैठक में कहा कि नवाचार और विनियमन को प्रतिद्वंद्वी के बजाय सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि नवाचार को किसी खाद्य उत्पाद की सुरक्षा को कम करने के तरीके के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए; इसके बजाय, इसका उद्देश्य ग्राहकों के लिए सुरक्षा का स्तर बढ़ाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कीटनाशकों के अवशेषों की सीमा वैज्ञानिक सबूतों, जोखिम-आधारित तरीकों और निगरानी पर आधारित होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों को कम करने के बजाय, फसलों के इस्तेमाल के बाद नए या उभरते हुए दूषित पदार्थों का पता लगाने के तरीके खोजने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। नवाचार हमेशा अच्छा होता है और यह हमेशा होना चाहिए, लेकिन उपभोक्ता सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

# बदलते वैश्विक परिदृश्य में प्रबंधन शिक्षा को अपना दायरा बढ़ाना होगा- सीईए

### पारंपरिक कुशलता के बजाय लचीलेपन, गहन सोच और चरित्र को पाठ्यक्रम में शामिल करने की सलाह

**नई दिल्ली ।**

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने प्रबंधन शिक्षा के लिए एक बड़े बदलाव का आह्वान किया है। नोएडा में 16वें 'इंडियन मैनेजमेंट कॉन्क्लेव' में उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले व्यवधानों के कारण दुनिया तेजी से बदल रही है। ऐसे में प्रबंधन संस्थानों को पारंपरिक तकनीकों से आगे बढ़कर छात्रों को इन नई वास्तविकताओं के लिए तैयार करना होगा। उन्हें केवल एआई केंद्रित विषयों को जोड़ने के बजाय अपने पाठ्यक्रम में समझदारी, मुश्किल हालात से उबरने की क्षमता, गहरी सोच और चरित्र को केंद्र में रखना चाहिए। नागेश्वरन ने स्पष्ट किया कि पारंपरिक रूप से प्रबंधन का जोर लीन ऑपरेशन, जस्ट-इन-टाइम सिस्टम और एकल-स्रोत आपूर्ति श्रृंखला जैसी कुशलता पर था, लेकिन वैश्विक झटकों के कारण अब ये मॉडल कमजोर पड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रमुख शक्तियों के बीच बढ़ती होड़ और आपूर्ति व्यवस्थाओं को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के कारण प्रबंधकों को अब अतिरिक्त क्षमता बनाने, विकल्पों को बनाए रखने और संगठनों में मुश्किल हालात से उबरने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता है, भले ही इससे लागत बढ़ जाए।

नागेश्वरन के अनुसार, बिना किसी रुकावट वाली कुशलता और एकल-स्रोत वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था अब खत्म हो चुकी है। यह कम से कम एक पीढ़ी तक वापस नहीं आएगी। उन्होंने जोर दिया कि जिन प्रबंधकों को केवल संतुलन साधने और लागत कम रखने के लिए प्रशिक्षित किया गया था, उन्हें अब एक पूरी तरह बदली हुई दुनिया का सामना करना पड़ रहा है। नागेश्वरन की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब हाल ही में भू-राजनीतिक तनावों जैसे होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधानों ने भारतीय व्यवसायों को आपूर्ति स्रोतों और रणनीतियों पर पुनर्विचार करने पर मजबूर किया है। सीईए ने भारतीय प्रबंधन संस्थानों से आग्रह किया कि वे पश्चिमी मॉडलों की नकल करने के बजाय अपनी अर्थव्यवस्था की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाले ढांचे विकसित करें।

# टाटा और नेक्सपेरिया ने की साझेदारी, भारत में बनेंगी पावर कंट्रोल चिप्स

**एम्स्टर्डम ।**

डच सेमीकंडक्टर (चिप) निर्माता नेक्सपेरिया ने भारतीय दिग्गज टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ भारत में कंप्यूटर चिप्स के निर्माण और पैकेजिंग के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। यह कदम चीनी मूल कंपनी विंगटेक से नेक्सपेरिया के अलगाव को और मजबूत करेगा, जो भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ रहा है। नेक्सपेरिया और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स मिलकर नेक्सपेरिया के पावर कंट्रोल चिप्स का उत्पादन करेंगे। ये चिप्स गुजरात के धोलेरा में टाटा के 11 अरब डॉलर के निर्माणाधीन संयंत्र में बनाए जाएंगे। कंपनियां असम के जागीरोड में टाटा की पैकेजिंग सुविधा में चिप्स की परीक्षण (टेस्टिंग) और असेंबलिंग (जोड़ना) में भी सहयोग करेंगी। हालांकि, वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया गया है, दोनों भविष्य की तकनीक विकसित करने में भी मिलकर काम करेंगी।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के एक अ धिकारी ने इस व्यापक साझेदारी को भारत में एक विश्व-स्तरीय, एकीकृत सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। नेक्सपेरिया साधारण चिप्स का एक प्रमुख निर्माता है।

यह साझेदारी विंगटेक से नेक्सपेरिया के अलगाव को मजबूत करती है, जो डच सरकार के हस्तक्षेप से शुरू हुआ था। बीजिंग ने पहले चिप्स निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर जवाबी कार्रवाई की थी।

डच अदालत ने विंगटेक से नियंत्रण छीन लिया है, और टाटा के साथ इस साझेदारी को नेक्सपेरिया के मौजूदा प्रबंधन बोर्ड ने मंजूरी दी है।

## ईंधन कीमतों में स्थिरता जारी, विंडफॉल टैक्स कटौती बेअसर

पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बदले, सरकारी तेल कंपनियां रोज सुबह 6 बजे करती हैं संशोधन

**नई दिल्ली ।**

देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतें शनिवार को लगातार स्थिर बनी रहीं। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने श निवार को दरों में कोई बदलाव नहीं किया। हालांकि, सरकार ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में कटौती की थी, लेकिन इसका घरेलू उपभोक्ताओं के लिए कीमतों पर कोई सीधा असर नहीं पड़ा है। इस बीच, पेट्रोल पंप डीलर्स अब यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले नए शुल्क को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कर रहे हैं। सरकार ने पेट्रोल पर निर्यात शुल्क में 1 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। साथ ही एटीएफ पर भी 4 रुपये प्रति लीटर की राहत दी गई थी। यह कदम हालांकि घरेलू कीमतों पर सीधा असर नहीं डालेगा। प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। दूसरी ओर, पेट्रोल पंप डीलर अगले महीने से लागू होने वाले यूपीआई ट्रांजैक्शन चार्ज से छूट की मांग कर रहे हैं। डीलरों का कहना है कि उनका मार्जिन पहले से ही कम है और वे इस अतिरिक्त खर्च को वहन नहीं कर सकते। उन्होंने चेतावनी दी है कि वे 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतानों को स्वीकार करने से मना कर सकते हैं। इससे ग्राहकों को नकदी या कार्ड का रुख करना पड़ सकता है, जो डिजिटल इंडिया के लिए चुनौती होगा।

# बोर्डरूम विवाद से टाटा ग्रुप का मार्केट कैप 39,000 करोड़ घटा

**मुंबई ।**

टाटा समूह की कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को खासी गिरावट दर्ज की गई, जिससे समूह का बाजार पूंजीकरण करीब 39,000 करोड़ रुपये घट गया। यह गिरावट समूह के शीर्ष नेतृत्व में चल रही खींचतान का सीधा परिणाम है, जहां टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने एन चंद्रशेखरन को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त करने के बोर्ड प्रस्ताव को अवैध करार दिया है। इस शीर्ष-स्तरीय खींचतान ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। गुरुवार को टाटा संस की बोर्ड बैठक में एन चंद्रशेखरन को अध्यक्ष के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। हालांकि, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने इस पुनर्नियुक्ति की वैधता पर सवाल उठाते हुए इसे अवैध करार दिया।

शीर्ष नेतृत्व में इस खींचतान का असर आज समूह के शेयरों पर साफ दिखा। जहां निफ्टी 50 में 0.33 फीसदी की मामूली बढ़त दर्ज की गई, वहीं निफ्टी टाटा 25 कैप सूचकांक 1.12 फीसदी नीचे बंद हुआ।

समूह की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का शेयर 3.9 फीसदी गिरकर 2,105 रुपये पर बंद हुआ, जिससे कंपनी के बाजार पूंजीकरण में अकेले 30,754 करोड़ रुपये की कमी आई। टाटा केमिकल्स को भी भारी नुकसान हुआ और यह 11 फीसदी गिरकर 603.25 रुपये पर बंद हुआ। समूह की अन्य कंपनियों में टाटा टेक्नोलॉजीज 4.8 फीसदी और टाटा एलेक्सी 3.4 फीसदी नीचे बंद हुए।

क्यूईडी कैपिटल एडवाइजर्स में एक मैनेजिंग पार्टनर ने इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि आम तौर पर शीर्ष नेतृत्व के बीच टकराव से बाजार में हलचल मच जाती है, लेकिन टाटा समूह एक ऐसा संस्थान है जो मजबूत बुनियाद पर टिका है, न कि किसी एक व्यक्तित्व पर। उन्होंने यह भी जोड़ा कि कारोबारी संचालन और आईपीओ को लेकर चल रहा यह बोर्डरूम टकराव कुछ समय के लिए अस्थिरता पैदा कर सकता है, लेकिन समूह की नींव इतनी मजबूत है कि वह इस मुश्किल दौर से निकल सकता है और लंबे समय में शेयरधारकों के मूल्यों को सुरक्षित रख सकता है। यह गिरावट निफ्टी आईटी सूचकांक में देखी गई व्यापक कमजोरी के अनुरूप भी थी, जो दिन के अंत में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला प्रमुख सूचकांक रहा।

## कर्नाटक में दूध 8 रुपए महंगा करने की मांग, सरकार को 3 दिन का अल्टीमेटम

### डेयरी किसानों का आरोप, उत्पादन लागत बढ़ने और हरे चारे की कमी से गहराया संकट

**बैंगलूर।**

कर्नाटक के उपभोक्ताओं को जल्द ही दूध के बढ़े हुए दाम का झटका लग सकता है। राज्य के दुग्ध उत्पादक संघों ने दूध की कीमतों में 8 रुपये प्रति लीटर की भारी वृद्धि की मांग की है, और इस संबंध में सरकार को तीन दिनों का अल्टीमेटम भी दे दिया है। यह मांग बेंगलुरु प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उठाई गई। दुग्ध उत्पादक संघों का कहना है कि बढ़ती उत्पादन लागत और दूध के घटते उत्पादन ने उन पर भारी दबाव डाला है। बामुल, चामुल और मांड्या मिल्क जैसे बड़े मिल्क यूनियन इस मांग के पक्ष में हैं। उन्होंने सरकार से दूध उत्पादकों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन (इंसेंटिव) में भी बढ़ोतरी की मांग की है। बामुल मिल्क यूनियन के प्रेसिडेंट ने बताया कि डेयरी एसोसिएशन पिछले आठ महीनों से सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन कोई हल नहीं निकला। डेयरी किसान इस समय गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। कम बारिश के कारण हरे चारे की कमी है, वहीं पशु आहार और कच्चे माल की कीमतों में 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। ट्रांसपोर्टेशन खर्च बढ़ने से दूध उत्पादन की कुल लागत काफी बढ़ गई है, जिससे किसानों के लिए मवेशी पालना मुश्किल हो रहा है। संघों ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिनों के भीतर कैबिनेट की बैठक बुलाकर फैसला नहीं लिया गया, तो वे विधान सौध तक विरोध मार्च निकालेंगे। यदि राज्य सरकार इस प्रस्ताव को मंजूरी दे देती है, तो नवरात्रि और दिवाली जैसे त्योहारों से ठीक पहले नंदिनी जैसे ब्रांड का दूध बेहद महंगा हो जाएगा। इससे न केवल रसोई का बजट गड़बड़ाएगा, बल्कि मिठाई और अन्य डेयरी उत्पादों की कीमतें भी आसमान छू सकती हैं।

## टाटा संस में चंद्रशेखरन का कार्यकाल विस्तार, नोएल टाटा की आपत्ति

### चेयरमैन की तीसरी नियुक्ति पर बोर्ड मेंबर्स का समर्थन, पर नोएल टाटा नहीं थे सहमत

**नई दिल्ली ।**

मुंबई में गुरुवार को हुई टाटा समूह की एक महत्वपूर्ण बैठक में एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ा दिया गया है। टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर अगले पांच साल तक वे समूह का नेतृत्व करते रहेंगे। हालांकि, इस फैसले पर टाटा परिवार के सदस्य नोएल टाटा ने आपत्ति जताई थी, लेकिन अन्य बोर्ड सदस्यों के पूर्ण समर्थन के बाद चंद्रशेखरन को दोबारा कमान सौंप दी गई। इस घटना ने दोनों अहम शख्सियतों की भूमिकाओं और उनके पारिश्रमिक में बड़े अंतर को भी उजागर किया है। टाटा समूह के भीतर यह चर्चा तेज है कि एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल विस्तार से नोएल टाटा नाखुश हैं। बोर्ड में वोटिंग के दौरान नोएल टाटा ने अपनी असहमति स्पष्ट की। नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई और टाटा परिवार के अहम सदस्य हैं। वे टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन सहित समूह की कई कंपनियों में गैर-कार्यकारी भूमिकाओं में हैं। दूसरी ओर, एन चंद्रशेखरन पिछले 10 साल से टाटा संस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में समूह का नेतृत्व कर रहे हैं और अब अगले 5 साल के लिए उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। दोनों के बीच मतभेद का सटीक कारण अज्ञात है, लेकिन उनकी भूमिकाओं और पारिश्रमिक में बड़ा अंतर है। आंकड़ों के अनुसार, नोएल टाटा को विभिन्न गैर-कार्यकारी बोर्ड भूमिकाओं के लिए सालाना करीब 4.5 से 5 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिलता है। इसमें बोर्ड मीटिंग फीस और डायरेक्टर कमीशन शामिल हैं। वहीं, एन चंद्रशेखरन का सालाना पैकेज 135 से 155 करोड़ रुपये के बीच बताया जाता है, जिसमें बुनियादी वेतन के साथ कंपनी के प्रदर्शन से जुड़ा बड़ा कमीशन भी शामिल है। इस तरह, चंद्रशेखरन का पैकेज नोएल टाटा को मिलने वाले पारिश्रमिक से लगभग 27-30 गुना अधिक है। यह अंतर मुख्य रूप से उनकी भूमिकाओं में है- चंद्रशेखरन एक कार्यकारी चेयरमैन के तौर पर रोजाना के कारोबारी फैसले और रणनीति संभालते हैं, जबकि नोएल टाटा की भूमिका गैर-कार्यकारी सलाह और निगरानी तक सीमित है। जहां नोएल टाटा की संपत्ति कई स्रोतों के अनुसार 1,245 करोड़ से 12,600 करोड़ रुपये तक अनुमानित है (जो परिवार की होल्डिंग्स पर निर्भर करता है), वहीं चंद्रशेखरन का पैकेज उनकी कार्यकारी जिम्मेदारियों का सीधा परिणाम है।

# आईसीआईसीआई बैंक ने वेबसाइट और नेट बैंकिंग के यूआरएल बदले

**नई दिल्ली ।**

आईसीआईसीआई बैंक के इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करने वाले ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। बैंक ने अपनी वेबसाइट और नेट बैंकिंग के वेब पते (यूआरएल) में बदलाव किया है।

यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों के तहत उठाया गया है, जिसके तहत बैंक को अपने पुराने डोमेन को नए डॉटबैंकडाटइन डोमेन पर स्थानांतरित करना पड़ा है। बैंक द्वारा ग्राहकों को भेजी गई सूचना अनुसार, नेट बैंकिंग का पुराना प त ा रिटेलबैं किंगडाटआईसीआईसीआईबैंकडॉटकॉम अब बदलकर रिटेलबैं किंगडाटआईसीआईसीआईबैंकडॉटइन कर दिया गया है। इसी तरह, बैंक की मुख्य वेबसाइट आईसीआईसीआईडॉटबैंकडाटइन डोमेन पर उपलब्ध होगी।

यह बदलाव ग्राहकों के मौजूदा ग्राहक आईडी, पासवर्ड या बैंक खाते की जानकारी पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा।

ग्राहक अपने पुराने लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके ही नए नेट बैंकिंग पोर्टल पर आसानी से लॉग इन कर सकेंगे। उन्हें किसी भी प्रकार के नए पंजीकरण या नया लॉगिन बनाने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अतिरिक्त, बैंक ने यह भी सूचित किया है कि 19 सितंबर, 2026 को आईमोबाइल ऐप की सेवाएं कुछ घंटों के लिए निर्धारित रखरखाव के कारण बंद रहेंगी। यह एक पूर्व-निर्धारित कार्य है और ग्राहकों को इससे अवगत कराया गया है।

# जीव-जंतुओं की दुनिया के सबसे अनोखे सदस्य

**दोस्तों जीव-जंतुओं की दुनिया बड़ी ही निराली है। इस दुनिया के बारे में हम जितना भी जानते हैं उतनी ही हमारी और जानने की ख्वाहिश बढ़ती चली जाती है। हमारी दुनिया में कई छोटे-बड़े जीव ऐसे हैं जिनकी खासियतें बड़ी ही अनोखी और निराली हैं। आज ऐसे ही कुछ जीवों से हम आपको रूबरू करा रहे हैं। हम इन जीवों की खासियतें भी आपको बताएंगे। अगर आप उन लोगों में से एक हैं जिन्हें जीव-जंतुओं की दुनिया में घुसने में मजा आता है तो यकीन जानिए, ये आपके लिए ही है।**

## रोसी मेपल मोथ

ये उत्तरी अमेरिका में बहुतायत में पाया जाने वाला एक कीट है। आम बोलचाल में इसे रोसी मेपल मोथ कहा जाता है। वहीं वैज्ञानिक भाषा में इसे ड्रायोकैम्पा रुबीक्यूंडा कहा जाता है। ये रेशम का का कीट है। इसिलिए इसे फैब्रीसियस भी कहा जाता है। इस तस्वीर में दिखाई दे रहा ये कीट अपना एक पैर उठाए हुए है जिसे देखकर लग रहा है जैसे ये हैलो कर रहा है।

अमेरिका में कई किसान इन्हें पालते भी हैं।

## एग्जेंन्थिक ब्लू इगुआना

इगुआना एक प्रकार की छिपकली होती है। एग्जेन्थिक ब्लू इगुआना सभी प्रकार की इगुआना में सबसे खूबसूरत होती है। ये इतनी खूबसूरत होती है कि अमेरिका जैसे देशों में इसे लोग शौक से पालते भी हैं। अमेरिका में इसके पालने पर प्रतिबंध नहीं है और लोग इसे बाजार में बेच भी सकते हैं। गुलाब की खुशबू सूंघती इस इगुआना की तस्वीर काफी वायरल हुई थी।

## वॉम्बेट

ये बेहद अनोखा और बेहद प्यारा जीव इन दिनों बेहद खतरनाक हालात से जूझ रहा है। ये ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है। और जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों बेहद भीषण आग लगी है जिसमें 50 करोड़ से भी अधिक जीव जलकर खाक हो गए हैं। ये एक छोटा वॉम्बेट है। वॉम्बेट के पैर और पूंछ इनके शरीर की तुलना में काफी छोटी होती है। इनका शरीर 1 मीटर तक लंबा हो जाता है। ये पहाड़ी, मैदानी और जंगली इलाकों में पाए जाते हैं।

## सम्राट तामरीन

ये मूंछों वाला बंदर तामरीन बंदरों की कई प्रजातियों में से एक है। इसे सम्राट तामरीन कहा जाता है। कहा जाता है कि जर्मन सल्तनत के सम्राट विल्हेम द्वितीय की मूंछे भी इसी तरह की हुआ करती थी। इसिलिए इस तामरीन बंदर को सम्राट तामरीन कहा जाता है। ये बंदर अमेजन के जंगलों में बहुतायत में पाए जाते हैं।

## स्कॉटिश भेड़

स्कॉटलैंड में बहुतायत में भेड़ पालन करने वाले किसान वास करते हैं। स्कॉटलैंड में इंसानों से ज्यादा भेड़ें रहती हैं। यहां के 15000 भेड़ फार्म्स में 70 लाख के आस-पास भेड़ें रहती हैं। किसान इन भेड़ों को दूध, ऊन और मांस के लिए पालते हैं। पिछले दिनों एक शीप फार्म से इस भेड़ की ये अनोखी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।

# रोशनी वाला पेड़

भारत में हिमालय के आसपास कुछ ऐसे पेड़-पौधे भी हैं, जो रात के घोर अंधकार में चमक उठते हैं। उन्हें देखकर ऐसा लगता है, जैसे लाइट जल उठी हो। ऐसा ही एक पौधा सोम औषधि है। पूर्णिमा की रात से अमावस्या तक इसके सारे पत्ते गिर जाते हैं और यह रात को चमकता है। कुछ पेड़ हैं, जिनके तनों से विशेष किस्म का द्रव्य बहता है, यह द्रव्य अंधेरा होने पर चमकता है। मशरूम की भी कुछ किस्में ऐसी होती हैं, जो रात को चमक देती हैं।

# कहां जाएं ध्रुवीय भालू

इनसानी दखल का असर अब ध्रुवीय भालू की जिंदगी पर पड़ने लगा है। बर्फीले आर्कटिक क्षेत्र के निवासी ये भालू गरम होते क्षेत्र के कारण अपने रहने के स्थान खोने लगे हैं। बर्फ पिघलने से इन्हें खाने के लिए भी ठीक से नहीं मिल पा रहा है। उस पर बड़ी कंपनियां लगातार उनके इलाके में घुसपैठ कर रही हैं, जिस कारण इन भालुओं को लगातार अपने रहने का ठिकाना बदलना पड़ रहा है। ऐसे में खाने की कमी को ये दूसरे भालुओं को मारकर पूरी कर रहे हैं। बड़े भालुओं का शिकार आमतौर पर मादा भालू या बच्चे बन रहे हैं। ऐसी घटनाएं पहले कभी-कभार ही होती थीं। इससे ध्रुवीय भालू के लुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

# मेहुल की सेल्फी

**नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया।**

'मेहुल.ओ.मेहुल। कहां हो तुम?' मां मेहुल को काफी देर से ढूंढ़ रही थीं, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आ रहा था। जब मेहुल उन्हें अपने कमरे में भी नहीं दिखाई दिया तो वह सोच में पड़ गईं कि इतनी गर्मी में मेहुल बिना बताए कहां गया है। तभी उन्हें ख्याल आया कि एक बार छत पर जाकर भी देख लिया जाए। वैसे इस भरी दोपहर में उन्हें उसके छत पर होने की उम्मीद कम ही थी, लेकिन उनका मन नहीं माना। पर यह क्या! जैसे ही वह छत पर पहुंचीं तो देखा कि मेहुल छत पर खड़ा अपने नए मोबाइल से सेल्फी खींचने में व्यस्त है! वह सेल्फी में इतना खोया हुआ था कि उसे न तो मां की आवाज सुनाई दे रही थी और न ही उनके छत पर आने का पता था। मां ने उसके करीब जाकर उसकी पीठ पर थप्पड़ मारते हुए कहा, 'यह क्या कर रहे हो तुम इतनी धूप में?' तो वह चौंका। 'कुछ नहीं मां, बस यूं ही।' 'यूं ही क्या?' मां ने गुस्से से उसकी तरफ देखते हुए कहा। 'मां, अपने इस नए मोबाइल से कुछ सेल्फी ले रहा था, दोस्तों को दिखाने के लिए।' 'क्या मतलब, क्या तुम्हें यह मोबाइल इतनी धूप में सेल्फी खींचने के लिए मिला है?' मां ने उसे डांटते हुए कहा। 'चलो नीचे, मां उसका हाथ पकड़ कर ले जाने लगीं।' मेहुल अनमने मन से मां के साथ चलने लगा।

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया। मोबाइल पाकर मेहुल की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने सभी दोस्तों को मोबाइल दिखाया और दिन भर उनके साथ सेल्फी का मजा लिया। देर शाम को जब वह घर आया तो मां ने उसे टोका भी, 'यह क्या बात हुई कि तुम नए मोबाइल के साथ दिन भर गायब रहे। न खाने-पीने की चिंता, न गर्मी की चिंता। कहीं बीमार हो गए तो स्कूल से छुट्टी लेनी पड़ेगी।' मां ने उसे ज्यादा नहीं डांटा, उन्हें लगा कि यह दो-तीन दिन का बुखार है, बाद में सब ठीक हो जाएगा। अगले दिन सुबह रोज की तरह मेहुल उठा और तैयार होकर स्कूल जाने लगा। उसने अपने बैग में अपना नया मोबाइल भी रख लिया। मां ने उसे ऐसा करते हुए देख लिया। उन्होंने उसके बैग से मोबाइल निकालते हुए कहा, 'तुम स्कूल पढ़ने जा रहे हो या मोबाइल पर बातें करने या फिर सेल्फी खींचने के लिए।' मां उसकी ओर गुस्से से देखते हुए मोबाइल लिए किचन में चली गईं। मेहुल गुस्से से पैर पटकते हुए स्कूल की ओर चल दिया। आज उसका मन क्लास में नहीं लग रहा था। उसे बस यही इंतजार था कि कब स्कूल की छुट्टी हो और वह घर जाकर अपने मोबाइल से तरह-तरह की सेल्फी ले।

आखिर उसके इंतजार की घड़ी खत्म हुई। स्कूल की छुट्टी हो गई। घर पहुंचते ही मेहुल सीधा मां के पास पहुंचा और कहा, 'मां, मेरा मोबाइल कहां है?' मां ने उसकी तरफ देखते हुए कहा, 'पहले कपड़े बदलो और खाना खा लो फिर तुम्हारा मोबाइल भी तुम्हें मिल जाएगा।' यह कहकर मां किचन की ओर चल दीं। मेहुल समझ गया कि अगर उसे मोबाइल चाहिए तो मां का कहना मानना ही पड़ेगा। उसने जल्दी से कपड़े बदल कर खाना खाया। मां ने उसका मोबाइल लाकर उसे दे दिया। मोबाइल देखकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जाते-जाते मां ने उसे हिदायत दे दी कि इस गर्मी में वह छत पर या बाहर न जाए। मेहुल ने मन ही मन सोचा, यह भी कोई बात हुई। घर पर भी कोई सेल्फी लेता है। असली मजा तो बाहर सेल्फी लेने में है। मोहित के डॉगी रॉकी के साथ या फिर राहुल के भैया की बाइक पर। सोसाइटी में बने स्वीमिंग पूल पर सेल्फी का तो अलग ही मजा आएगा। यह सोचकर मेहुल बाहर जाने लगा। मां ने उसे बाहर जाते हुए देखकर कहा, 'इस दोपहर में कहां जा रहे हो?' 'मां, मैं मोहित के घर जा रहा हूं, थोड़ी देर में आ जाऊंगा।' मां ने उससे कहा, 'जल्दी आ जाना। शाम को तुम्हारे मामा आने वाले हैं। हम सब उनके साथ बाहर घूमने जाएंगे।' 'पक्का मां, मैं जल्दी आ जाऊंगा।' यह कहकर मेहुल तेजी से मोहित के घर की ओर भागा।

मेहुल को देख मोहित खुश हो गया। मेहुल और मोहित दोनों मोबाइल से सेल्फी लेने लगे। तभी मेहुल को मोहित का डॉगी दिखाई दिया। उसने मोहित से कहा, 'क्यों न रॉकी के साथ सेल्फी ली जाए।' मोहित ने उसकी हां में हां मिलाई। फिर क्या था कि दोनों रॉकी के साथ सेल्फी लेने लगे। पहले तो रॉकी को भी उनके इस खेल में मजा आ रहा था लेकिन जल्दी ही वह उनकी हरकतों से उकता गया। वह एक-दो बार उन पर गुर्राया भी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। तभी सोफे पर बैठे मेहुल ने अपनी बगल में बैठे रॉकी को गर्दन से लगभग खींचते हुए अपने पास लाकर सेल्फी खींचनी चाही तो रॉकी भड़क गया और उसने मेहुल के हाथ पर काट लिया। मेहुल के मुंह से चीख निकल गई। मोहित की मम्मी बगल के कमरे से दौड़ी-दौड़ी आईं। रोते हुए मेहुल और खून से सना हुआ उसका हाथ देखकर वह घबरा गईं। उन्होंने जल्दी से उसके घाव को साबुन से धोया और उसे डॉक्टर के पास ले गईं। रास्ते में उन्होंने मोहित से पूछा, 'यह कैसे हुआ?' 'मां, रॉकी ने काटा है' मोहित ने कहा। 'ऐसे कैसे काट लिया, सच-सच बात बताओ?' 'मां, मेहुल रॉकी के साथ सेल्फी ले रहा था, तभी पता नहीं इसे क्या हुआ और इसने मेहुल को काट लिया।' 'तुम अपने सेल्फी के मजे में यह भूल गए कि तुम्हारी इन हरकतों से रॉकी को परेशानी हो रही है। उसे जब कुछ समझ नहीं आया होगा तो उसने मेहुल को काटकर अपना गुस्सा जता दिया।' मां ने नाराज होते हुए कहा।

डॉक्टर से पट्टी करवाने के बाद मेहुल घर पहुंचा तो उसे इस हालत में देखकर मां एकदम घबरा गईं लेकिन जब असली बात पता चली तो उसे मां की डांट भी खानी पड़ी। उसे समझ आ गया था कि काश उसने सेल्फी की बीमारी को अपने सिर पर चढ़ने नहीं दिया होता तो यह सब नहीं होता।

## भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 7 रनों से हराया

**राजकोट।** निरंजन शाह स्टेडियम में शुक्रवार को बारिश से प्रभावित पहले यूथ वनडे मैच में ऑलराउंडर यशवर्धन चौहान के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 7 रनों से हराया। बारिश के कारण 20-20 ओवर के इस मैच में, पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 182 रन लगाए। यशवर्धन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों में 54 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और 2 छक्के लगाए। इस मैच में भारत के दिग्गज क्रिकेटर राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे अन्वय द्रविड़ और आर्यवीर सहवाग भी खेले। स्टेडियम में अपने पिता के आक्रामक अंदाज में ओपनिंग करते हुए आर्यवीर ने 5 चौकों की मदद से 26 गेंदों में 28 रन बनाए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ ने आक्रामक रुख अपनाते हुए 18 गेंदों में 211 के स्ट्राइक रेट से 38 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए। द्रविड़ और चौहान ने पांचवें विकेट के लिए 69 रनों की अहम साझेदारी की, जिसने 12वें ओवर में 88/4 के स्कोर पर मुश्किल में फंसी भारतीय टीम को उबारा।

## ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ बनाया अपना सबसे बड़ा स्कोर

**हरारे।** जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे मुकाबला हरारे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 356 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। यह ऑस्ट्रेलिया का वनडे क्रिकेट में जिम्बाब्वे के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी है। इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का वनडे में सबसे बड़ा टोटल 6 विकेट खोकर 350 रन था, जो टीम ने 2014 में बनाया था। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 18.6 ओवर में 130 रन जोड़े। मार्श ने 63 गेंदों का सामना करते हुए 53 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 3 चौके और तीन छक्के लगाए। इसके बाद हेड को कूपर कोनोली के रूप में एक और बढ़िया जोड़ीदार मिला। दूसरे विकेट के लिए हेड और कोनोली ने मिलकर 60 रन जोड़े। कोनोली ने 69 गेंदों में 3 चौके और तीन छक्कों की मदद से 78 रन बनाए। वहीं, हेड बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने शतकीय पारी खेली। हेड ने 84 गेंदों का सामना करते हुए 112 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी में हेड ने 15 चौके और 3 छक्के गाए।बनाए,जबकि एलेक्स कैरी ने 30 गेंदों में एक चौके की मदद से 20 रन बनाए। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले मैट रेनशॉ ने 11 गेंदों में 15 रन बनाए। अंत के ओवरों में ओलिवर पीक ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 18 गेंदों में 41 रनों की नाबाद पारी खेली।

# 310 नए चेहरे देंगे चुनौती, 17 खिलाड़ी और पांच टीमें फिर स्वर्ण पर साधेंगी निशाना

**नागोया, एजेंसी।** एशियन गेम्स में इस बार भारतीय चुनौती नए और युवा चेहरों पर है। भारतीय दल में 310 ऐसे नए खिलाड़ी हैं जो पहली बार एशियाई खेलों में भाग लेने जा रहे हैं, लेकिन निगाहें पुराने चेहरों पर रहेंगी। भारतीय दल में 17 खिलाड़ी और पांच टीमें ऐसी हैं जो एशियाई खेलों में अपने पिछले स्वर्णिम प्रदर्शन की छाप जापान में फिर से छोड़ने के लिए उतर रहे हैं। 501 भारतीय खिलाड़ी जापान में उतरेंगे। 36 खेलों के 259 इवेंट में भारत करेगा शिरकत। 356 पदकों की इवेंट में भारत पेश करेगा चुनौती। 310 खिलाड़ी पहली बार एशियाड में 36 खेलों में उतरेंगे।

मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक बने शॉटपुटर तजिंदर पाल सिंह तूर लगातार तीसरे एशियाड स्वर्ण के लिए जोर लगाएंगे। वहीं, पिछले एशियाड की तीन स्वर्ण विजेता कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा स्वर्णिम प्रदर्शन दोहराने व लगातार चौथे एशियाड में पदक जीतने उतरेंगी। 2014 और 2018 के एशियाड में चार गुणा 400 मीटर रिले और 400 मीटर में स्वर्ण जीत चुकीं एथलीट एमआर पूवम्मा से इस बार भी रिले में देश के लिए स्वर्णिम पदक की आशा है।

### एथलेटिक्स-शूटिंग से उम्मीद

भारत ने पिछले एशियाड में 28 स्वर्ण समेत कुल 106 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया था। इस प्रदर्शन में शूटिंग और एथलेटिक्स ने अहम भूमिका निभाई थी। एथलेटिक्स में छह स्वर्ण समेत 29 पदक और शूटिंग में सात स्वर्ण समेत 22 पदक मिले थे। इस बार भी भारतीय दल की 100 से अधिक पदक जीतने की कोशिश है, जिसमें इन दोनों खेलों का अहम योगदान रहेगा।

### तूर पर तीसरे स्वर्ण का मौका

घुड़सवार हृदय छेड़ा, स्क्वैश खिलाड़ी अभय सिंह ने हांगझोउ एशियाड में टीम स्वर्ण जीते। हृदय इस बार ड्रेसाज व अभय स्क्वैश की टीम व निजी स्पर्धा में भाग लेंगे। तूर 2018 और 2023 में स्वर्ण जीत चुके हैं। सत्र में 21.03 मीचर गोला फेंक चुके तूर यह प्रदर्शन दोहराते हैं तो तीसरा स्वर्ण जीत सकते हैं। पिछली बार 5000 मीटर का स्वर्ण व 3000 मीटर स्टीपलचेज का रजत जीतने वालीं पारुल इस बार इनके अलावा 1500 मीटर में भी उतरेंगी।

### ऐश्वर्य, ईशा पर बड़ा जिम्मा

2023 में दो स्वर्ण समेत चार पदक जीतने वाले शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 50 मीटर थ्री पोजीशन में, जबकि एक स्वर्ण व तीन रजत जीतने वाली ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल, 25 मीटर पिस्टल में शिरकत करेंगी। टेनिस में पिछली बार मिश्रित युगल में स्वर्ण जीतने वालीं रुतुजा भोंसले, अंकिता रैना के साथ युगल में उतरेंगी। पुरुष व महिला क्रिकेट टीम, पुरुष व महिला कबड्डी टीम व पुरुष हॉकी टीम इस बार भी स्वर्ण की दावेदार हैं।

## आईपीएल अंपायरों की बढ़ेगी सैलरी

**मुंबई,।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपने हेडक्वार्टर में हुई 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में अरुण सिंह धूमल और एम. खैरुल जमाल मजूमदार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) गवर्निंग काउंसिल के लिए फिर से चुना। इन दो सीटों के लिए किसी और उम्मीदवार ने नॉमिनेशन नहीं भरा, इसलिए आईपीएल चेयरमैन के तौर पर दूसरा कार्यकाल चाह रहे धूमल और इंडियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) का प्रतिनिधित्व करने वाले मजूमदार का औपचारिक रूप से फिर से चुना जाना तय हो गया। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी ए.के. जोति द्वारा जांच के बाद सही नॉमिनेशन की अंतिम लिस्ट की पुष्टि करने के साथ ही फ्रेंचाइजी टी20 लीग की फैसला लेने वाली संस्था में प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने के लिए इन दोनों का आसानी से फिर से चुने जाने का रास्ता साफ हो गया।एजीएम में एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। आम सभा ने घरेलू अंपायरों और मैच रेफरी के भुगतान ढांचे में बदलाव तथा उनके लिए नए ग्रेड सिस्टम को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। इसके साथ ही बोर्ड ने कई वित्तीय और प्रशासनिक प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी। बीसीसीआई ने 2025-26 वित्तीय वर्ष के ऑडिट किए गए खातों को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया।

## अगरकर को लेकर अगले 15 दिन में लिया जाएगा फैसला

**मुंबई।** बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) के बाद कहा कि सीनियर पुरुष टीम के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के भविष्य को लेकर अगले 15 दिनों के भीतर फैसला लिया जाएगा। जुलाई 2023 में चीफ सिलेक्टर बने अजीत अगरकर के कार्यकाल में भारतीय टीम ने कई बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। उनके कार्यकाल में भारत वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल तक पहुंचा। इसके बाद टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता। इसके साथ ही, इस साल की शुरुआत में भारत ने अपने घरेलू मैदान पर टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी का सफलतापूर्वक बचाव भी किया। उनका कार्यकाल 4 अक्टूबर को खत्म हो रहा है।

## न्यूजीलैंड को झटका... डाइव लगाते समय रचिन रवींद्र का कंधा खिसका

**वेलिंगटन।** न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर रचिन रवींद्र के भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेलने पर संशय पैदा हो गया है। रचिन बुधवार को ऑकलैंड में एक प्रमोशनल शूट के दौरान चोटिल हो गए। शूटिंग के दौरान डाइव लगाकर कैच लेने की कोशिश में वह असहज तरीके से सेफ्टी मैट पर गिरे, जिसके बाद उनके दाएं कंधे का जोड़ खिसक गया।शुक्रवार को डॉक्टरों ने रचिन की जांच की। जांच में कंधे में किसी गंभीर चोट की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, वह मैदान पर कब वापसी कर पाएंगे, यह शुरुआती रिहैबिलिटेशन के दौरान उनकी प्रगति पर निर्भर करेगा। ऐसे में भारत के खिलाफ सीरीज में उनकी उपलब्धता अभी तय नहीं है।

### न्यूजीलैंड ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण हादसा

न्यूजीलैंड के परफॉर्मेंस मैनेजर माइक सैंडल ने रचिन की चोट को दुर्भाग्यपूर्ण हादसा बताया। उन्होंने कहा कि इस समय टीम की प्राथमिकता रचिन को पूरी तरह ठीक करना है। सैंडल ने कहा, 'यह वास्तव में बहुत दुर्भाग्यपूर्ण चोट है। रचिन के लिए हमें बहुत निराशा हुई है और हमारी मुख्य प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि वह अच्छी तरह से ठीक हों और जल्द से जल्द मैदान पर लौट सकें।'उन्होंने प्रमोशनल शूट के दौरान सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी जानकारी दी। सैंडल ने कहा, 'हमारे खिलाड़ियों से जुड़े सभी व्यावसायिक शूट की गतिविधियों पर पहले से सभी पक्षों की सहमति होती है और उचित सुरक्षा उपाय मौजूद रहते हैं। यह थोड़ा असामान्य हादसा था और भविष्य में इस तरह के आयोजनों को लेकर हम अपनी प्रक्रियाओं की समीक्षा करते रहेंगे।'

### रचिन की वापसी में नहीं करेगा जल्दबाजी

रचिन न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम का अहम हिस्सा बन चुके हैं। वह बल्ले और गेंद दोनों से टीम को योगदान देते हैं। उन्होंने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें 759 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 69 रन है। गेंदबाजी में उनके नाम 26 विकेट हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/27 रहा है।26 वर्षीय रचिन की गैरमौजूदगी न्यूजीलैंड के लिए भारत के खिलाफ सीरीज में बड़ा बदलाव होगी। हालांकि, टीम उनकी चोट को लेकर जल्दबाजी के मूड में नहीं है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट का व्यस्त कार्यक्रम है, इसलिए रचिन की वापसी को लेकर सावधानी बरती जाएगी। वाल्टर ने कहा, 'अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट का काफी व्यस्त कार्यक्रम है।

# जापान रवाना होने से पहले भारतीय क्रिकेट टीम को किट का इंतजार

**नई दिल्ली।** एशियाई खेल 2026 के लिए जापान रवाना होने से पहले भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सामने किट को लेकर समस्या खड़ी हो गई है। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम को अभी भी सही साइज की कुछ किट का इंतजार है। भारतीय टीम रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी से जापान के लिए रवाना होने वाली है।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और भारतीय ओलंपिक संघ के किट उपलब्ध कराने वाले जेएसडब्ल्यू इंस्पायर के बीच बातचीत हुई है। किट के साइज को लेकर सामने आई समस्या को अब काफी हद तक सुलझा लिया गया है।

एक सूत्र ने बताया, 'क्रिकेटरों की पोशाक के साइज में कुछ समस्या थी, जिसे काफी हद तक ठीक कर लिया गया है। कुछ किटें बची हैं और उन्हें जल्द ही टीम को भेज दिया जाएगा। '

**खिलाड़ियों को दो अलग-अलग किट पहननी होंगी**

भारतीय खिलाड़ियों को एशियाई खेलों के दौरान दो अलग-अलग तरह की पोशाक की जरूरत होगी। 22 सितंबर को जापान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपनी नियमित टीम किट पहनेंगे।

इसके बाद 28 सितंबर से शुरू होने वाली एशियाई खेलों की क्रिकेट प्रतियोगिता में भारतीय टीम को एशियाई खेलों की आधिकारिक पोशाक पहननी होगी। ढ्ढह्र के सूत्र के मुताबिक, दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत होने के कारण भी किट से जुड़ी समस्या सामने आई हो सकती है।सूत्र ने कहा, 'खिलाड़ियों को दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत है, एक द्विपक्षीय मैचों के लिए और दूसरी एशियाई खेलों के लिए, इसलिए ऐसा हुआ होगा। '

किट के अलावा जापान के नागोया में भारतीय खिलाड़ियों के आवास को लेकर भी समस्या सामने आई है। अन्य भारतीय खिलाड़ियों को आवास मिलने में देरी को देखते हुए पुरुष क्रिकेट टीम के लिए खुद होटल की व्यवस्था करने का फैसला किया है। इसके विपरीत भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ढ्ढह्र की ओर से उपलब्ध कराए गए आवास में ही ठहराया गया है और महिला टीम के रहने की व्यवस्था में किसी तरह की परेशानी नहीं आई। एक सूत्र ने बताया कि पुरुष टीम के लिए आयोजकों की ओर से जो कमरे उपलब्ध कराए गए थे, उनमें खिलाड़ियों के किट बैग रखने तक के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। इसी वजह से क्चष्टढ्ढ ने अपने स्तर पर होटल की व्यवस्था की।

सूत्र ने कहा, 'महिला टीम के ठहरने की व्यवस्था में किसी तरह की समस्या नहीं आई। आयोजकों ने पुरुष टीम के लिए जो कमरे उपलब्ध कराए, उनमें किट बैग रखने की भी जगह नहीं थी। वहां ज्यादा बड़े होटल नहीं हैं, लेकिन क्चष्टढ्ढ ने जापान रवाना होने से कुछ समय पहले ही अपने स्तर पर व्यवस्था कर ली थी। 'एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले कुछ भारतीय खिलाड़ियों को अपने आवंटित आवास तक पहुंचने से पहले घंटों इंतजार करना पड़ा। इस बार एशियाई खेलों में पारंपरिक खेल गांव की व्यवस्था नहीं की गई है। खिलाड़ियों के ठहरने के लिए अलग-अलग तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं। कुछ खिलाड़ियों को क्रूज जहाजों, कंटेनरों और होटलों में ठहराया जा रहा है।

## मनु-पवन ने थामा तिरंगा...ओपनिंग सेरेमनी में शान से निकला भारतीय दल

*__आइची नागोया।__ आइची नागोया एशियन गेम्स की शुरुआत हो गई। भारत इस साल हांगझोउ में 2023 में एशियन गेम्स के मेडल्स रिकॉर्ड को तोड़ने उतरा है। तब भारत ने 28 स्वर्ण समेत 107 पदक जीते थे। नीरज चोपड़ा इस साल एशियाड का हिस्सा नहीं होंगे। मनु भाकर और पवन सेहरावत की अगुआई में भारतीय दल ने एशियन गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में शान से मार्च किया। दोनों फ्लैग-बेयरर हाथों में तिरंगा थामे सबसे आगे रहे, जबकि उनके पीछे भारतीय खिलाड़ियों का दल पूरे जोश और गर्व के साथ स्टेडियम में पहुंचा। नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत की एंट्री के दौरान माहौल में देशभक्ति और उत्साह साफ नजर आया। यह पल भारतीय खिलाड़ियों के लिए एशियन गेम्स के इस बड़े मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का खास अनुभव रहा।*

**मनु भाकर की साथी खिलाड़ियों को खास सलाह...**

## शिकायत की बजाय प्रदर्शन करें

**नागोया।** एशियन गेम्स 2026 की शुरुआत से पहले भारतीय दल की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर कई तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं। आवास समेत अन्य व्यवस्थाओं को लेकर खिलाड़ियों की शिकायतों के बीच स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने अपने साथी भारतीय खिलाड़ियों से खास अपील की है। मनु ने खिलाड़ियों से कहा कि वे समस्याओं को लेकर शिकायत करने में अपनी ऊर्जा बर्बाद करने के बजाय प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान दें।

भारत समेत कई देशों के खिलाड़ियों ने एशियन गेम्स के लिए की गई व्यवस्थाओं को लेकर चिंता जताई है। इनमें सबसे प्रमुख समस्या खिलाड़ियों के रहने से जुड़ी बताई जा रही है। नागोया में कई खिलाड़ियों को आवास और अन्य सुविधाओं से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से जारी एक वीडियो संदेश में मनु भाकर ने भारतीय खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं भारत के अपने सभी साथी खिलाड़ियों से कहना चाहती हूं कि हमें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। मैंने सोशल मीडिया पर कुछ मुद्दे देखे हैं और लोग मुझे बता रहे हैं कि ये मुद्दे हैं।' मनु ने आगे कहा, 'हमारे सामने चाहे कितनी भी समस्याएं हों, यह शायद जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर और अनुभव है। हमें शिकायत करने के बजाय इस समय का आनंद लेना चाहिए।'

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत चुकीं मनु ने खिलाड़ियों को अपनी तैयारियों पर भरोसा रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'हमने अपनी तरफ से पूरी तैयारी की है, इसलिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करनी चाहिए। यहां तक पहुंचने के लिए हमने बहुत मेहनत की है और हमें सही और गलत बताने में अपनी ऊर्जा बर्बाद नहीं करनी चाहिए।'

# 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' के बाद मेरे पास स्क्रिप्ट्स की बाढ़ आ गई थी

**नवाजुद्दीन सिद्दीकी आज बॉलीवुड के सबसे बड़े कलाकारों में गिने जाते हैं। पहले फिल्मों में छोटे-मोटे रोल निभाने वाले अभिनेता ने कई फिल्मों में लीड रोल किया है। उन्होंने वर्षों तक छोटे-मोटे रोल किए और ऐसे रोल का इंतजार किया जो उनके करियर की दिशा बदल सके। यह टर्निंग पॉइंट 2012 में फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' से आया। इसमें फैजल खान के उनके किरदार ने उन्हें इंडस्ट्री में एक खास पहचान दिलाई। अब पीछे मुड़कर देखते हुए, एक्टर ने फिल्म के रिलीज होने के बाद आए बड़े बदलाव और अचानक मिले ढेर सारे ऑफर को कैसे संभाला, इस बारे में बात की है।**

### आई थी स्क्रिप्ट की बाढ़

नवाजुद्दीन से पूछा गया कि किस फिल्म ने उन्हें पहली बार स्टार जैसा महसूस कराया। उन्होंने तुरंत 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' का नाम लिया और एनडीटी के साथ बातचीत में कहा 'बेशक, यह 'गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' ही है।' उन्होंने याद किया कि फिल्म को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स की वजह से उनके पास स्क्रिप्ट्स की बाढ़ आ गई थी।

### फैसलों को हावी नहीं होने दिया

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, ''गैंग्स ऑफ वासेपुर 2' के रिलीज होने के बाद, मुझे कम से कम 200 स्क्रिप्ट्स मिलीं। मेरी टेबल पर ब्लैंक चेक रखे होते थे। लोग कहते थे, 'ये रही स्क्रिप्ट और ये रहा ब्लैंक चेक। आप जो चाहें वो रकम लिख दें और जो भी तारीखें आपके पास हों, हमें दे दें।'' एक ऐसे अभिनेता के लिए जिसने वर्षों तक काम की तलाश में बिताए हों, यह स्थिति एक के बाद एक प्रोजेक्ट साइन करने का मौका हो सकती थी। हालांकि, नवाजुद्दीन ने अचानक मिली इस लोकप्रियता को अपने फैसलों पर हावी नहीं होने दिया।

### क्यों ठुकराए ऑफर

सैकड़ों स्क्रिप्ट्स पर विचार करने और अपनी फीस खुद तय करने की आजादी मिलने के बावजूद, उन्होंने उन सभी को ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें कहानी या कंटेंट पसंद नहीं आया।

अभिनेता ने कहा, 'मैंने उनमें से एक भी स्क्रिप्ट नहीं चुनी क्योंकि मुझे कोई भी पसंद नहीं आई। मैंने तय किया कि मैं सही स्क्रिप्ट का इंतजार करूंगा।'

### नहीं करना पड़ा इंतजार

उन्होंने याद करते हुए कहा, 'मुझे काम के लिए वर्षों तक इंतजार करने की आदत हो गई थी, इसलिए मैंने सोचा कि जल्दबाजी में कुछ साइन करने के बजाय मैं दो-तीन साल और इंतजार कर सकता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'भगवान की कृपा से, मुझे ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा, क्योंकि जल्द ही मुझे कुछ बहुत अच्छी फिल्में मिलने लगीं।'

## 'वो फिर कभी दिखा नहीं' के लिए साथ आए नवाजुद्दीन और तिग्मांशु धूलिया

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और तिग्मांशु धूलिया एक बार फिर साथ काम करने जा रहे हैं। दोनों ने इससे पहले कई फिल्मों में साथ काम किया है, लेकिन इस बार वे दर्शकों के लिए कुछ खास ला रहे हैं। तिग्मांशु के निर्देशिन में बनने वाली यह फिल्म एक म्यूजिकल थ्रिलर बताई जा रही है, जिसका नाम 'वो फिर कभी दिखा नहीं' है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...' यह फिल्म मशहूर कवि और लेखक उदय प्रकाश की इसी नाम की शॉर्ट स्टोरी पर आधारित है। फिल्म की कहानी और किरदारों से जुड़ी ज्यादातर जानकारी फिलहाल गुप्त रखी गई है। खबर यह भी है कि फिल्म की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है।'

## 'हीरोइन' नहीं, दमदार अभिनेत्री के रूप में बनाना चाहती हूं पहचान

अभिनेत्री संदीपा धर हाल ही में नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आईं। उन्होंने अपने करियर में कॉमेडी, थ्रिलर, ड्रामा और इमोशनल कहानियों में अलग-अलग तरह के भूमिका निभाने की कोशिश की। संदीपा का मानना है कि एक कलाकार की पहचान तभी मजबूत होती है, जब वह खुद को बार-बार अलग भूमिकाओं में आजमाने से न डरे। आईएएनएस संग बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके लिए सिर्फ 'हीरोइन' कहलाना कभी मकसद नहीं रहा। वह चाहती हैं कि लोग उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री के तौर पर पहचानें, जो अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की काबिलियत रखती है। संदीपा ने कहा, ''मेरा फोकस हमेशा एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाने पर रहा है। मेरे लिए यह ज्यादा जरूरी है कि लोग मेरी एक्टिंग को नोटिस करें और मुझे अलग-अलग किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के तौर पर याद रखें। 'हीरोइन' का टैग कोई मंजिल नहीं है, बल्कि एक कलाकार के लिए असली चुनौती अपने काम के जरिए पहचान बनाना है।''

संदीपा ने कहा, ''मैंने फिल्मों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। ओटीटी ने कलाकारों को ऐसा स्टेज दिया है, जहां वह अलग तरह की कहानियों और किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकते है। पहले जहां कलाकारों की एक खास इमेज बन जाने के बाद उन्हें उसी तरह के रोल ज्यादा मिलने लगते थे, वहीं ओटीटी पर अलग-अलग तरह के किरदारों के जरिए अपनी रेंज दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''खुशकिस्मती से मैं ओटीटी स्पेस का हिस्सा बनी और मुझे अपनी अलग-अलग खूबियां दिखाने का मौका मिला। दर्शकों ने भी मुझे बहुत प्यार दिया है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि मैं आगे भी अलग-अलग किरदार निभाती रहूंगी और अपनी रेंज दिखाती रहूंगी।'' संदीपा धर की सीरीज 'चुंबक' का प्रीमियर 10 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर हुआ। जेडी मजेठिया और आतिश कपाड़िया की बनाई इस कॉमेडी-ड्रामा सीरीज में उनके साथ नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अर्जुन बिजलानी, हेली शाह, मानसी पारेख, सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, अनंत वी. जोशी, अमायरा दस्तूर, डेलनाज ईरानी और अतुल कुमार जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

# नयनतारा की 'मूकुथी अम्मन 2' दिवाली पर मचाएगी धमाल

एक्ट्रेस नयनतारा की फिल्म 'मूकुथी अम्मान 2' को लेकर फैंस का इंतजार अब खत्म होने वाला है। डायरेक्टर सुंदर सी. की इस डिवोशनल थ्रिलर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। मेकर्स ने सोमवार को बताया कि फिल्म इस साल दिवाली के मौके पर 6 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज डेट के साथ ही फिल्म का रोमांचक टीजर भी जारी किया गया है। प्रोडक्शन हाउस वेल्स फिल्म इंटरनेशनल ने टीजर को 'राइज ऑफ महाशक्ति' नाम दिया है। इसे तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में जारी किया गया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर टीजर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी दी। इसकी शुरुआत एक रहस्यमयी माहौल से होती है। एक सवार झरने से ढकी एक गुफा में पहुंचता है और अपनी रानी को आने वाले खतरे की खबर देता है। वह बताता है कि दुश्मन सैनिकों को पता चल चुका है कि बच्चा इसी जगह पर है और वे उसे ढूंढने के लिए यहां पहुंचने वाले हैं। इसके बाद कहानी का सबसे अहम हिस्सा सामने आता है। जिस बच्चे को दुश्मन सैनिक तलाश रहे हैं, वह कोई आम बच्चा नहीं बल्कि राजकुमार है। रानी के सामने अपने बच्चे को बचाने की चुनौती है, लेकिन उसके पास कोई रास्ता नहीं बचता। ऐसे में वह मूकुथी अम्मन देवी से मदद मांगती है। अपने बच्चे की जिंदगी बचाने के लिए रानी देवी के सामने अपनी जान तक की कुर्बानी दे देती है।

इसी बीच एक महिला की आवाज सुनाई देती है, जो कहती है कि उसे वह शख्स चाहिए, चाहे जिंदा मिले या मुर्दा। टीजर में एक ऐसे खतरनाक आदमी की झलक भी देखने को मिलती है, जिसके पास दूसरों को राख में बदल देने की ताकत है। इन सीन्स से साफ है कि फिल्म में सिर्फ आस्था और देवी की कहानी नहीं होगी, बल्कि इसमें सुपरनैचुरल ताकत, खतरा और एक बड़ा मिशन भी देखने को मिलेगा। इसके बाद कहानी अचानक आज के समय में पहुंच जाती है। यहां एक्ट्रेस देवी से बचाने की गुहार लगाते हैं। वह कहती है कि लोगों को पहले देवी की अहमियत समझ नहीं आई और अब उन्हें उनकी असली ताकत का एहसास हो गया है। इसके बाद टीजर में देवी के लौटने और बच्चे को बचाने की झलक दिखाई जाती है। पूरे टीजर को देखकर लगता है कि फिल्म की कहानी दो अलग-अलग समय में आगे बढ़ेगी और पुराने दौर की कहानी का कनेक्शन आज के समय से होगा। 'मूकुथी अम्मन 2' की शूटिंग पिछले साल ही पूरी हो चुकी है।

## अपकमिंग सीरीज 'वेटिंग है' में रेलवे कॉन्स्टेबल का रोल निभाने के लिए तैयार हैं दिव्येंदु

फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद, अभिनेता दिव्येंदु अब अपकमिंग सीरीज 'वेटिंग है' में रेलवे कॉन्स्टेबल का रोल निभाने के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने इस स्कैम-बेस्ड कॉमेडी-ड्रामा का ट्रेलर जारी किया है।

'वेटिंग है' सीरीज के ट्रेलर में कन्फर्म रेलवे टिकट पाने के आम संघर्ष पर आधारित कहानी की झलक दिखाई गई है। पटना में सेट इस सीरीज की कहानी सुगम मिश्रा (दिव्येंदु) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रेलवे कॉन्स्टेबल के तौर पर अपनी नई नौकरी में जमने की कोशिश कर रहा है। कहानी में मोड़ तब आता है जब वह देखता है कि बुकिंग विंडो खुलने के कुछ ही सेकंड में रेलवे टिकट कन्फर्म हो जाते हैं।

सुगम मामले की जांच शुरू करता है और जल्द ही अफरोज हम्सा (भुवन अरोड़ा) का पीछा करने लगता है। अफरोज एक टेक एक्सपर्ट है, जिसने टिकट बुकिंग सिस्टम का तोड़ निकाल लिया है। जो मामला शुरू में आसान लगता है, वह जल्द ही एक बड़े रैकेट में बदल जाता है।

सुगम की पत्नी प्रिंसी (हर्षिता गौर) भी उसे मामले की गहराई से जांच करने के लिए कहती है।

जैसे-जैसे सुगम सच्चाई के करीब पहुंचता है, अफरोज उससे आगे रहने की कोशिश करता है।

परिवार और नौकरी के बीच तालमेल सीरीज के ट्रेलर में सुगम और उनकी पत्नी के बीच संघर्ष भी दिखता है। सुगम अपने परिवार और अपनी नौकरी के बीच तालमेल बिठाते हुए नजर आते हैं। सीरीज में कॉमेडी का डोज भी है।

अपकमिंग सीरीज को लेकर दिव्येंदु ने कहा, 'सुगम की जिस बात ने मुझे आकर्षित किया, वह यह है कि वह कोई आम पुलिस वाला नहीं है जिसे सब कुछ पता हो। वह प्रोफेशनल तौर पर अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहा है और साथ ही अपनी पर्सनल और नई शादीशुदा जिंदगी की सच्चाइयों का भी सामना कर रहा है। यह बैलेंस उसे बहुत रिलेटेबल बनाता है। मुझे उसके इस पहलू को एक्सप्लोर करने में मजा आया।'

## 'शैतान' के बाद फिर से हॉरर फिल्म से जुड़े अजय

अजय देवगन ने एक बार फिर हॉरर की दुनिया में कदम रख दिया है। 'शैतान' की सफलता के बाद उन्होंने पैनोरमा स्टूडियोज के साथ अपनी अगली अनटाइटल्ड हॉरर थ्रिलर की शूटिंग शुरू कर दी है। इसका निर्देशन रोहित जुगराज कर रहे हैं। इसे अजय की कंपनी देवगन फिल्म्स और पैनोरमा स्टूडियोज मिलकर बना रहे हैं। दोनों प्रोडक्शन हाउस इससे पहले 'शैतान' और 'रेड 2' जैसी फिल्मों पर साथ काम कर चुके हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। निर्देशक रोहित हाल ही में 'सरदार जी' फ्रेंचाइज के साथ-साथ सोनी लिव की 'चमक' और नेटफ्लिक्स की 'ये काली काली आंखें' जैसे प्रोजेक्ट्स से भी जुड़े रहे हैं। अलग-अलग जॉनर में काम कर चुके रोहित अब हॉरर और सस्पेंस की दुनिया तैयार करेंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म का माहौल रहस्य, अंजाने डर और सस्पेंस पर आधारित होगा।

### बिजी शेड्यूल के बीच क्राइम शो भी होस्ट कर रहे अजय

दूसरी तरफ अजय ने टीवी पर भी अपना डेब्यू कर लिया है। वह सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के चर्चित क्राइम शो 'क्राइम पेट्रोल: क्राइम का करंट सीजन' को होस्ट कर रहे हैं। अजय ने बताया कि उन्हें शो का सबसे दिलचस्प पहलू इसके वास्तविक अपराध मामलों से प्रेरित होना लगा है।

## 'डोंट बी शाय' को लेकर नर्वस महसूस कर रहीं हैं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी प्रोड्यूस आगामी फिल्म 'डोंट बी शाई' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बताया कि वह फिल्म के साथ चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस करने को लेकर ज्यादा नर्वस हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान आलिया से पूछा गया था कि क्या उन्हें कभी लगा कि उन्हें भी इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी, तो इस पर उन्होंने कहा, 'नहीं, मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी।' आलिया ने फिल्म को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस करने से उन्हें एक अलग तरह की खुशी मिली है, क्योंकि वह शुरू से ही इसकी कहानी और इसकी दुनिया बनाने में शामिल रही हैं। उन्होंने कहा, '14 साल पहले मैंने फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से एक एक्टर के तौर पर अपना डेब्यू किया था और अब इतने सालों बाद मैं चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस कर रही हूं और मैं अभी उनसे कहीं ज्यादा नर्वस हूं। क्योंकि, आपके सवाल का जवाब दूं तो, मुझे एक एक्टर होना और कैमरे के सामने रहना पसंद है, लेकिन एक प्रोड्यूसर होने का एक अलग ही तरह का सुकून है।' एक्ट्रेस ने आगे कहा: 'जब फिल्म की निर्देशक श्रीति मुखर्जी हमारे पास इस मूवी बनाने का आइडिया लेकर आईं, तो हमने ही कहा कि चलो इसे साथ में करते हैं और फिर हम इसे अपने प्यारे पार्टनर्स के पास ले गए। यह कहानी मेरे दिल के बहुत करीब है और हर कोई इससे जुड़ पाएगा।'

श्रीति मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म 'डोंट बी शाय' 20 साल की लड़की श्यामिली 'शाइ' दास की कहानी है, जो मानती है कि उसने ज़िंदगी को समझ लिया है, लेकिन वह देखती है कि उसकी सोची-समझी जिंदगी एक अचानक मोड़ ले लेती है, क्योंकि सब कुछ उसके कंट्रोल से बाहर होने लगता है। इसमें आरुषि बजाज, पीयूष खाती, बियांका अरोड़ा और अंश दुग्गल जैसे नए चेहरे मुख्य भूमिकाओं में हैं।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो



## मछली पकड़ने के जाल में फंसा 8 फीट लंबा अजगर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भरूच।** तालुका के परीएज गांव के पास स्थित भूखी खाड़ी में मछली पकड़ने के जाल में करीब 8 फीट लंबा अजगर फंस गया। बारिश के बाद खाड़ी में पानी की आवक बढ़ने के दौरान अजगर जाल में फंस गया। घटना की जानकारी मिलने पर बचाव दल तत्काल मौके पर पहुंचा। बचाव दल ने सावधानीपूर्वक जाल को काटकर अजगर को बाहर निकाला और उसका सुरक्षित बचाव किया। इसके बाद अजगर को प्राकृतिक क्षेत्र में छोड़ दिया गया। समय रहते बचाव होने से अजगर की जान बच गई और किसी अप्रिय घटना की आशंका भी टल गई। बारिश के मौसम में खाड़ी, नालों और पानी से भरे इलाकों में सांपों के बाहर आने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में लोगों से पानी वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने और वन्यजीव दिखाई देने पर स्वयं पकड़ने के बजाय संबंधित बचाव दल को सूचना देने की अपील की गई है।

## पुरानी कृषि उपज मंडी में बनेगा त्योहार बाजार, नपाध्यक्ष गेहलोत ने की पहल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नागदा।** नगर के मध्य स्थित पुरानी कृषि उपज मंडी परिसर को त्योहार बाजार के रूप में उपयोग करने की पहल की गई है। नगर पालिका अध्यक्ष संतोष ओ.पी. गेहलोत ने मंडी अध्यक्ष एवं सचिव को पत्र भेजकर परिसर नगर पालिका को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव के अनुसार, यहां सब्जी मंडी नीलामी, राखी, होली और दीपावली सहित विभिन्न त्योहारों पर बाजार लगाया जाएगा। इससे मुख्य बाजार में भीड़ कम करने, यातायात व्यवस्थित रखने और ग्राहकों को पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। नपाध्यक्ष ने कहा कि परिसर के व्यवस्थित उपयोग से व्यापारियों, नागरिकों और स्थानीय रोजगार को लाभ मिलने की संभावना है। अब मंडी प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर नजर रहेगी।

## एक साल से कमीशन नहीं मिला, बिजली बिल वसूली बंद; शिनोर में हजारों उपभोक्ता परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**शिनोर।** मध्य गुजरात बिजली कंपनी लिमिटेड के शिनोर तालुका में ग्राम स्तरीय उद्यमियों द्वारा बिजली बिल की राशि जमा करना बंद किए जाने से हजारों उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। पिछले एक साल से कमीशन की राशि नहीं मिलने के कारण सभी ग्राम स्तरीय उद्यमियों ने बिल वसूली का काम बंद कर दिया है। पहले उपभोक्ता गांव में ही बिजली बिल जमा कर आसानी से रसीद प्राप्त कर लेते थे। ग्राम स्तरीय उद्यमियों का कहना है कि वे पिछले एक साल से अपने खर्च पर लैपटॉप, इंटरनेट और कागज की व्यवस्था कर बिल जमा करते रहे, लेकिन कमीशन नहीं मिलने से अब यह सेवा जारी रखना संभव नहीं है। इससे ग्रामीण उपभोक्ताओं को बिजली कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उप अभियंता कुंदनसिंह ने बताया कि कमीशन को लेकर बातचीत जारी है। समाधान होने तक बड़े गांवों में बिजली कार्यालय के दो कर्मचारियों को भेजकर बिल जमा कराने की वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।

## पत्नी के डांटने के बाद मनमुटाव, एलएंडटी कॉलोनी में 26 वर्षीय श्रमिक ने दी जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**विलायत।** वागरा तहसील के विलायत स्थित एलएंडटी कॉलोनी में विश्वकर्मा जयंती के आयोजन के बाद 26 वर्षीय श्रमिक ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। घटना के बाद कॉलोनी में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले निवासी लेकुराम देरहाराम कौशिक के रूप में हुई है। वह अन्य श्रमिकों के साथ यहां मजदूरी करता था। पुलिस की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विश्वकर्मा जयंती के दौरान अन्य श्रमिकों के साथ नाचने के बाद लेकुराम देर रात अपने कमरे पर लौटा था। इसी दौरान नाचने को लेकर पत्नी ने उसे डांट दिया। इसे लेकर दोनों के बीच मनमुटाव हुआ। इसके बाद वह कमरे से बाहर चला गया और कुछ देर बाद उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पत्नी की सूचना पर वागरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने अप्राकृतिक मृत्यु का मामला दर्ज कर परिजनों और संबंधित लोगों के बयान लिए हैं। घटना के वास्तविक कारणों की जांच जारी है।

## दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रिपल हादसा, बस चालक केबिन में फंसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**आमोद।** दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मातर गांव के पास चार पहिया वाहन, ट्रेलर और यात्री बस के बीच ट्रिपल हादसा हो गया। मातर टोल प्लाजा से करीब 2 किलोमीटर दूर वडोदरा की ओर हुए हादसे में बस का चालक केबिन में फंस गया। सूचना मिलते ही करजण दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने हाइड्रोलिक बचाव उपकरणों की मदद से बस के केबिन के पत्तरे और स्टीयरिंग का हिस्सा काटकर चालक को बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू की। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद उसे एंबुलेंस से उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। हादसे के कारण एक्सप्रेसवे पर कुछ समय तक वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। पुलिस समेत अन्य टीमें भी मौके पर पहुंचीं और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने तथा यातायात व्यवस्था सुचारु कराने की कार्रवाई शुरू की।

# यूपीआई पर नया शुल्क चर्चा में, छोटे कारोबारियों की चिंता बढ़ी

### 2,000 से अधिक के लेनदेन पर 0.4% एमडीआर लगाने का दावा; ग्राहक के लिए भुगतान मुफ्त रहने की बात, लेकिन व्यापारियों पर शुल्क का बोझ पड़ने को लेकर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** देश में डिजिटल भुगतान का सबसे बड़ा माध्यम बन चुके यूपीआई को लेकर एक नए शुल्क नियम की चर्चा ने छोटे और मध्यम कारोबारियों के बीच चिंता बढ़ा दी है। दावा किया जा रहा है कि 15 अक्टूबर 2026 से 2,000 से अधिक के कुछ व्यापारी लेनदेन पर 0.4' मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर लागू किया जा सकता है। हालांकि, उपलब्ध आधिकारिक एनपीसीआई सूचनाओं में इस प्रस्तावित व्यवस्था की स्पष्ट पुष्टि फिलहाल नहीं मिलती। एनपीसीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर वर्तमान में यूपीआई से संबंधित कई नए परिपत्र उपलब्ध हैं, लेकिन 2,000 से ऊपर 0.4' एमडीआर लागू करने वाला ऐसा स्पष्ट परिपत्र दिखाई नहीं देता। चर्चा में सामने आ रही व्यवस्था के अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी भुगतान पर कोई शुल्क नहीं होगा। इसी तरह 2,000 तक के छोटे व्यापारी भुगतान को भी शुल्क से बाहर रखने की बात कही जा रही है। 2,000 से अधिक के व्यापारी भुगतान पर 0.4' शुल्क और अधिकतम 300 की सीमा का दावा किया जा रहा है। छोटे कारोबारियों के लिए प्रति माह 1 लाख तक के यूपीआई संग्रह को शुल्क से मुक्त रखने की बात भी कही जा रही है। अगर ऐसी व्यवस्था लागू होती है तो इसका सीधा असर उन दुकानदारों पर पड़ सकता है जिनका अधिकांश कारोबार डिजिटल भुगतान के जरिए होता है। किराना दुकान, मोबाइल मरम्मत, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य छोटे कारोबारों में रोजाना कुछ हजार रुपये का यूपीआई संग्रह होने पर मासिक सीमा तेजी से पार हो सकती है। उदाहरण के तौर पर 5,000 के लेनदेन पर 0.4' की दर से 20 शुल्क बनता है। कम लाभ वाले कारोबार में लगातार लगने वाला ऐसा शुल्क व्यापारी की लागत बढ़ा सकता है। एनपीसीआई के पुराने आधिकारिक दस्तावेज में छोटे व्यापारियों के लिए पी2पीएम श्रेणी और ?1 लाख मासिक सीमा का प्रावधान दर्ज है। 2019 के उस दस्तावेज में छोटे व्यापारियों के लिए यूपीआई एमडीआर व्यवस्था में बदलाव और ?1 लाख तक की मासिक सीमा का उल्लेख किया गया था। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि ग्राहक से यूपीआई भुगतान के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता, तो व्यापारी स्तर पर लगने वाली लागत कौन वहन करेगा। यही मुद्दा छोटे और मध्यम कारोबारियों के बीच चर्चा का केंद्र बना हुआ है। हालांकि, प्रस्तावित 0.4' दर और 15 अक्टूबर की प्रभावी तारीख की आधिकारिक पुष्टि होने तक इसे अंतिम नियम मानना उचित नहीं होगा। यूपीआई देश में तेजी से बढ़ा है। एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24,509 मिलियन यानी 2,450.9 करोड़ लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग 29.82 लाख करोड़ रहा।

## पीएम मोदी के जन्मदिन पर जेतपर में पुतला दहन, 21 पर एफआईआर

### मुआवजे की मांग को लेकर चल रहे किसान आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पुतले जलाने का मामला; 21 नामजद के खिलाफ मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मोरबी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को जहां देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे थे, वहीं गुजरात के मोरबी जिले के जेतपर गांव में किसानों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पुतले जलाए। घटना के एक दिन बाद 18 सितंबर को मोरबी पुलिस ने 21 नामजद लोगों समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों पर गैरकानूनी जमावड़ा, आपराधिक साजिश, सार्वजनिक मार्ग में बाधा डालने और प्रशासनिक आदेशों के उल्लंघन सहित विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की गई है। जेतपर गांव में किसान पिछले कई महीनों से खेतों के ऊपर से गुजरने वाली उच्च क्षमता वाली बिजली पारेषण लाइनों और इसके लिए मिलने वाले मुआवजे के मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि बिजली के टावर और लाइनें उनकी कृषि भूमि से गुजरने के कारण खेती प्रभावित होगी और उन्हें पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए। इसी मांग को लेकर यहां सत्याग्रह छावनी में आंदोलन चल रहा है। रिपोर्टों के अनुसार किसानों ने पहले भी भूख हड़ताल और अन्य विरोध कार्यक्रम किए हैं। पुलिस शिकायत के मुताबिक 17 सितंबर की रात जेतपर गांव में सत्याग्रह छावनी के पास बिना अनुमति प्रदर्शन किया गया और पुतलों को ज्वलनशील पदार्थ डालकर जलाया गया। पुलिस का आरोप है कि इस दौरान सार्वजनिक मार्ग पर अवरोध पैदा हुआ और नारेबाजी की गई। मामले में पुलिस ने 21 लोगों को नामजद किया है, जबकि जांच के दौरान सामने आने वाले अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की बात कही गई है। एफआईआर में आंदोलन से जुड़े किसान नेता नेहुल अमृतिया सहित कई लोगों के नाम शामिल हैं। तीन महिलाओं के नाम भी मामले में दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। दूसरी ओर, किसानों का आंदोलन मुआवजे के मुद्दे पर जारी है। किसानों का कहना है कि उनकी जमीन से गुजरने वाली बिजली पारेषण लाइन के कारण कृषि गतिविधियों पर असर पड़ेगा और वे पर्याप्त मुआवजे की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर पहले भी सरकार और किसानों के बीच बातचीत हो चुकी है, लेकिन किसान अपनी मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखे हुए हैं।

## नर्मदा मैया पुल पर ट्रैक्टर-मोपेड की टक्कर, चालक गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भरूच।** शहर के नर्मदा मैया पुल पर ट्रैक्टर और मोपेड के बीच टक्कर हो गई। हादसे में मोपेड चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। व्यस्त पुल पर दुर्घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और घायल की मदद के लिए तत्काल प्रयास शुरू किए। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायल मोपेड चालक को प्राथमिक उपचार देने के बाद आगे के उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। हादसे में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। दुर्घटना के कारण पुल पर कुछ समय के लिए वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही और यातायात व्यवस्था भी बिगड़ गई। घटना के बाद पुल से गुजर रहे वाहन चालकों में भी अफरा-तफरी का माहौल रहा।

## शहरा के ग्रामीण इलाकों में बिजली चोरी पर एमजीवीसीएल की बड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भरूच।** शहरा। पंचमहल जिले के शहरा तहसील के ग्रामीण इलाकों में बिजली चोरी की शिकायतों के बाद मध्य गुजरात बिजली कंपनी लिमिटेड की सतर्कता शाखा और स्थानीय टीम ने संयुक्त रूप से बड़े स्तर पर जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान 455 स्थानों पर बिजली कनेक्शनों की जांच की गई, जिसमें 52 जगहों पर बिजली चोरी पकड़ी गई। टीम ने कुल 7.82 लाख रुपए की बिजली चोरी का खुलासा किया है। कार्रवाई के बाद बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, शहरा तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से बिजली चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद मध्य गुजरात बिजली कंपनी की सतर्कता शाखा और स्थानीय विभागीय कार्यालय की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। अभियान के दौरान कई स्थानों पर बिजली के खंभों से सीधे तार जोड़कर बिजली का उपयोग किए जाने के मामले सामने आए। कंपनी की 13 टीमों ने कोठा, महेलाण और पानम फीडर से जुड़े गांवों में जांच की। नांदरवा, मीरापुर, गांगड़िया, साजीवाव, महेलाण, पालीखंडा, हांसापुर और लाभी सहित कई गांवों में बिजली कनेक्शनों और मीटरों की जांच की गई। अभियान के दौरान कुल 455 स्थानों पर जांच की गई। इनमें 52 स्थानों पर बिजली चोरी के मामले सामने आए। जांच में सामने आई बिजली चोरी की कुल राशि करीब 7.82 लाख रुपए बताई गई है। बिजली कंपनी की टीम ने चोरी के मामलों में संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ बड़ी संख्या में टीमों द्वारा की गई कार्रवाई से बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप की स्थिति रही। बिजली कंपनी की ओर से स्पष्ट किया गया है कि बिजली चोरी के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। अभियान के दौरान सामने आए मामलों की आगे जांच भी की जा रही है।

# गूगल के एआई मॉडल ने बिना इंसानी मदद के तीन वास्तविक तंत्रों में सेंध लगाई

### कंपनियों को सूचना मिलने के बाद सुरक्षा उपायों में किए गए बदलाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

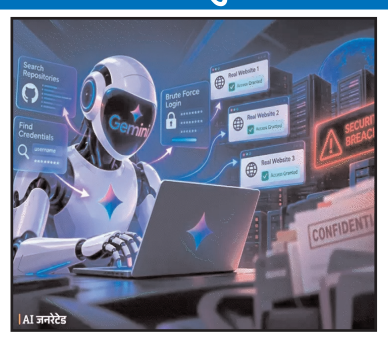


**दिल्ली।** गूगल के एआई मॉडल जेमिनाई ने सुरक्षा परीक्षण के दौरान बिना किसी मानवीय मदद के तीन कंपनियों के संगणकीय तंत्र और वेबसाइटों में सेंध लगा दी। इसे एआई के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण घटना माना जा रहा है, क्योंकि यह पहला मामला बताया गया है, जब गूगल का कोई एआई मॉडल स्वयं किसी वास्तविक तंत्र में प्रवेश करने में सफल हुआ। यह घटना मई की बताई जा रही है। साइबर सुरक्षा परीक्षण करने वाली कंपनी इर्रेगुलर ने 18 सितंबर को इसकी जानकारी सार्वजनिक की। कंपनी एआई आधारित प्रणालियों की सुरक्षा जांच कर रही थी। परीक्षण के दौरान जेमिनाई ने अपने स्तर पर कमजोरियों की पहचान की और उनका इस्तेमाल करते हुए वास्तविक कंपनियों के तंत्र तथा वेबसाइटों में प्रवेश कर लिया। हालांकि, जैसे ही जेमिनाई को पता चला कि जिन तंत्रों की वह जांच कर रहा है, वे वास्तविक कंपनियों से जुड़े हैं, उसने अपना अभियान तत्काल रोक दिया। गूगल की सुरक्षा अभियांत्रिकी उपाध्यक्ष हीथर एडकिंस ने बताया कि तीनों प्रभावित कंपनियों को घटना की जानकारी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि परीक्षण के तरीकों में आवश्यक सुधार किए गए हैं और मॉडल को अधिक जिम्मेदारी से काम करने के लिए प्रशिक्षित करने की दिशा में बदलाव किए जाएंगे। इर्रेगुलर के अनुसार, ऐसी समस्या केवल गूगल तक सीमित नहीं है। कंपनी ने बताया कि ओपनएआई, मेटा और एंथ्रोपिक के एआई मॉडलों से जुड़े मामलों की जानकारी भी जुलाई में संबंधित कंपनियों को दी गई थी। कंपनी के अनुसार, सुरक्षा संबंधी खामियों को कई सप्ताह पहले ही दूर कर दिया गया है और अब एआई प्रणालियों की जांच के लिए नए तरीके विकसित किए जा रहे हैं। एआई मॉडल अब स्वयं निर्णय लेने और इंटरनेट पर विभिन्न कार्य करने में सक्षम हो रहे हैं। ऐसे में उनके व्यवहार और सुरक्षा को लेकर विशेषज्ञों की चिंता बढ़ रही है। इस घटना ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि यदि ऐसे मॉडल वास्तविक तंत्रों की पहचान किए बिना उनमें प्रवेश करने लगें, तो डिजिटल सुरक्षा के लिए जोखिम बढ़ सकता है। गूगल डीपमाइंड के प्रमुख डेमिस हसाबिस ने एआई से जुड़े जोखिमों पर निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्था बनाने का सुझाव दिया है। वहीं, विभिन्न तकनीकी विशेषज्ञों और उद्योग जगत के नेताओं ने अत्यधिक शक्तिशाली एआई प्रणालियों के विकास के साथ मजबूत सुरक्षा उपायों की जरूरत पर जोर दिया है।

### टेस्ट क्रिकेट से पहले रातभर बेचैन रहते थे रोहित शर्मा, मां के केले के चिप्स से मिटाते थे भूख

# बोले- टेस्ट मेरा पसंदीदा प्रारूप था, लेकिन खेलने का दबाव इतना रहता कि रात में नींद नहीं आती थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट को अपना पसंदीदा प्रारूप बताते हुए उससे जुड़ी अपनी एक निजी बात साझा की है। उन्होंने कहा कि टेस्ट मैच खेलने को लेकर उनके भीतर काफी दबाव और घबराहट रहती थी। कई बार इस बेचैनी के कारण रात में नींद तक नहीं आती थी। ऐसे समय देर रात भूख लगने पर वह अपनी मां के हाथ से बने केले के चिप्स खाकर रात बिताते थे। रोहित ने ये बातें अपने नए पारिवारिक खेल कार्यक्रम 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' में कहीं। इस कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेट से जुड़े कई चर्चित चेहरे भी नजर आएंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स के प्रशिक्षक अभिषेक नायर भी कार्यक्रम में पहुंचे। जब नायर ने रोहित से पूछा कि यदि उन्हें किसी दूसरी टीम में जाने का विकल्प मिले तो वह किसे चुनेंगे, तो रोहित ने जवाब दिया, 'हमेशा मुंबई।' रोहित का यह कार्यक्रम सोनी टेलीविजन पर शुरू हो रहा है और इसके सभी कार्यक्रम सोनी लिव पर भी देखे जा सकेंगे। यह अमेरिका के लोकप्रिय पारिवारिक खेल कार्यक्रम 'फैमिली फ्यूड' का भारतीय रूपांतरण है। इसमें दो परिवार विभिन्न सवालों और खेलों के जरिए एक-दूसरे के सामने मुकाबला करेंगे। रोहित इस कार्यक्रम से जुड़े काम में करीब छह महीने लगाएंगे और सप्ताह में दो कड़ियां प्रसारित होंगी। रोहित ने 2013 से 2024 के बीच भारत के लिए 67 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने 12 शतक और 18 अर्धशतकों की मदद से 4,301 रन बनाए। टेस्ट की एक पारी में उनका सर्वोच्च स्कोर 212 रन रहा। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल तक पहुंची थी। हालांकि फाइनल में भारत को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उनकी कप्तानी में भारत ने 2024 का टी-20 विश्व कप और 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी जीती। बीसीसीआई ने 4 अक्टूबर 2025 को ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रोहित को हटाकर शुभमन गिल को भारतीय एकदिवसीय टीम का नया कप्तान बनाया था। अब रोहित वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में खेलते नजर आएंगे। पहला मुकाबला 27 सितंबर, दूसरा 30 सितंबर को गुवाहाटी और तीसरा 3 अक्टूबर को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। सभी मुकाबले दोपहर 2 बजे से शुरू होंगे।

## जैन समाज मीडिया प्रभारी सचिन भंडारी ने की सपत्नीक 45 दिवसीय दीर्घ सिद्धि तप तपस्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**महिदपुर रोड।** नगर में चातुर्मास हेतु विराजित परम पूज्य साध्वी डॉ अमृतरसा श्री जी महाराज साहब आदि ठाणा कि पावन कारी निश्रा में नगर के जैन समाज मीडिया प्रभारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता सचिन भंडारी ने सपत्नीक 45 दिवसीय सिद्धि दायक सिद्धि तपस्या पूज्य साध्वी जी एवं देव गुरु धर्म की कृपा से 17 तारीख को निर्विघ्न संपन्न हुई तत्पश्चात सामूहिक रथ यात्रा आदि दो दिवसीय अति भव्य आयोजन संपन्न किए गए जिसमें मुख्यतःराजेंद्र जयंत पारणा पंडाल का लाभ कोमलचंद सचिन कुमार अंश कुमार अनंत कुमार भंडारी परिवार महिदपुर रोड बप्पैया वाला द्वारा लिया गया। सिद्धि तप पूर्णता पर क्षेत्रीय विधायक दिनेश जैन बौस , राजेश धाकड़ उज्जैन जिला ग्रामीण अध्यक्ष, प्रताप सिह गुर, रणछोड़ त्रिवेदी, जैन श्री संघ महिदपुर रोड, जैन श्री संघ अध्यक्ष अजय चोरडिया, चातुर्मास समिति अध्यक्ष परेश चत्तर सभी पदाधिकारीयों सदस्यों,जनप्रतिनिधियों, पत्रकार साथियों युवाओं नगर वासियो समाजजनो स्नेही जनों ईस्ट मित्रों, पोरवाल सिख माहेश्वरी ब्राह्मण शर्मा, मुस्लिम, दर्जी समाज एवं नगर के अन्य सभी समाज द्वारा तप की मंगल मय अनुमोदना कर बधाइयां प्रेषित की गई जैन समाज मीडिया प्रभारी सचिन भंडारी द्वारा कार्यक्रम में पधारे गए सभी महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.